जबलपुर सोमवार 6 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ कृष्ण पक्ष षष्ठी

वर्ष 32 अंक 11 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 34.0°C
न्यूनतम तापमान 24.4°C
सूर्योदय - 5.30 | सूर्यास्त - 7.00

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

म.प्र अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष... ⏩ 2

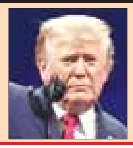

ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह खत्म... ⏩ 7

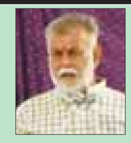

एक देश एक विधान के प्रबल समर्थक डॉ.श्यामा... ⏩ 8

दुश्मन का सीना चीरेंगे शिवपुरी में बने हथियार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस प्लांट का किया भूमिपूजन

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारा मध्यप्रदेश तेजी से निवेश, उद्योग और रोजगार का विश्वसनीय केंद्र बन रहा है। मध्यप्रदेश आज सिर्फ एक विशाल औद्योगिक परियोजना का साक्षी नहीं, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के नए युग का उद्घोष कर रहा है।

उन्होंने कहा कि अब भारत अपनी सुरक्षा के लिए किसी अन्य देश पर निर्भर नहीं है, बल्कि स्वदेश में निर्मित आधुनिक रक्षा उपकरणों के बल पर दुनिया के सामने अपनी सामर्थ्य का परिचय दे रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का डिफेंस सिस्टम बेहद मजबूत हो गया है। हमारी आंतरिक और बाहरी सुरक्षा और मजबूत हो गई है। प्रधानमंत्री की विजनरी लीडरशीप में रक्षा उत्पादों का आयात करने वाला हमारा देश अब बीते कुछ ही सालों में रक्षा उत्पादों का निर्यातक बन गया है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने में अब निजी क्षेत्र की भूमिका भी लगातार मजबूत हो रही है।

भारत अब रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर हो गया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन की सरकार ने ग्वालियर-चंबल को संबल दिया है। आज ग्वालियर-चंबल रीजन रक्षा क्षेत्र, एविएशन, लॉजिस्टिक और आधुनिक उद्योगों में निवेश का हब बनकर उभर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार

को शिवपुरी शहर के पोलोग्राउंड में विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ शिवपुरी जिले के पाली में लगभग 2,500 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाले अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ग्रुप के अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का पूजा-अर्चना कर विधिवत् शिलान्यास किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से शिवपुरी जिले के लिए करीब 211 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के 38 विकास कार्यों का ई-लोकार्पण एवं ई-भूमिपूजन भी किया। इसमें 166.72 करोड़ रुपये की लागत के 28 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 44.57 करोड़ रुपये लागत के 10 विकास कार्यों का भूमिपूजन शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 106 करोड़ रुपए की लागत से शिवपुरी जिले के करेरा, खनियांधाना और गणेश खेड़ा में नवनिर्मित सांदीपनि शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यिमक भवनों का लोकार्पण कर स्कूल चलें अभियान को नई गति दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अनाउंसमेंट की नही डेवलपमेंट की सरकार है। उन्होंने कहा कि अडानी ग्रुप द्वारा स्थापित किया जा रहा यह अत्याधुनिक रक्षा उत्पादन केंद्र देश की सामरिक आवश्यकताओं की आपूर्ति करेगा। इस डिफेंस प्रोडक्ट प्लांट में बनने वाले गोला बारूद और स्वदेशी मिसाइलें देश की सुरक्षा को और मजबूती देंगी, वहीं क्षेत्रीय युवाओं एवं जरूरतमंदों के लिए यहां करीब 4 से 5 हजार प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अत्याधुनिक सुविधाओं में लैस यह प्लांट दक्षिण एशिया में निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा मिसाइल इकोसिस्टम मैन्युफैक्चरिंग प्लांट होगा, जो देश की रक्षा उत्पादन क्षमता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को एक मजबूत आधार भी देगा।

रक्षा उत्पादन नक्शे में शिवपुरी का भी नामः सिंधिया

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, जब भी देश की रक्षा के लिए युद्ध होगा, तब शिवपुरी से हथियार और गोला-बारूद जाएंगे। यहां के युवाओं की मेहनत से बने हथियार दुश्मन का सीना चीरेंगे। गोला-बारूद दुश्मन को परास्त करेंगे। केंद्रीय संचार मंत्री सिंधिया ने कहा कि यह भारत का दौर है। भारत की पहचान अब एक प्रगतिकारक, आत्मनिर्भर और रक्षा उत्पाद निर्माता भारत के रूप में हो रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि शिवपुरी की धरती पर आज अदाणी डिफेंस यूनिट का भूमिपूजन हो गया है। अब यहां विकास की नई इबारत लिखी जाएगी। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश देश का वह अनूठा प्रदेश है, जहां आने वाले निवेशकों का सिर्फ दिल ही नहीं, उनका विश्वास भी जीता जा रहा है।

1 लाख 20 हजार लोगों को रोजगार देंगे : जीत अदाणी

अदाणी ग्रुप के ऑनर गौतम अदाणी के सुपुत्र जीत अदाणी ने कहा कि मध्यप्रदेश आज रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए दक्षिण एशिया के सबसे बड़े मिसाइल इकोसिस्टम की शुरूआत करने जा रहा है। यह अत्याधुनिक फैसिलिटी नेशनल डिफेंस के लिए रॉ मटेरियल से लेकर तैयार मिसाइलों तक का निर्माण एक ही परिसर में करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केन्द्रीय मंत्री सिंधिया के कुशल नेतृत्व तथा राज्य सरकार द्वारा इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विकास पर दिए गए विशेष फोकस से मध्यप्रदेश देश की सबसे शक्तिशाली ग्रोथ स्टोरी के रूप में उभरा है। अदाणी ग्रुप का लक्ष्य 2030 तक प्रदेश में करीब 1 लाख 20 हजार रोजगार उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम स्थल पर अदाणी डिफेंस एण्ड एयरोस्पेस प्लांट की प्रदर्शनी भी लगाई गयी।

नहीं रहीं पंडवानी गायिका पद्म विभूषण तीजन बाई

रायपुर।

छत्तीसगढ़ की लोक कला और पंडवानी गायन को वैश्विक पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण तीजन बाई का निधन हो गया। वे 70 साल की थीं। उन्होंने शनिवार रात 3.15 बजे रायपुर एम्स में अंतिम सांस ली। वे पिछले कुछ समय से बीमार थीं। भारतीय लोक कला में उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण और देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। रविवार सुबह 11 बजे तीजन बाई के शव को उनके पैतृक गांव गनियारी लाया गया, जहां राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। तीजन बाई ने अपनी सशक्त आवाज, प्रभावशाली अभिनय और अनोखी प्रस्तुति शैली से पंडवानी को देश ही नहीं, बल्कि विदेशों तक में नई पहचान दिलाई। महाभारत की कथाओं को सुनाने की प्रेरणा उन्हें नाना से मिली थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीजन बाई के निधन पर शोक जताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'उन्होंने छत्तीसगढ़ की लोक कला को अपनी भव्य प्रस्तुति से दुनियाभर में पहचान दिलाई। उनका जाना कला और संस्कृति जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।' छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि पंडवानी के जरिए उन्होंने देश-विदेश में राज्य का नाम रोशन किया।

राजकीय सम्मान के साथ किया गया अंतिम संस्कार

मध्यप्रदेश नये वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन करने वाला देश का पहला राज्य बना

नव गठित वक्फ बोर्ड में 2 हिन्दू सदस्य भी हुए शामिल

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय के तहत मध्यप्रदेश में नये वक्फ बोर्ड का गठन किया है। इस संबंध में मध्यप्रदेश राजपत्र में अधिसूचना भी जारी कर दी गयी है। म.प्र. वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सनवर पटेल होंगे। वक्फ बोर्ड में कुल 10 सदस्य बनाये गये है, जिनमें 2 हिन्दू सदस्य मनोज मालपानी और अनिमेश भार्गव को भी शामिल किया गया है। नये अधिनियम के तहत वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है। राज्य शासन ने वक्फ अधिनियम-1995 (संशोधित-2025) की धारा-13 (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अधिनियम की धारा-14 में उल्लेखित प्रावधान अनुसार वक्फ बोर्ड का गठन किया है। नये वक्फ बोर्ड में नजमा हेपतुल्ला नई दिल्ली, आतिफ अकील विधायक भोपाल (उत्तर), फैजान खान उज्जैन, फातेमा चौधरी इंदौर, शाइस्ता सुल्तान पार्षद बैरसिया भोपाल, शबाना खान पार्षद रतलाम, मनोज मालपानी इंदौर, अनिमेश भार्गव राघौगढ़ गुना और आयुक्त पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण को सदस्य बनाया गया है। नजमा हेपतुल्ला, वक्फ अधिनियम, 1995 (यथा संशोधित, 2013) की धारा 14 के अंतर्गत 19.04.2023 की अधिसूचना द्वारा निर्वाचित श्रेणी से नियुक्त सदस्य हैं। इनका कार्यकाल 18.04.2028 तक प्रभावी है अत: इनका नाम नवीन अधिसूचना में शेष कार्यकाल के लिये सम्मिलित किया गया है।

राम मंदिर चंदा चोरी मामले में बयान दें मोदी : कांग्रेस

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस ने राम मंदिर चंदा चोरी मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बयान देने की मांग करते हुए कहा है कि पूरे प्रकरण की जांच उचतम न्यायालय के न्यायाधीश से कराई जानी चाहिए और आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेस संचार विभाग के

प्रभारी जयराम रमेश ने रविवार को यहां एक बयान में कहा कि राम मंदिर में चोरी हुई है और इस पर किसी तरह का कोई संदेह या विवाद नहीं है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के बयान को शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि जो लोग दूसरों को ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और राष्ट्रवाद के प्रमाणपत्र देते थे, वे आज स्वयं रंगे हाथों पकड़े गए हैं।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ मॉनसून सत्र में पेश होगी जांच रिपोर्टः ओम बिरला

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने वाली तीन सदस्यीय समिति की रिपोर्ट 20 जुलाई से शुरू होने वाले मॉनसून सत्र में लोकसभा में पेश की जाएगी। इसके साथ ही, उनके इस्तीफे के फैसले के बावजूद संसद की ओर से उन्हें हटाने का प्रस्ताव लाने की संभावना भी बनी हुई है। पश्चिम बंगाल के विधायकों को संबोधित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ओम बिड़ला ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरविंद कुमार की अध्यक्षता वाली समिति ने उन्हें जो रिपोर्ट सौंपी है, उसे पेश किए जाने के बाद आगे की

कार्रवाई का फैसला सदन करेगा। ओम बिरला ने जिस तरह से ये बात कही है ये माना जा रहा कि रिपोर्ट संसद सत्र के पहले दिन पेश की जा सकती है। उन्होंने बताया कि सत्ताधारी गठबंधन और विपक्ष, दोनों ही दलों के सदस्यों ने वर्मा को हटाने के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए थे। इस्तीफे के बाद जस्टिस वर्मा को हटाने का प्रस्ताव कानूनी तौर पर अस्पष्ट स्थिति में इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस, जिनका नाम इस्तीफे के बावजूद कोर्ट के पोर्टल पर कार्यरत जजों की सूची में बना हुआ है, पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप हैं। पिछले साल मार्च में आग लगने की घटना के बाद इमरजेंसी रिस्पॉन्स अधिकारियों को उनके नई दिल्ली स्थित बंगले के एक आउटहाउस में नष्ट किए गए करेंसी नोटों के बंडल मिले थे।

प्रस्ताव पर पक्ष-विपक्ष के सांसदों के साइन

जब यह घटना सामने आई थी, तब जस्टिस वर्मा दिल्ली हाई कोर्ट में जज थे और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठी थी। बाद में उन्हें उनके मूल हाई कोर्ट, यानी इलाहाबाद हाई कोर्ट वापस भेज दिया गया था। उनके खिलाफ प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने वाले 146 से अधिक लोगों में कांग्रेस के राहुल गांधी और बीजेपी के रवि शंकर प्रसाद और अनुराग ठाकुर समेत विभिन्न दलों के लोकसभा सांसद शामिल थे।

पानी का प्रहार: कई राज्यों में हाहाकार

मुंबई। देश के कई राज्यों में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में जेनिथ वाटरफॉल में अचानक पानी का लेवल बढ़ गया, जिसमें 100 टूरिस्ट फंस गए। उन्हें रस्सी की मदद से निकाला गया। नालासोपारा में सड़क पर पानी भरने से 20 कारें उसमें डूब गईं। मुंबई में 64 पेड़ गिर गए और 8 मकानों की दीवारें ढह गईं। मुंबई में अलग-अलग इलाकों में पेड़ गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। दिल्ली में रविवार को अचानक मौसम बदलने के बाद तेज हवा के साथ बारिश हुई। गुजरात के जूनागढ़ में कई इलाकों में 4 फीट तक पानी भर गया। सड़क पर नाव चलानी पड़ रही है। भावनगर में एक कार पानी में बह गई। बिहार में मानसून एक्टिव है। कोसी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने के साथ कटाव शुरू हो गया है। तेज कटाव के कारण रविवार को खगड़िया जिले के शिशवा गांव के छह घर नदी में समा गए, जबकि कई अन्य मकान अभी भी कटाव के मुहाने पर हैं। अमरेली जिले के राजुला तालुका की धातरवाडी-2 डैम में तेजी से पानी की आवक जारी है। इससे चलते रविवार को 20 गेट 0.90 मीटर तक खोल दिए गए। इससे धातरवाडी नदी उफान पर आ गई।

महाराष्ट्र में वाटरफॉल में फंसे 100 टूरिस्ट, वसई में 20 कारें डूबीं

नदी में फंसे 5 लोगों को बचाया

जम्मू और कश्मीर के सांबा में बसंतर नदी में फंसे पांच लोगों को पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने बचाया।

मुंबई से 4 इंडिगो उड़ानें रद्द

मुंबई में रविवार को हुई भारी बारिश और तेज हवाओं का असर छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के संचालन पर पड़ा। खराब मौसम के कारण रनवे संचालन करीब एक घंटे के लिए रोकना पड़ा। इस दौरान इंडिगो की चार उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि विभिन्न एयरलाइंस की 13 आने वाली उड़ानों को आसपास के हवाई अड्डों की ओर डायवर्ट किया गया। बाद में सभी डायवर्ट की गई उड़ानें मुंबई लौट आईं।

54 साल पुरानी दो मंजिला बिल्डिंग गिरी, 2 की मौत

चंडीगढ़ (वार्ता)। चंडीगढ़ के इंडस्ट्रियल एरिया फेज-2 में शनिवार शाम करीब 54 साल पुरानी दो मंजिला इमारत ढह गई। हादसे में मलबे के नीचे दबने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। राहत एवं बचाव कार्य करीब साढ़े पांच घंटे तक चला, जिसमें सेना, एनडीआरएफ और चंडीगढ़ प्रशासन की टीमों ने संयुक्त रूप से हिस्सा लिया। मृतकों की पहचान मेरठ (उत्तर प्रदेश) निवासी तरुण जैन और तरुण कौशिश के रूप में हुई है। वहीं कुलदीप सिंह, कुलबीर सिंह, उमेश, राहुल और अजीत को मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया।

सजा के बाद सहानुभूति कार्ड पर दांव

दतिया उपचुनाव में राजेंद्र भारती की पत्नी को उतार सकती है कांग्रेस

भोपाल। मध्यप्रदेश के दतिया विधानसभा सीट पर 30 जुलाई को मतदान होना है। कांग्रेस उम्मीदवार के नाम पर अंतिम मंथन में जुटी है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, संभावित उम्मीदवारों के पैनल में पूर्व विधायक राजेंद्र भारती की पत्नी शोभा भारती सबसे मजबूत दावेदार मानी जा रही हैं। कांग्रेस मंगलवार को उम्मीदवार का नाम घोषित कर सकती है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, दतिया उपचुनाव के लिए तैयार पैनल में तीन नाम

शामिल हैं। इनमें शोभा भारती का नाम इसलिए सबसे ज्यादा चर्चा में है क्योंकि राजेंद्र भारती की सजा और उसके बाद सीट रिक्त होने की पृष्ठभूमि में कांग्रेस उन्हें सहानुभूति के आधार पर चुनाव मैदान में उतार सकती है। 2023 के विधानसभा चुनाव में राजेंद्र भारती ने मौजूदा गृह मंत्री को हराकर दतिया सीट जीती थी। लेकिन 2 अप्रैल को विशेष जिला न्यायालय, नई दिल्ली ने उन्हें 3 वर्ष के कारावास और 1 लाख रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई। इसके बाद विधानसभा सचिवालय ने दतिया सीट को रिक्त घोषित करने की अधिसूचना जारी कर चुनाव आयोग को पत्र भेज दिया।

यही वजह है कि कांग्रेस अब उपचुनाव में राजेंद्र भारती के राजनीतिक प्रभाव और उनके समर्थकों की सहानुभूति को साधने की कोशिश कर सकती है। वहीं, पाठ्यपुस्तक निगम के पूर्व उपाध्यक्ष अवधेश नायक भी दतिया उपचुनाव में कांग्रेस टिकट के प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं। वे 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे।

एनकाउंटर में लश्कर के दो आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां के सैदपोरा इलाके में शनिवार शाम से चल रही मुठभेड़ में भारतीय सेना के जवानों ने लश्कर के 2 आतंकी मार गिराए। मारे गए दोनों आतंकी लश्कर-ए-तैयबा के टॉप ऑपरेटिव थे। एक आतंकी जाकिर अहमद गनी उन 14 आतंकियों की लिस्ट में शामिल था, जिसे पहलगाम हमले के बाद खुफिया एजेंसियों ने जारी किया था। दूसरा आतंकी जाकिर का साथी लतीफ भट है। सुरक्षाबलों को शोपियां के सैदपोरा पायीन के पास छानपोरा इलाके में आतंकियों के छिपे होने की खबर मिली थी। घेराबंदी के दौरान जब जवान आतंकियों के ठिकाने के करीब पहुंचे तो उन्होंने फायरिंग कर दी।

गगनयान मिशन: इसरो ने किया सॉल्व रॉकेट मोटर का पहला सफल परीक्षण

चेन्नई (वार्ता)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने अपने पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए सॉल्व (सब-ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल फॉर एक्सपेरिमेंट्स) के ठोस ईंधन वाले रॉकेट का पहला सफल परीक्षण किया है। इस परीक्षण का उद्देश्य गगनयान के क्रू मॉड्यूल की सुरक्षित वापसी की जांच करना है। इसरो ने बताया कि यह परीक्षण तीन जुलाई को सुबह 10 बजे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के स्टैटिक टेस्ट फैसिलिटी में किया गया। परीक्षण के दौरान मोटर का प्रदर्शन निर्धारित मानकों के अनुरूप रहा। इसरो ने बताया कि सॉल्व एक विशेष परीक्षण रॉकेट है, जिसे गगनयान मिशन से पहले अलग-अलग परिस्थितियों में क्रू मॉड्यूल की सुरक्षा प्रणाली की जांच के लिए विकसित किया गया है। इन परीक्षणों के दौरान क्रू मॉड्यूल को लगभग 10 से 17 किलोमीटर की ऊंचाई तक ले जाया जाएगा। इसके बाद इसे रॉकेट से अलग किया जाएगा और उसकी सुरक्षित लैंडिंग के लिए क्रमवार 10 पैराशूट खोले जाएंगे, जिससे उसकी गति कम होकर वह सुरक्षित रूप से समुद्र में उतरे। इसरो के अनुसार सॉल्व का ठोस ईंधन वाला चरण पीएसएलवी रॉकेट के स्ट्रैप-ऑन मोटर पर आधारित है, लेकिन गगनयान मिशन की आवश्यकताओं के अनुसार इसमें कई तकनीकी बदलाव किये गये हैं। इनमें धीमी गति से जलने वाले प्रणोदक और

दिशा नियंत्रण प्रणाली में सुधार शामिल हैं। गगनयान मिशन के तहत दो से तीन अंतरिक्ष यात्रियों को लगभग 400 किलोमीटर ऊंची पृथ्वी की कक्षा में तीन दिन के मिशन पर भेजा जाएगा और इसके बाद उन्हें सुरक्षित रूप से भारतीय समुद्री क्षेत्र में उतारा जायेगा। क्रू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल इस मिशन के अंतरिक्ष यान में मुख्य रूप से दो हिस्से होंगे। क्रू मॉड्यूल वह हिस्सा है, जिसमें अंतरिक्ष यात्री सवार होंगे। इसरो ने कहा कि गगनयान परियोजना को देश की वैज्ञानिक क्षमता, भारतीय उद्योग, शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थानों की विशेषज्ञता तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध उन्नत तकनीकों के सहयोग से पूरा किया जा रहा है। इस मिशन से पहले कई महत्वपूर्ण तकनीकों का विकास किया जा रहा है। इनमें अंतरिक्ष यात्रियों के लिए मानव-रेटेड प्रक्षेपण यान, अंतरिक्ष में पृथ्वी जैसा वातावरण उपलब्ध कराने वाली जीवन समर्थन प्रणाली, आपात स्थिति में क्रू को सुरक्षित बाहर निकालने की व्यवस्था तथा प्रशिक्षण, बचाव और पुनर्वास से जुड़ी प्रणालियां शामिल हैं। इन तकनीकों की विश्वसनीयता परखने के लिए इसरो कई परीक्षण मिशन संचालित करेगा। इनमें इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट, पैड एबॉर्ट टेस्ट और टेस्ट व्हीकल उड़ानें शामिल हैं। मानव मिशन से पहले सभी प्रणालियों का परीक्षण मानवरहित उड़ानों में किया जाएगा। इसरो ने बताया कि गगनयान मिशन के लिए एलवीएम-3 रॉकेट का उपयोग किया जाएगा, जिसे मानव मिशन की सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुरूप संशोधित कर ह्यूमन रेटेड एलवीएम-3 बनाया गया है। इसमें एक विशेष क्रू एस्केप सिस्टम भी लगाया गया है, जो प्रक्षेपण के दौरान किसी भी आपात स्थिति में अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित दूरी तक ले जाने में सक्षम होगा।

रेलवे और नगर निगम के बीच चल रही खींचतान का खामियाजा भुगत रहे शहर के 2 प्रमुख रेल ब्रिज

रोजाना बढ़ रही लोगों की परेशानी, जिम्मेदार हुए मौन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शहर की यातायात व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण जाने वाले मदन महल अंडर ब्रिज और रेलवे पुल नंबर-2 ब्रिज लंबे समय से विभागीय लापरवाही और रेलवे-नगर निगम के बीच समन्वय के अभाव का शिकार बने हुए हैं। एक ओर वर्ष 2018 में शुरू हुआ रेलवे पुल नंबर-2 का चौड़ीकरण आज तक पूरा नहीं हो सका, वहीं दूसरी ओर मदन महल अंडरब्रिज में हर बारिश के दौरान जलभराव की समस्या जस की तस बनी हुई है। जिसका सीधा असर रोजाना इन मार्गों से गुजरने वाले हजारों वाहन चालकों और स्थानीय लोगों पर पड़ रहा है। जानकारी के मुताबिक शहर की बढ़ती यातायात जरूरतों को देखते हुए वर्ष 2018 में रेलवे के 3 प्रमुख अंडरब्रिजों के चौड़ीकरण की योजना तैयार की गई थी। इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 8 करोड़ रुपये रखी गई थी। रेलवे की मांग पर नगर निगम ने लगभग 5 करोड़ रुपये जमा भी करा दिए। हालांकि इस योजना के तहत केवल रेलवे पुल नंबर-चार का चौड़ीकरण ही पूरा हो सका। सबसे व्यस्त रेलवे पुल नंबर-2 पर निर्माण कार्य शुरू तो हुआ, लेकिन कुछ समय बाद अचानक रोक दिया गया। पुल के समानांतर नया हिस्सा तैयार करने के लिए खुदाई की गई और कंक्रीट ब्लॉक भी बनाए गए थे, लेकिन काम बंद होने के बाद खुदाई वाले हिस्से को फिर से भर दिया गया। निर्माण सामग्री आज भी मौके पर पड़ी हुई है और कंक्रीट ब्लॉकों के आसपास घास उग चुकी है, जो लंबे समय से बंद पड़े काम की गवाही दे रही है।

प्रमुख मार्गो को जोड़ता है पुल नंबर-2

उल्लेखनीय है कि रेलवे पुल नंबर-2 शहर के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है। जो कलेक्ट्रेट, एम्पायर टॉकीज, हाईकोर्ट, मंडला रोड और मुख्य रेलवे स्टेशन तक पहुंचने का अहम रास्ता है। पुल की चौड़ाई कम होने के कारण यहां सुबह और शाम के समय लंबा जाम लगना आम बात हो गई है। कई बार ऊंचे वाहन हाइट गेज से टकरा जाते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। रात के समय भारी वाहन फंसने पर घंटों तक यातायात प्रभावित रहता है और लोगों को वैकल्पिक मार्गों से लंबा चक्कर लगाकर गंतव्य तक पहुंचना पड़ता है।

जल मग्न हो जाता है मदल महल अंडर ब्रिज

इसी प्रकार मदन महल रेल अंडरब्रिज की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। बारिश शुरू होते ही यहां पानी भर जाता है और आवागमन पूरी तरह बंद करना पड़ता है। इस वर्ष पहली ही बारिश में एक कार अंडरब्रिज में फंस गई थी। इसके बाद दुर्घटनाओं से बचाव के लिए प्रशासन ने अंडरब्रिज के मुहाने पर बैरियर लगा दिया। इसके बावजूद स्थायी जल निकासी की व्यवस्था अब तक नहीं हो सकी है। उल्लेखनीय है कि कटनी में इसी तरह की समस्या का समाधान पंप लगाकर किया जा चुका है, लेकिन जबलपुर में अब तक ऐसा कोई स्थायी इंतजाम नहीं किया गया है।

इधर फंसा पेंच

जानकारी के मुताबिक नगर निगम से राशि मिलने के बाद रेलवे ने पुल नंबर-2 के विस्तार का कार्य शुरू किया था, लेकिन निर्माण की धीमी गति और बाद में कोरोना काल के कारण परियोजना की लागत बढ़ गई। रेलवे के अनुसार कार्य पूरा करने के लिए लगभग 2 करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च होने का अनुमान है। अतिरिक्त राशि की मांग करते हुए रेलवे ने निर्माण कार्य रोक दिया। इधर दूसरी ओर नगर निगम का कहना है कि रेलवे पर सफाई और संपत्ति कर के लगभग साढ़े 12 करोड़ रुपये बकाया हैं। निगम ने इस राशि के भुगतान की मांग की है। दोनों विभागों के बीच इसी वित्तीय विवाद के चलते परियोजना आगे नहीं बढ़ पा रही है और इसका खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है।

सड़कों से होकर निकलता है विकास का रास्ताः मंत्री राकेश सिंह

पंडा की मढ़िया से आनंद कुंज तिराहे तक 4.97 करोड़ की लागत से बनी 850 मीटर सीसी रोड का हुआ लोकार्पण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने रविवार को गढ़ा स्थित पंडा की मढ़िया से आनंद कुंज तिराहे तक 497.33 लाख रुपए की लागत से निर्मित 850 मीटर लंबी सीसी सड़क का लोकार्पण किया। उन्होंने पंडा की मढ़िया में पूजा-अर्चना कर रिबन खोलकर सड़क का लोकार्पण किया और पैदल चलकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। मार्ग में विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारी संगठनों ने उनका फूल-मालाओं और आतिशबाजी से भव्यम स्वागत किया। कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य सुमित्रा वाल्मीकि, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, भाजपा के नगर अध्ययक्ष रत्नेश सोनकर उपस्थित रहे।

17 से 53 फीट चौड़ी हुई सड़क-कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सिंह ने कहा कि विकास का रास्ता सड़क से ही होकर निकलता है। बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, व्यापार व हर क्षेत्र की प्रगति अच्छी सड़कों पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पहले यह सड़क केवल 17 फीट चौड़ी थी, इसे अब 53 फीट तक विस्तारित किया गया है। इससे क्षेत्र की तस्वीर और व्यापार दोनों बदलेंगे। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों के दौरान लोगों को असुविधा जरूर हुई, लेकिन ये भविष्य की खुशहाली का आधार बनेगी। इस दौरान अभय सिंह ठाकुर, अशोक मनोध्या आदि उपस्थित रहे।

भगवान जगन्नाथ स्वामी के संकीर्तन के साथ कत्थक पूजन संपन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संस्कारधानी का 500 वर्ष पूर्व अति प्राचीन मंदिर से आषाढ़ माह की द्वितीया तिथि को जगन्नाथ पुरी की तर्ज में भगवान जगन्नाथ स्वामी बलभद्र भैया सुभद्रा मैया की 259वीं रथ यात्रा का आयोजन 16 जुलाई को श्री जगदीश मंदिर गणेश मंदिर लोक न्यास के तत्वावधान में किया जाना है। वरिष्ठ पुजारी पं.रामकृष्ण पाठक, जगदीश मंदिर के पं.देवेंद्र त्रिपाठी के सानिध्य में किया गया। श्री जगदीश मंदिर ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी लाल ज्ञानेंद्र सिंह बघेल (अधिवक्ता) ने बताया गढ़ाफाटक स्थित जगदीश मंदिर जो संस्कारधानी का हृदय स्थल है जहां पर समय-समय पर धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन निरंतर किया जाता है, यह वार्षिक उत्सव भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा के रूप में पूरे नगर को भक्ति रस में डुबो देता है जिसमें चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल संस्कारधानी के गणमान्य संत महंत एवं समस्त सनातनी भक्तजन भाव विभोर होकर भगवान की रथ यात्रा में बड़ी संख्या में सम्मिलित होते हैं। इस अवसर पर प्रबंध न्यासी लाल ज्ञानेंद्र सिंह बघेल, प्रबंधक मोहित तिवारी, लाल अच्युतेंद्र सिंह बघेल संकीर्तनाचार्य पं. मनमोहन दुबे, देवेंद्र नेमा आदि उपस्थित रहे।

सर्वम बने अध्यक्ष, हर्ष को मिली सचिव की कमान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। स्ट्रेंथ लिफ्टिंग स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ़ मध्य प्रदेश के अध्यक्ष एड. सुदीप सिंह सैनी, महासचिव मो. नईम के द्वारा स्ट्रेंथ लिफ्टिंग स्पोर्ट्स एसोसिएशन जबलपुर की जिला इकाई का गठन किया गया। जिसमें जिला अध्यक्ष सर्वम सिंह राठौर, जिला सचिव हर्ष पूरी गोस्वामी के साथ उपाध्यक्ष डिम्पल खत्री, एड. श्रेश अग्रवाल, आयुष यादव, बलराम पटेल, राहुल पटेल, सह सचिव टीना मोठ, कोषाध्यक्ष श्रज़ल सिंह, मीडिया प्रभारी देवेंद्र तिवारी, टेक्निकल एडवाइज़र अक्षय दीवान, इन्दर कांत कटरे, राहुल जैन, कार्यकारिणी सदस्य ओम केशरवानी, नीलेश दास, तुषार नियुक्त किये गए। इन सभी की नियुक्तियों पर संजय साहू, हर्षित यादव, शादाब अंसारी, ऋषि राज विज, विजय रजक, नितेश पटेल ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें प्रेषित की है।

कॉबिंग गश्त में पकड़े गए वर्षो से फरार वारंटी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय द्वारा शहर में कानून व्यवस्था सुदृढ करने एवं अपराधों की रोकथाम हेतु गुंडे, बदमाशों एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध उनके आपराधिक रिकार्ड को दृष्टिगत रखते हुए प्रतिदिन प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कराई जा रही है।

इसी कड़ी में अपराधों की रोकथाम के लिए कांबिंग गस्त हेतु आदेशित किए जाने पर रात्रि 2 बजे तक समस्त थाना प्रभारी शहर एवं देहात द्वारा हमराह स्टाफ के कॉम्बिग गस्त की गयी। टीमों द्वारा जिले भर में छापेमारी करते हुये बड़ी सफलता प्राप्त की है। कॉम्बिग गस्त के दौरान वारंटी एवं लंबित मामलों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु शहर एवं देहात के थानों में पदस्थ लगभग अधिकारी एवं कर्मचारियों की टीमें बनाई गई, एक टीम के प्रभारी थाना प्रभारी स्वयं थे, अन्य टीम के प्रभारी उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी थे। टीमों के द्वारा दबिश देते हुए कॉम्बिंग गस्त के दौरान कई वर्षों से फरार 127 गैर म्यादी वारिटयों एवं 86 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए तथा 38 जमानती वारंट भी तामील किए गए है। अधिकांश आरोपी लंबे समय से पुलिस से बचते फिर रहे थे, जिन्हें गिरफ्तार कर यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

डॉ श्यामा प्रसाद का व्यक्तित्व और कृतित्व आज भी प्रासंगिक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपना पसम्पूर्ण जीवन विचारधारा के प्रति समर्पित कर दिया और यहीं कारण है कि उनकी 125 वीं जन्म जयंती पर आज भी उनका व्यक्तित्व और कृतित्व प्रासंगिक है, सिर्फ भारतीय जनसंघ के कारण ही नहीं बल्कि उनकी विचारधारा के कारण, उनकी देश भक्ति के कारण, उनकी विद्वता के कारण जहां देश के इतने बड़े परिवार का व्यक्ति जो सम्पन्नता होने के बाद भी भारत माता के लिए इतना संघर्ष मन प्राण में रखता हो वास्तव में उनका जीवन प्रेरणा है। यह बात मप्र के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर के जिला कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए भाजपा कार्यालय रानीताल में कही।

भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर द्वारा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, सांसद आशीष दुबे, राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीकि, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे आदि उपस्थित रहे।

एड. सुदीप बने एशियन स्पोर्ट्स एसोसिएशन मप्र के अध्यक्ष

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एशियन स्पोर्ट्स फेडरेशन (रजि.) दिल्ली सम्बद्धता चन्नाराम स्पोर्ट्स फेडरेशन द्वारा मप्र के महासचिव प्रकाश यादव की अनुशंशा पर एड. सुदीप सिंह सैनी को मप्र एसोसिएशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति पर जबलपुर एसोसिएशन के संजय साहू, सुनील यादव, एनबी क्षत्री, हर्षित यादव प्रदीप पटेल, विजय रजक, नीलेश केवट, ऋषिभान सिंह ठाकुर, हर्ष पूरी गोस्वामी, परेश सोनी, एड. विकास नाथन ने हार्दिक बधाई शुभकामनायें प्रेषित की है।

श्याम तुलसी पौधा का निःशुल्क वितरण आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बड़े फुहारा स्थित खुन्नेलाल एंड कंपनी आयुर्वेदिक दवाई की दुकान में आज सोमवार को शाम 5 बजे निशुल्क श्याम रामा तुलसी पौधों का वितरण किया जाएगा। जमुना प्रसाद अग्रवाल एडवोकेट ट्रस्ट के द्वारा 1 लाख 5 हजार से अधिक तुलसी पौधों का वितरण अध्यक्ष शरद अग्रवाल के सानिध्य में किया जा चुका है। नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल , शीर्ष अग्रवाल, स्पर्श अग्रवाल, संस्कार अग्रवाल ने सभी से उपस्थिति की अपील की है।

सूने पड़े मकान को चोरो ने बनाया निशाना

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । रांझी थाने में देर रात 33 वर्षीय सोमनाथ कौरव निवासी तुलसी नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह एक मकान में उपरी मंजिल पर किराये से रहता है मकान के नीचे वाले हिस्से में रामराज पटेल रहता है। वह 3 मई को एक माह के लिये परिवार सहित नरसिंहपुर चला गया था 29 मई को रामराज पटेल भी बाहर चला गया था दिंनाक 18 जून को वह अपने काम से तुलसीनगर मकान में आया। उस समय कमरे में सब सामान्य था वह नरसिंहपुर वापस चला गया था। 30 जून को सुबह रामराज पटेल वापस आया देखा कि किराये के मकान के मेन गेट का ताला सही स्थिति में था। उसके घर का ताला भी ठीक था पानी की टंकी चैक करने के लिये छत पर गया। देखा सोमनाथ का घर का ताला टूटा हुआ था रामराज ने उसे वीडियो कॉल कर टूटा हुआ ताला दिखाया उसी शाम को आकर उसने देखा उसके रूम का ताला टूटा हुआ था अंदर रखी आलमारी का लॉक टूटा था सामान बिखरा पड़ा था। आलमारी के लॉकर में रखे चांदी के 2 के चूड़ा, 4 नग चांदी के चूड़े, 2 जोड़ी पायल, 12 नग बिछिया, सोने का मंगलसूत्र एवं पेंडल गायब था। कोई अज्ञात चोर सूने मकान का ताला तोड़कर घर में घुसकर सोने चांदी के जेवर चोरी कर ले गया है। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने दी विकास कार्यों की सौगात

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने रविवार को विधानसभा अंतर्गत जयप्रकाश नारायण वार्ड एवं राममनोहर लोहिया वार्ड में विकास कार्यों की सौगात दी और करीब 25 लाख की लागत से बनने वाली बहुप्रतीक्षित सीसी रोड निर्माण का भूमिपूजन किया, इस दौरान क्षेत्रियजनों ने विधायक डॉ पाण्डेय का अभिनन्दन किया एवं धन्यवाद ज्ञापित किया । इस दौरान विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने बताया कि जयप्रकाश नारायण वार्ड एवं राममनोहर लोहिया वार्ड में हमारे द्वारा चरणबद्ध रूप से नाली,

पुलिया,पार्क और रोड का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में करीब 25 लाख रुपए की लागत से बहुप्रतिक्षित दो सीसी सड़को के निर्माण का भूमिपूजन किया गया और जल्दी कुछ दिनों में क्षेत्र की जनता को ये रोड समर्पित कर दी जाएगी। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष शंकर श्रीवास्तव, वरिष्ठ नेता पवन तिवारी आदि उपस्थित रहे।

निःशुल्क शिविर में हुई 30 से अधिक जांचें, आमजनों ने उठाया लाभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

भारत विकास परिषद्, जबलपुर शाखा द्वारा समाज सेवा एवं जनकल्याण के उद्देश्य से विवेकानंद वार्ड स्थित बाबूराव पांचपे गार्डन, यादव कॉलोनी में निःशुल्क रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के नागरिकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ उठाया।

कार्यक्रम में विवेकानंद वार्ड की पार्षद सोनिया रंजीत सिंह, समाजसेवी रंजीत ठाकुर, भारत विकास परिषद् शाखा की अध्यक्ष डॉ. रिशा पाण्डेय, प्रांत कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र जेठा, उपाध्यक्ष नितिन पालीवाल, सचिव मौली जैन, महासचिव धर्मेन्द्र कुशवाहा तथा डॉ. नीलेश पाण्डेय विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करना हम सभी का दायित्व है तथा भारत विकास परिषद् सेवा, संस्कार और समर्पण के भाव से निरंतर जनहित के कार्य कर रही है। शिविर में 30 से अधिक प्रकार की रक्त जांचें निःशुल्क की गईं, जिनमें सीबीसी, ब्लड शुगर, थायरॉइड प्रोफाइल, लिपिड प्रोफाइल, लिवर एवं किडनी संबंधी जांच सहित अन्य आवश्यक परीक्षण शामिल रहे। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा प्रतिभागियों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया गया। अंत में भारत विकास परिषद्, जबलपुर शाखा के पदाधिकारियों ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों, स्वयंसेवकों एवं सभी नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे सेवा एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने का संकल्प दोहराया।

बेटी की अस्थियां लेकर गुजरात से जबलपुर पहुंची महिला, लगाई न्याय की गुहार

एसपी कार्यालय में शिकायत दर्ज कर लगाए दामाद पर हत्या के आरोप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गुजरात के वलसाड में ट्रेन से कटकर हुई 32 वर्षीय महिला की संदिग्ध मौत ने नया मोड़ ले लिया है। मृतका की मां बेटी की अस्थियां और उसके दोनों बच्चों को लेकर लगभग एक हजार किलोमीटर का सफर तय कर शनिवार को जबलपुर पहुंचीं। यहां उन्होंने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत देकर आरोप लगाया कि उनकी बेटी की मौत कोई हादसा या आत्महत्या नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या है। उन्होंने दामाद पर कंपनी के बाहर मारपीट करने, रेलवे ट्रैक तक घसीटकर ले जाने और ट्रेन के सामने धक्का देने का गंभीर आरोप लगाया है।

ये है पूरा मामला

जानकारी के मुताबिक जबलपुर जिले के ग्राम पौड़ा निवासी पिंकी नामदेव की मुलाकात कटनी जिले के बहोरीबंद निवासी महेंद्र नामदेव से हुई थी। दोनों एक ही समाज से थे और परिवार की सहमति से वर्ष 2014 में प्रेम विवाह किया। शुरुआत में दोनों सिलाई का काम करते रहे, लेकिन बेहतर रोजगार की तलाश में वर्ष 2018 में गुजरात के वलसाड चले गए। वहां दोनों एक निजी कंपनी में नौकरी करने लगे। परिवार में बेटा कान्हा 10 वर्ष और बेटी अवनि 8 वर्ष हैं। परिजनों के अनुसार कुछ वर्षों तक सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन बाद में महेंद्र शराब का आदी हो गया। शराब के नशे में वह पत्नी और बच्चों के साथ मारपीट करने लगा। आरोप है कि 5 जून 2026 को उसने दोनों बच्चों के सामने पिंकी की बेरहमी से पिटाई की। इसके बाद पिंकी बच्चों को लेकर जबलपुर स्थित मायके आ गई और मां को बताया कि पति के साथ रहना अब संभव नहीं है। लगभग 15 दिन बाद महेंद्र जबलपुर पहुंचा और माफी मांगकर पत्नी को वापस ले जाने की कोशिश की, लेकिन वह तैयार नहीं हुई। हालांकि बच्चों का गुजरात के नवोदय स्कूल में प्रवेश होने के कारण स्कूल से बुलावा आया तो पिंकी मां और बच्चों के साथ दोबारा वलसाड पहुंची। वहां उसने पति से अलग किराये के मकान में रहना शुरू कर दिया।

रेलवे ट्रैक तक ले जाने का आरोप

मृतका की मां लक्ष्मी नामदेव का आरोप है कि 30 जून की शाम करीब 7 बजे पिंकी ड्यूटी खत्म कर कंपनी से बाहर निकली तो महेंद्र वहां पहले से मौजूद था। उसने कंपनी गेट पर ही पिंकी से मारपीट की और जबरन रेलवे ट्रैक की ओर ले गया। आरोप है कि वहां उसने पिंकी को ट्रेन के सामने धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिवार का कहना है कि यह आत्महत्या नहीं हो सकती, क्योंकि शव के अलग-अलग हिस्से रेलवे ट्रैक पर काफी दूरी तक बिखरे मिले थे। इसलिए पूरे मामले की हत्या के एंगल से जांच की जानी चाहिए। 4 जुलाई को लक्ष्मी नामदेव बेटी की अस्थियां और दोनों बच्चों को लेकर जबलपुर पहुंचीं। उन्हें आशंका थी कि दामाद और उसके परिजन अस्थियां छीन सकते हैं। इसलिए स्टेशन से सीधे पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। बाद में नर्मदा के खारी घाट पर पोते कान्हा के हाथों पिंकी की अस्थियों का विसर्जन कराया गया। जबलपुर पुलिस का कहना है कि शिकायत मिलने के बाद गुजरात पुलिस से संपर्क किया जा रहा है। उपलब्ध तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर पूरे घटनाक्रम की जांच होगी।

अंग्रेजी सीखना अब नहीं रहा कठिन

आज के दौर में अंग्रेजी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं और वैश्विक संचार का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। फिर भी अनेक लोगों को यह कठिन लगती है। वास्तव में अंग्रेजी सीखना मुश्किल नहीं, बल्कि सही दिशा, नियमित अभ्यास और सकारात्मक सोच का परिणाम है। भाषा वही सरल लगती है जिसे हम प्रतिदिन अपनाते हैं। अंग्रेजी को केवल पढ़ें नहीं, बल्कि अपने जीवन का हिस्सा बनाएँ सफलता स्वयं आपके कदम चूमेगी।

डर और झिझक को करें दूर

अंग्रेजी सीखने की पहली और सबसे महत्वपूर्ण शर्त है डर को छोड़ना। सीखने के दौरान गलतियाँ होना पूरी तरह स्वाभाविक है। छोटी-छोटी गलतियों से घबराने के बजाय उनसे सीखने का प्रयास करें। शुरुआत सरल शब्दों और सामान्य वाक्यों से करें तथा धीरे-धीरे अपनी शब्दावली बढ़ाएँ।

प्रतिदिन नियमित अभ्यास करें

किसी भी भाषा में दक्षता का आधार नियमित अभ्यास होता है। प्रतिदिन 10 से 15 नए अंग्रेजी शब्द सीखें और उन्हें अपने वाक्यों में प्रयोग करें। घर, विद्यालय और आसपास की वस्तुओं के नाम अंग्रेजी में बोलने की आदत विकसित करें। रोज़ थोड़ा-सा अभ्यास भी समय के साथ बड़ा बदलाव लाता है।

सुनने और पढ़ने की आदत विकसित करें

अंग्रेजी सीखने के लिए सुनना और पढ़ना अत्यंत आवश्यक है। सरल कहानियाँ, बच्चों की पुस्तकें, समाचार-पत्र तथा छोटी अंग्रेजी पुस्तकें पढ़ें। साथ ही आसान अंग्रेजी वीडियो, ऑडियो और पॉडकास्ट सुनें। इससे शब्दों का सही उच्चारण, भाषा की समझ और आत्मविश्वास तीनों में वृद्धि होती है।

बोलने का निरंतर अभ्यास करें

केवल पढ़ने से भाषा नहीं सीखी जा सकती। परिवार, मित्रों या स्वयं से अंग्रेजी में बातचीत करने का प्रयास करें। शुरुआत छोटे और सरल वाक्यों से करें। नियमित बोलने का अभ्यास धीरे-धीरे झिझक दूर करता है और आत्मविश्वास को मजबूत बनाता है।

सीखने को रोचक और आनंददायक बनाएँ

यदि सीखने की प्रक्रिया आनंददायक हो, तो सफलता जल्दी मिलती है। खेल, चित्र, मोबाइल ऐप, अंग्रेजी गीत, कहानी और दैनिक जीवन की गतिविधियों के माध्यम से अंग्रेजी सीखना अधिक प्रभावी और रुचिकर बन जाता है। मनोरंजन के साथ सीखना लंबे समय तक याद भी रहता है।

अभिलाषा उपाध्याय
शिक्षक
हितकारिणी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय
देवताल गढ़ा, जबलपुर

विद्यार्थी विकास में शिक्षक और अभिभावकों की भूमिका

विद्यार्थी जीवन व्यक्ति के संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण चरण होता है। इसी अवधि में उसके मानसिक, सामाजिक, भावनात्मक, नैतिक और बौद्धिक विकास की नींव रखी जाती है। वर्तमान समय में विद्यार्थियों का विकास केवल अच्छी शिक्षा या उच्च अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि उन्हें आत्मविश्वासी, संवेदनशील, जिम्मेदार और जीवन-कौशल से परिपूर्ण बनाना भी उतना ही आवश्यक है। यह लक्ष्य तभी संभव है जब शिक्षक और अभिभावक मिलकर विद्यार्थियों के विकास में सक्रिय और सकारात्मक भूमिका निभाएँ।

आज के विद्यार्थियों के सामने प्रमुख चुनौतियाँ

आज का विद्यार्थी अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रहा है। पढ़ाई का बढ़ता दबाव, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, सामाजिक अपेक्षाएँ, तकनीक का बढ़ता प्रभाव तथा भविष्य को लेकर अनिश्चितता उसके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। ऐसे में केवल शैक्षणिक सफलता ही नहीं, बल्कि भावनात्मक संतुलन और मानसिक दृढ़ता भी आवश्यक है।

विद्यार्थियों के विकास में शिक्षकों की भूमिका

शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत भी होते हैं। उनकी भूमिका विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों की रुचि, क्षमता और प्रतिभा को पहचानकर उसी के अनुरूप मार्गदर्शन देना। प्रश्न पूछने, विचार व्यक्त करने तथा जिज्ञासा विकसित करने के लिए प्रेरित करना। पढ़ाई के साथ खेल, योग, ध्यान और रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देना। विद्यार्थियों की तुलना दूसरों से न करके उनकी व्यक्तिगत प्रगति पर ध्यान देना। केवल परीक्षा परिणाम या अंकों पर नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों, अनुशासन, जीवन-कौशल और व्यक्तित्व विकास पर भी समान रूप से बल देना।

विद्यार्थियों के विकास में अभिभावकों की भूमिका

बच्चे का पहला विद्यालय उसका परिवार होता है। इसलिए अभिभावकों का सहयोग उसके मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। बच्चों की बात धैर्यपूर्वक सुनें और उनकी भावनाओं को समझने का प्रयास करें। अनावश्यक दबाव और दूसरों से तुलना करने से बचें, क्योंकि इससे आत्मविश्वास कमजोर होता है। बच्चों की दिनचर्या, पढ़ाई, स्वास्थ्य, मोबाइल उपयोग और मित्रों पर उचित ध्यान दें। घर का वातावरण सकारात्मक, सहयोगपूर्ण और प्रेरणादायक बनाएँ। बच्चों को सामाजिक दबाव और मानसिक तनाव से उबारने के लिए उनका निरंतर उत्साहवर्धन करें।

स्वस्थ मानसिक विकास की दिशा में संयुक्त प्रयास

विद्यार्थियों का स्वस्थ मानसिक, सामाजिक और नैतिक विकास तभी संभव है जब शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी तीनों मिलकर सहयोगात्मक वातावरण का निर्माण करें। बच्चों को समय पर सही मार्गदर्शन, प्रोत्साहन, स्नेह और विश्वास मिलना उनकी सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। जब घर और विद्यालय एक समान उद्देश्य के साथ कार्य करते हैं, तब विद्यार्थी न केवल शैक्षणिक रूप से सफल होते हैं, बल्कि जीवन की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना करने में भी सक्षम बनते हैं।

प्रिया सोम
शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी
डुमना, जबलपुर

बोलचाल और लेखन को प्रभावशाली बनाते हैं मुहावरे और लोकोक्तियां

हिंदी भाषा की सुंदरता और प्रभावशीलता बढ़ाने में मुहावरों और लोकोक्तियों का महत्वपूर्ण योगदान है। इनका सही प्रयोग न केवल हमारी भाषा को रोचक बनाता है, बल्कि विचारों को कम शब्दों में अधिक प्रभावशाली ढंग से व्यक्त करने में भी मदद करता है। स्कूल की पढ़ाई से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं और दैनिक जीवन तक, मुहावरों और लोकोक्तियों का ज्ञान अत्यंत उपयोगी माना जाता है।

मुहावरा क्या होता है?

मुहावरा शब्दों का ऐसा समूह होता है जिसका अर्थ उसके शाब्दिक अर्थ से अलग होता है। इसका प्रयोग वाक्य में विशेष अर्थ व्यक्त करने के लिए किया जाता है। उदाहरण, नाक कटना का अर्थ है अपमान होना। इसका वाक्य में प्रयोग हो सकता है, परीक्षा में नकल करते पकड़े जाने पर छात्र की नाक कट गई। इसी तरह हाथ-पांव फूलना एक दूसरा मुहावरा है जिसका अर्थ है घबरा जाना, वाक्य मे प्रयोग होगा, इंटरव्यू शुरू होते ही उसके हाथ-पांव फूल गए। आंखों का तारा एक अन्य मुहावरा है जिसका अर्थ है प्रिय व्यक्ति, वाक्य में प्रयोग, बेटा अपने माता-पिता की आंखों का तारा है।

लोकोक्ति क्या होती है?

लोकोक्ति वह प्रसिद्ध कहावत है जो लंबे अनुभव और जीवन की सीख पर आधारित होती है। इसका प्रयोग किसी तथ्य या शिक्षा को स्पष्ट करने के लिए किया जाता है। उदाहरण जैसी करनी वैसी भरनी अर्थात, कर्मों का फल अवश्य मिलता है। जहाँ चाह, वहाँ राह अर्थात दृढ़ इच्छा से सफलता मिलती है। देर आए, दुरुस्त आए अर्थात देर से सही, लेकिन अच्छा होना बेहतर है। इसी तरह बूंद-बूंद से घड़ा भरता है मतलब छोटी-छोटी बचत या प्रयास से बड़ा परिणाम मिलता है और एकता में बल है अर्थात मिलकर काम करने से सफलता मिलती है।

मुहावरे और लोकोक्तियों में अंतर

मुहावरा किसी वाक्य का हिस्सा होता है, जबकि लोकोक्ति अपने आप में एक पूर्ण कथन होती है। मुहावरा भाषा को प्रभावशाली बनाता है, जबकि लोकोक्ति जीवन का अनुभव और सीख देती है। मुहावरे का अर्थ संदर्भ से समझा जाता है, जबकि लोकोक्ति किसी सिद्धांत या शिक्षा को व्यक्त करती है।

सही प्रयोग कैसे करें?

- मुहावरों और लोकोक्तियों का प्रयोग हमेशा संदर्भ के अनुसार करें।
- इनका शाब्दिक अर्थ न लगाएँ।
- अनावश्यक या अत्यधिक प्रयोग से बचें।
- पहले इनके वास्तविक अर्थ को समझें, फिर वाक्य में प्रयोग करें।
- लेख, भाषण, निबंध और उत्तर-पुस्तिका में उचित स्थान पर प्रयोग करने से लेखन अधिक प्रभावशाली बनता है।

जानिए किन बातों से निखरती है बोलने और समझने की क्षमता

बच्चे का भाषा विकास जन्म के साथ ही शुरू हो जाता है। वह पहले अपने आसपास की आवाज़ों को सुनता है, फिर शब्दों को पहचानना सीखता है और धीरे-धीरे बोलना शुरू करता है। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि यह बच्चे के मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास का भी महत्वपूर्ण आधार है। जिस बच्चे का भाषा कौशल बेहतर होता है, वह पढ़ाई, संवाद और आत्मविश्वास के क्षेत्र में भी आगे बढ़ता है।

भाषा विकास की शुरुआत कैसे होती है?

जन्म के बाद शिशु सबसे पहले अपने माता-पिता और परिवार के सदस्यों की आवाज़ पहचानना शुरू करता है। कुछ महीनों बाद वह ध्वनियाँ निकालता है और धीरे-धीरे छोटे-छोटे शब्द बोलने लगता है। दो से तीन वर्ष की उम्र तक अधिकांश बच्चे छोटे वाक्य बनाने लगते हैं। जैसे-जैसे उनका अनुभव और शब्द भंडार बढ़ता है, उनकी भाषा भी अधिक स्पष्ट और प्रभावी होती जाती है।

अभिभावक क्या करें?

प्रतिदिन बच्चों से खुलकर बातचीत करें। उन्हें कहानी और कविता सुनने तथा पढ़ने के लिए प्रेरित करें साथ ही नए शब्दों का अर्थ सरल भाषा में समझाएँ। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों के प्रश्नों का धैर्यपूर्वक उत्तर दें। गलत उच्चारण पर डाँटने के बजाय प्यार से सही शब्द बोलना सिखाएँ। बच्चों को अपनी बात पूरी तरह कहने का अवसर दें।

विलुप्त होती हमारी जनजातीय भारतीय भाषाएँ

भारत अपनी भाषाई विविधता के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। यहां सैकड़ों भाषाएँ और हजारों बोलियाँ बोली जाती हैं, जो देश की सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं का अभिन्न हिस्सा हैं। लेकिन बदलती जीवनशैली, शहरीकरण, वैश्वीकरण और प्रमुख भाषाओं के बढ़ते प्रभाव के कारण कई भारतीय भाषाएँ आज विलुप्त होने के कगार पर हैं। यदि समय रहते इनके संरक्षण के लिए ठोस प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाली पीढ़ियाँ अपनी अमूल्य भाषाई विरासत से वंचित हो सकती हैं।

कब किसी भाषा को विलुप्तप्राय माना जाता है- जब किसी भाषा को बोलने वालों की संख्या लगातार घटने लगे, नई पीढ़ी उस भाषा को सीखना बंद कर दे और उसका दैनिक जीवन में उपयोग लगभग समाप्त हो जाए, तब वह भाषा विलुप्त होने की ओर बढ़ने लगती है। भाषा विशेषज्ञों के अनुसार, किसी भाषा का भविष्य तभी सुरक्षित रहता है जब बच्चे उसे अपनी मातृभाषा के रूप में सीखते और बोलते रहें।

भारत की कुछ विलुप्तप्राय भाषाएँ

भारत में अनेक भाषाएँ ऐसी हैं जिनके बोलने वालों की संख्या बहुत कम रह गई है। इनमें ग्रेट अंडमानी, बो, टोटो, निहाली, बिरहोर, कोरकू की कुछ स्थानीय बोलियाँ और कई जनजातीय भाषाएँ शामिल हैं। इनमें से कुछ भाषाएँ केवल कुछ परिवारों या छोटे समुदायों तक ही सीमित रह गई हैं।

भाषाएँ विलुप्त क्यों हो रही हैं?

- रोजगार और शिक्षा के लिए बड़ी भाषाओं की ओर बढ़ता झुकाव।
- शहरों की ओर पलायन और बदलती जीवनशैली।
- घरों में मातृभाषा का कम उपयोग।
- स्थानीय भाषाओं में शिक्षा और अध्ययन सामग्री का अभाव।
- डिजिटल माध्यमों और इंटरनेट पर सीमित उपस्थिति।
- नई पीढ़ी का अपनी पारंपरिक भाषा से दूर होना।

भाषा विलुप्त होने का प्रभाव

किसी भाषा के समाप्त होने का अर्थ केवल शब्दों का खो जाना नहीं है, बल्कि उसके साथ उस समुदाय का इतिहास, लोककथाएँ, लोकगीत, पारंपरिक ज्ञान, रीति-रिवाज और सांस्कृतिक पहचान भी धीरे-धीरे समाप्त होने लगती है। इसलिए भाषा संरक्षण, संस्कृति संरक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

संरक्षण के लिए क्या किए जा सकते हैं प्रयास?

बच्चों को बचपन से मातृभाषा सिखाई जाए। उन्हें स्थानीय भाषाओं में पुस्तकें और अध्ययन सामग्री तैयार की जाए। भाषाविदों को लोक साहित्य और लोकगीतों का दस्तावेजीकरण करना चाहिए। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। विद्यालयों और महाविद्यालयों में क्षेत्रीय भाषाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाई जानी चाहिए।

हिंग्लिश का बढ़ता चलन, भाषा का स्वाभाविक विकास या हिंदी की शुद्धता के लिए चुनौती?

चलो, आज एक मीटिंग फिक्स कर लेते हैं, मैं तुम्हें मैसेज कर दूँगा, यह आइडिया सचमुच शानदार है। ऐसे वाक्य आज हमारी रोज़मर्रा की बातचीत का हिस्सा बन चुके हैं। हिंदी और अंग्रेजी के शब्दों का यह मेल हिंग्लिश कहलाता है। कुछ दशक पहले तक यह शैली केवल महानगरों तक सीमित थी, लेकिन आज छोटे शहरों और गांवों तक इसकी पहुँच हो चुकी है। सोशल मीडिया, स्मार्टफोन, ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल दुनिया ने इस बदलाव को और तेज़ कर दिया है। अब सवाल यह है कि क्या हिंग्लिश भाषा को अधिक जीवंत और आधुनिक बना रही है, या फिर यह हिंदी की शुद्धता और उसकी समृद्ध शब्द-संपदा को धीरे-धीरे कमजोर कर रही है?

क्या है हिंग्लिश?

हिंदी और इंग्लिश शब्दों को मिलाकर बनाई गई एक अनौपचारिक मिश्रित भाषा ही हिंग्लिश कहलाती है। इसमें बातचीत या मैसेज करते समय हिंदी वाक्यों के बीच-बीच में अंग्रेजी शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है या फिर अंग्रेजी वाक्यों में हिंदी शब्दों को मिला दिया जाता है। इसमें एक ही वाक्य में दोनों भाषाओं के शब्द सहज रूप से शामिल होते हैं।

हिंग्लिश के बढ़ते चलन के प्रमुख कारण

डिजिटल क्रांति

मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने अंग्रेजी शब्दों को हर घर तक पहुँचा दिया है। अधिकांश डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग अधिक होता है, जिससे वे दैनिक भाषा में शामिल हो गए हैं।

शिक्षा और रोजगार

कॉर्पोरेट जगत, तकनीकी शिक्षा और वैश्विक रोजगार के कारण अंग्रेजी का महत्व लगातार बढ़ा है। परिणामस्वरूप लोग बातचीत में दोनों भाषाओं का मिश्रण करने लगे हैं।

विज्ञापन और मनोरंजन

टीवी विज्ञापन, वेब सीरीज़, एफ एम रेडियो और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स हिंग्लिश का भरपूर प्रयोग करते हैं। इससे युवा वर्ग इसे सहज रूप से अपनाता है।

बदलती जीवनशैली

तेज़ रफ्तार जीवन में लोग सरल और प्रचलित शब्दों का प्रयोग करना पसंद करते हैं। कई अंग्रेजी शब्द इतने सामान्य हो चुके हैं कि उनके हिंदी विकल्प कम सुनाई देते हैं।

आर.के. नारायण : भारतीय अंग्रेजी साहित्य के सरल और सशक्त कथाकार

आर.के.नारायण भारतीय अंग्रेज़ी साहित्य के सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय उपन्यासकारों में गिने जाते हैं। उन्होंने अपनी सहज, सरल और प्रभावशाली भाषा के माध्यम से भारतीय समाज, संस्कृति और आम लोगों के जीवन को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। उनकी रचनाएँ आज भी विश्वभर के पाठकों द्वारा पसंद की जाती हैं। भारतीय अंग्रेज़ी साहित्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है।

प्रारंभिक जीवन- आर.के.नारायण का पूरा नाम रासीपुरम कृष्णस्वामी अय्यर नारायणस्वामी था। उनका जन्म 10 अक्टूबर 1906 को चेन्नई (तत्कालीन मद्रास) में हुआ। उन्होंने अपनी शिक्षा मैसूर में प्राप्त की। बचपन से ही उन्हें पढ़ने और लिखने का शौक था, जिसने आगे चलकर उन्हें एक सफल साहित्यकार बनाया।

साहित्यिक यात्रा- आर.के.नारायण ने अपने लेखन की शुरुआत लघु कथाओं से की। बाद में उन्होंने उपन्यास, निबंध और संस्मरण भी लिखे। उनकी रचनाओं की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे आम भारतीय जीवन की छोटी-छोटी घटनाओं को अत्यंत रोचक और संवेदनशील ढंग से प्रस्तुत करते थे। उन्होंने अपनी अधिकांश कहानियों के लिए मालगुड़ी नामक एक काल्पनिक नगर की रचना की, जो भारतीय कस्बाई जीवन का प्रतीक बन गया। आज भी मालगुड़ी भारतीय साहित्य की सबसे प्रसिद्ध काल्पनिक जगहों में से एक माना जाता है।

लेखन की विशेषताएँ- उन्होंने सरल और सहज अंग्रेज़ी भाषा का प्रयोग किया। अपनी रचनाओं में भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों का सुंदर चित्रण करते हुए आम लोगों के जीवन, संघर्ष और भावनाओं को केंद्र में रखा। उनकी रचनाओं में हास्य और व्यंग्य का संतुलित प्रयोग है।

प्रमुख रचनाएँ
- स्वामी एंड फ्रेंड्स
- दि बेचलर ऑफ आर्ट्स
- दि इंग्लिश टीचर
- दि गुडी
- मालगुडी डेज
- वेटिंग फॉर दि महात्मा

सम्मान और पुरस्कार
- साहित्य अकादमी पुरस्कार 1960
- पद्म भूषण 1964
- पद्म विभूषण 2000

बालाघाट में नाला निर्माण पर उठे सवाल

विधायक अनुभा मुंजारे ने किया औचक निरीक्षण

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

नगरपालिका परिषद बालाघाट क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर चल रहे निमार्णाधीन नाले और नाली निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, तकनीकी मानकों और कार्यों की प्रगति को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों के बीच विधायक अनुभा मुंजारे और नगर पालिका परिषद के पार्षद दल ने शनिवार को विभिन्न निर्माण स्थलों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान हनुमान चौक, कृष्णा डेयरी रोड, अग्रसेन द्वार, रानी लक्ष्मीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर, गुजरी चौक और रानी अवंतीबाई चौक बस स्टैंड सहित कई स्थानों पर चल रहे निर्माण कार्यों का बारीकी से अवलोकन किया गया।

निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों ने विधायक अनुभा मुंजारे के समक्ष निर्माण कार्यों को लेकर कई गंभीर शिकायतें दर्ज कराईं। नागरिकों का कहना था कि कई स्थानों पर निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप नहीं किए जा रहे हैं। लोगों ने आरोप लगाया कि नालों की चौड़ाई और गहराई स्वीकृत ड्राइंग एवं डिजाइन के अनुरूप नहीं है, जिससे भविष्य में जल निकासी की समस्या और गंभीर हो सकती है। कई स्थानों पर निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए गए और निम्न स्तर की सामग्री के उपयोग का आरोप लगाया गया। स्थानीय रहवासियों ने बताया कि बरसात के मौसम के बावजूद कई निर्माण कार्य लंबे समय से अधूरे पड़े हैं। इससे आवागमन प्रभावित हो रहा है और व्यापारियों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जगह-जगह खुदाई के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है। नागरिकों ने यह भी शिकायत की कि कई स्थानों पर सुरक्षा संबंधी पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए हैं, जिससे रात के समय राहगीरों और वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

निरीक्षण के दौरान विधायक अनुभा मुंजारे और पार्षद दल ने निमार्णाधीन नालों की गुणवत्ता, सीमेंट-कंक्रीट कार्य, लोहे के उपयोग, ढलान, जल निकासी की दिशा और तकनीकी प्रक्रिया का भी अवलोकन किया। विधायक मुंजारे ने कहा कि नगरवासियों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की अनदेखी या स्वीकृत मापदंडों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित एजेंसी, ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर कार्यों की जांच के लिए संबंधित विभागों को पत्र भी लिखा जाएगा। वार्डवासियों ने संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों से अपेक्षा जताई कि निर्माण कार्य स्वीकृत ड्राइंग और डिजाइन के अनुसार ही कराए जाएं। साथ ही निर्माण सामग्री की स्वतंत्र जांच कराई जाए और यदि कहीं भी अनियमितता पाई जाती है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बारिश से कृषि क्षेत्रों के बिगड़े हालात

विधायक मधु भगत ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

जिले में हो रही मूसलाधार बारिश के कारण कई ग्रामीण क्षेत्रों में जनजीवन प्रभावित हो गया है। सबसे अधिक परेशानी बालाघाट जनपद पंचायत अंतर्गत बड़ा जागपुर-अगरवाड़ा मार्ग पर देखने को मिली, जहां तेज बहाव के कारण मार्ग की पुलिया बह जाने से आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। इससे ग्रामीणों, किसानों और स्कूली विद्यार्थियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

क्षेत्र की स्थिति को देखते हुए परसवाड़ा विधायक मधु भगत लगातार प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा ले रहे हैं। शनिवार को उन्होंने बड़ा जागपुर पहुंचकर क्षतिग्रस्त पुलिया का निरीक्षण किया और अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा आश्वस्त किया कि स्थायी पुल निर्माण से पहले आवागमन सुचारु रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था तत्काल की जाएगी। निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार छवि पंत, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की प्रतिनिधि माया परते, स्थानीय सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

विधायक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों के कृषि कार्य, विद्यार्थियों की पढ़ाई और ग्रामीणों के दैनिक आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए अस्थायी वैकल्पिक मार्ग शीघ्र तैयार किया जाए। लगातार हो रही बारिश के बीच विधायक मधु भगत ने केवल बड़ा जागपुर ही नहीं, बल्कि मंझारा, टवेझरी, जरेरा सहित अन्य बाढ़ प्रभावित गांवों का भी दौरा किया। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और राहत एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जब तक नई पुलिया का निर्माण नहीं हो जाता, तब तक ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। इससे पहले वे लामता क्षेत्र के प्रतापपुर में आगजनी की घटना का भी निरीक्षण कर चुके हैं, जिसके बाद लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहकर आपदा प्रभावित लोगों की समस्याओं का समाधान कराने का प्रयास कर रहे हैं।

जिला तेली साहू समाज की बैठक में अहम मुद्दों पर मंथन, संगठन मजबूती पर जोर

बालाघाट। जिला तेली साहू समाज की बैठक में समाज के विकास, एकजुटता और विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में संगठन को मजबूत करने के साथ कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर सहमति बनी। समाज की बैठक रविवार को स्थानीय आंबेडकर चौक समीप स्थित कमला नेहरू सभा हाल में आयोजित की गई।

बैठक में समाज के जिला अध्यक्ष राजेंद्र मानवटकर और संरक्षक नारायण मदनकर विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संत शिरोमणी माता कर्मा और संत जगनाडे महाराज की जयंती मनाने को लेकर रूपरेखा तैयार की गई। इसके साथ ही समाज में अंतरजातीय विवाह को प्रतिबंधित करने का प्रस्ताव भी चर्चा का केंद्र रहा। सामाजिक उत्थान के उद्देश्य से समाज की आर्थिक एवं शैक्षणिक स्थिति में सुधार के उपायों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। प्रतिभा सम्मान समारोह, रक्तदान और स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के प्रस्तावों को भी समर्थन मिला। बैठक में समाज को संगठनात्मक रूप से पूरे जिले में मजबूत करने और एकजुटता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा सामूहिक विवाह आयोजन को बढ़ावा देने पर भी सहमति बनी। बैठक में उपस्थित समाज के सदस्यों ने विभिन्न विषयों पर अपने-अपने सुझाव और विचार रखे। अंत में सभी प्रस्तावों पर सहमति बनाते हुए नीतिगत निर्णय लेकर उन्हें लागू करने का निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना से बदली किसान की सोच

डेयरी व्यवसाय बना आय का भरोसेमंद सहारा

बालाघाट।

मध्यप्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना ग्रामीण किसानों के लिए आर्थिक बदलाव का माध्यम बनती जा रही है। जिले के विकासखंड बिरसा के मरारी टोला निवासी किसान मिथिलेश जामरे इसकी जीवंत मिसाल हैं, जिन्होंने पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक डेयरी व्यवसाय अपनाकर न केवल अपनी आय बढ़ाई है, बल्कि आसपास के किसानों के लिए भी प्रेरणा बन गए हैं।

योजना के तहत हितग्राहियों को अनुदान पर उच्च दुग्ध उत्पादन क्षमता वाली दो मुर्रा भैंसें उपलब्ध कराई जाती हैं। सामान्य वर्ग के हितग्राहियों को 50 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को 75 प्रतिशत अनुदान का लाभ मिलता है। विशेष बात यह है कि हितग्राही स्वयं हरियाणा जाकर पशुओं का चयन करते हैं, जिससे उन्हें गुणवत्तापूर्ण नस्ल के पशु मिलते हैं। इसी क्रम में उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएँ, जिला बालाघाट डॉ. अरुण कुमार नेमा ने ग्राम बिरसा (मरारी टोला) पहुंचकर हितग्राही मिथिलेश जामरे के निवास पर गृहभेंट की। उन्होंने मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना के तहत उपलब्ध कराई गई मुर्रा भैंसों का सत्यापन किया तथा वैज्ञानिक डेयरी प्रबंधन, संतुलित पशु आहार, पशु स्वास्थ्य संरक्षण और नस्ल सुधार से जुड़ी महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारी दी।

मिथिलेश जामरे बताते हैं कि शुरूआत में उनकी इस योजना में कोई विशेष रुचि नहीं थी, लेकिन हरियाणा में आधुनिक डेयरी फार्मों का भ्रमण और वहां की वैज्ञानिक डेयरी प्रणाली को देखने के बाद उनकी सोच पूरी तरह बदल गई। अब उन्होंने खेती के साथ डेयरी और मत्स्य पालन को अपनी आय का प्रमुख आधार बना लिया है और भविष्य में इस व्यवसाय को और विस्तार देने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने संभावित सूखे की स्थिति को देखते हुए पहले से ही पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में गेहूं का भूसा संग्रहित कर लिया है, ताकि चारे की कमी का असर उत्पादन पर न पड़े। इसके साथ ही उन्होंने अपनी गायों में सेक्स-सॉर्टेड सीमेन तकनीक का उपयोग कर उच्च गुणवत्ता वाली बछिया प्राप्त की है। इस आधुनिक तकनीक से मिले लाभों की जानकारी वे अन्य पशुपालकों को भी दे रहे हैं, जिससे क्षेत्र में वैज्ञानिक पशुपालन को बढ़ावा मिल रहा है।

वर्तमान में उनकी दोनों मुर्रा भैंसों से प्रतिदिन लगभग 15 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है, जिससे उन्हें हर माह करीब 14 हजार रुपये की शुद्ध आय प्राप्त हो रही है। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और डेयरी व्यवसाय के प्रति उनका विश्वास भी बढ़ा है। भ्रमण के दौरान डॉ. अरुण कुमार नेमा ने क्षेत्र के पशुपालकों से शासन की विभिन्न पशुपालन एवं डेयरी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने, उन्नत नस्ल के पशुओं का पालन करने, कृत्रिम गभार्धान और सेक्स-सॉर्टेड सीमेन जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक डेयरी प्रबंधन के माध्यम से दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ किसानों की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि संभव है।

बालाघाट के 10 जनपद शिक्षा केन्द्रों में होगा बड़ा बदलाव, नए बीएसी और सीएसी की होगी नियुक्ति

बालाघाट। जिले के सभी 10 जनपद शिक्षा केन्द्रों में जल्द ही विकासखंड अकादमिक समन्वयक (बीएसी) एवं जनशिक्षक (सीएसी) के पदों पर व्यापक फेरबदल होने जा रहा है। राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल द्वारा जारी निदेर्शों के बाद जिले में चयन प्रक्रिया प्रारंभ होने की तैयारी है। इससे वर्षों से प्रतिनियुक्ति पर जमे कई बीएसी एवं सीएसी की अपने मूल विद्यालयों में वापसी लगभग तय मानी जा रही है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व वर्ष 2019 में तत्कालीन जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) पी.के. अंगूरे के कार्यकाल में जिले के सभी जनपद शिक्षा केन्द्रों में बड़े स्तर पर बदलाव किए गए थे। करीब सात वर्ष बाद एक बार फिर सभी विकासखंडों में नई टीम के गठन की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। प्रत्येक विकासखंड स्रोत केन्द्र में 5 बीएसी (विज्ञान, सामाजिक विज्ञान एवं भाषा संकाय) तथा प्रत्येक 21 विद्यालयों पर 1 जनशिक्षक के मान से पदों की पूर्ति की जाएगी। 1 जनवरी 2026 की स्थिति में 52 वर्ष से अधिक आयु वाले शिक्षक बीएसी एवं जनशिक्षक पद के लिए पात्र नहीं होंगे। जिनके विरुद्ध विभागीय जांच, आपराधिक प्रकरण अथवा लगातार अनुपस्थिति की शिकायत लंबित है, वे भी अपात्र रहेंगे। प्रतिनियुक्ति की अवधि शासन के प्रचलित नियमों के अनुसार होगी। चयन हेतु जिला स्तर पर समिति गठित होगी तथा 05 अगस्त 2026 को काउंसलिंग आयोजित की जाएगी।

अंतिम चयन सूची 13 अगस्त 2026 तक जारी कर 20 अगस्त 2026 तक पदस्थापना आदेश जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। विभागीय सूत्रों के अनुसार जिन बीएसी एवं सीएसी को प्रतिनियुक्ति पर चार वर्ष या उससे अधिक का समय हो चुका है, उनकी मूल शाला में वापसी की संभावना प्रबल है। विशेष रूप से 52 वर्ष या उससे अधिक आयु वाले अधिकारियों की भी प्रतिनियुक्ति समाप्त की जा सकती है। सूत्रों के अनुसार दिव्यांग, गंभीर बीमारी के आधार पर विशेष छूट प्राप्त, अथवा पूर्व में जांच या शिकायत के कारण प्रतिनियुक्ति से हटाए गए कर्मचारियों को नए चयन में पात्रता नहीं मिलने की संभावना जताई जा रही है।

कई बैठकों के बाद भी मानपुर नगर में जाम की समस्या का नहीं हुआ निदान..!

मानपुर (स्वतंत्रमत)। मानपुर के सड़कों में लम्बा जाम लगना कोई नया नहीं बल्की जटिल समस्या बनी हुई है। यहां घरों में लगने वाले स्थाई दुकान बढ़ाकर बाहर सड़कों तरफ लगा दिये जातेहैं, तब फुटकर ब्यापारी अपनी दुकान सड़को से सटाकर लगा दिया करते हैं वहीं ठेला वाले दुकान सड़क के ऊपर ठेला खड़े करके लगाये जाते हैं, बाजार करने आने वाले ग्राहक अपने बाहन को रोड पर ही खड़े करके घंटों खरीदी में ब्यस्त रहते हैं, स्थाई ब्यापारियों के घरों वाले दुकानों के सामने टीना टप्पर लगाकर सड़क किनारे पटरी और नाली के ऊपर वाले जगह पर अतिक्रण छाया हुआ है।

डामरीकरण चौड़ी अच्छी बाई पास सड़क होने पर भी ट्रेक, ट्रैक्टर, बस, पिकप, जेसीबी जैसे भारी बाहनों का आना जाना मानपुर बाजार के बीच से ही आना जाना जारी रहता है, जिससे इस सड़क में हर दिन घंटों तक के लिये अक्सर लम्बा जाम लग जाया करता है, जिससे स्कूली बच्चे, किसान, मरीज एवं तकरीबन सभी लोगों को भारी समस्या से गुजरनी पड़ती है, जहां आवारा मवेशियों का डेरा तो दैनिक बड़े हादसो का कारण बने रहते हैं। जिस जटिल समस्या से निजात पाने के लिये मानपुर एसडीएम, तहसीलदार, पुलिस और नगर टीम की उपस्थिति में व्यापारियों के सांथ बैठक हुई थी, यह बैठक कार्यालय नगर परिषद मानपुर में दिनांक 16 मई 2026 को किया गया था, इस बैठक में सड़क के किनारों का अतिक्रमण हटवाने, भारी वाहनों का प्रवेश निषेध का कार्य बड़े तत्पर्यता से सीघ्र करवाने का निर्णय लिया गया था, वहीं मानपुर के सब्जी और मीट बाजार को मुख्य सड़क से हटकर लगवाये जाने के लिये भूमि चौनित करवाने के लिये भी निर्णय हुआ था, जब कि इसी समस्या को लेकर मानपुर में इसी तरह के कई बैठक पहले भी लिये जा चुके हैं।

भाजपा एससी मोर्चे की कार्यकारिणी और मंडल अध्यक्षों की घोषणा

उमरिया (स्वतंत्रमत)। *भारतीय जनता पार्टी शहडोल संभाग के प्रभारी गौरव सिरोठिया एवं जिला प्रभारी राजेंद्र पांडेय के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार की सहमति से जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल की अनुशंसा पर जिला अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा दिलीप कुमार प्रजापति द्वारा दिनांक 4 जुलाई को जिला कार्यसमिति एवं मंडल अध्यक्षों की घोषणा की गई है। जिसमें मानपुर मंडल के लिए अमृतलाल चौधरी,अमरपुर दिनेश कोरी,इंदवार आसाराम चौधरी, बिजौरी कोमल प्रसाद चौधरी, घुनघुटी गुलाब प्रजापति, चंदिया गोवर्धन सतनामी,बिलासपुर दिनेश झरिया, उमरिया ग्रामीण सुंदरलाल चौधरी,कोहका शिशुपाल प्रजापति और नौरोजाबाद मंडल में संध्या चौधरी को एससी मोर्चा का मंडल अध्यक्ष बनाया गया है। नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष और एससी मोर्चा की समस्त जिला कार्यकारिणी के जिला पदाधिकारी सहित सदस्यों को बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की गई है।*

चंदिया के एक मौलाना ने हिन्दू युवती के साथ की हैवानियत, आरोपी गिरफ्तार

उमरिया (स्वतंत्र मत)। जिले के चंदिया थाना क्षेत्र में 19 वर्षीय युवती के साथ कथित दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीडिता की शिकायत पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। पीडिता का जिला चिकित्सालय में उपचार जारी है, जबकि पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। उमरिया जिले के चंदिया थाना क्षेत्र में 19 वर्षीय युवती के साथ कथित दुष्कर्म की घटना सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। आरोप है कि चंदिया निवासी इस्तियाक मौलाना ने युवती के साथ सुनसान स्थान पर दुष्कर्म किया। घटना के बाद युवती की तबीयत बिगड़ने पर उसने अपनी मां को पूरी जानकारी दी। परिजन युवती को लेकर चंदिया थाना पहुंचे, जहां उनकी शिकायत पर पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज किया। पुलिस ने प्रारंभिक जांच और पीडिता के बयान के

आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया।वहीं पीडिता का जिला चिकित्सालय में उपचार एवं चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से निष्पक्ष जांच की जा रही है। मेडिकल रिपोर्ट, पीडिता के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की विवेचना की जाएगी तथा जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया जाएगा।

अवैध मदिरा बिक्री और पैकारी पर रोक लगाने में असमर्थ साबित हो रहा विभाग और प्रशासन

मानपुर (स्वतंत्र मत)। जिले के मानपुर तहसील क्षेत्र में शिर्फ चार लाइशेन्सी दुकान संचालित हैं, जबकि मानपुर ब्लॉक के तकरीबन सभी ग्राम पंचायतों में एक से लेकर कई अवैध दुकाने संचालित हैं..! जनचर्चा के अनुसार कई घर,गोमती अथवा किराना जैसे अन्य दुकानो एवं होटलों में अवैध दारू की बिक्री जारी रहती है, और अहाता बनाकर खुलेआम शराब बेची और पिलाई जा रही हैं, जबकि इस क्षेत्र के शिर्फ मानपुर,ताला, अमरपुर, इंदवार में वैध दुकाने हैं। ठेकेदारों के गुर्गों द्वारा गांव गांव मोहल्ले मोहल्ले में शराब की खेप पहुंचाया जा रहा है जिसका जीता जागता प्रमाण फोटो वीडियो देखर अथवा अपर्चित क्रेता बनकर हरगांव में पता किया जा शक्ता है, अवैध मदिरा का पैकारी सुबह 6 बजे से रात्रि के 10 बजे तक करवाये जाने की खबर दौड़ रही है, म्लते जानकारी के अनुसार बिना नंबर प्लेट के बाइक एवं सफेद रंग की बोलेरो मे अवैध पैकारी का कार्य भी किया जाता है, इन वैध और अवैध दुकानों में निर्धारित दर से ज्यादा मंहगे दरों पर दारू बिक्री करने की शिकायत भी जारी रहती है, जिस विषय को लेकर कई बार शिकायत किये जाने पर भी कोई कार्यवाही न होना कई प्रकार का प्रस्न खड़ा कर रहा है, कई जगय तो कार्यवाही के नाम पर सिर्फ कालाम पूर्ती की जाती है, यदि शक्त कार्यवाही होती तो खुलेआम हो रहे अवैध बिक्री में रोक जरूर लगता।

अधिकतर अपराधिक मामलों और हादसों की खबर पाते ही लोग पहले यही कहेंगे कि वह दरुहा रहा होगा, फुल लोड रहा होगा वहीं कई लोगों के जवान से निकलेगा कि दारू का ताकत कुछ भी करवा सकता है किसी का भी घर परिवार तबाह करवा सकता है, पड़ोस में विवाद अथवा किसी के घर परिवार में कलह होने पर अक्सर सुनने को मिलेगा कि घर का अथवा सोसायटी का अनाज अथवा घर का बर्तन व अन्य समग्री बेंचकर नाम के यहां जा के दारू पी लेगा और वह निकम्मा दिन रात घर मेहल्ले में अशांती फैलाकर हमेशा नया और घातक विवाद करता रहेगा, उसी वक्त परेसान परिवार और मेहल्लों द्वारा अवैध मदिरा बिक्री करने वाले एवं ठेकेदारों अथवा कानून के अब्यवस्था पर उंगली उठाते हुये कोसते हुये दिखेंगे।

डॉक्टर पर महिला ने लगाए गंभीर आरोप, लव जिहाद और ब्लैकमेलिंग का मामला, आरोपी डॉक्टर गिरफ्तार

उमरिया (स्वतंत्र मत)

चंदिया में क्लीनिक संचालन करने वाले एक डॉक्टर के खिलाफ महिला ने बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत की है। जहां पुलिस ने त्वरित कार्यवाई करते हुए आरोपी डॉक्टर को गिरफ्तार करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया। वही ये पूरा मामला कथित लव जिहाद और ब्लैकमेलिंग से जुड़ा बताया जा रहा है। एमपी के उमरिया जिले के चंदिया थाना क्षेत्र में पीड़ित महिला की शिकायत पर पुलिस ने केजीएन क्लीनिक संचालित करने वाले डॉक्टर हारून के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज किया है। वहीं कुछ कथित चौट्स के स्क्रीन शॉट्स भी सामने आया हैं हालांकि इनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की जा सकी है। पुलिस की माने तो पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

शिकायतकर्ता महिला का आरोप है की केजीएन क्लिनिक संचालित करने वाले डॉक्टर हारून ने अपनी वास्तविक पहचान छिपाकर खुद को भाजपा नेता अभिषेक सिंह परिहार बताया और माथे पर टीका लगाकर उससे दोस्ती की। साथ ही विश्वास में लेने के बाद उसने गन्दा काम किया। बाद में जब

उसे आरोपी की वास्तविक पहचान की जानकारी मिली और उसने इसका विरोध किया। तब उसने कथित रूप से उसका आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने की धमकी दी और ब्लैकमेल करते हुए उससे करीब आठ लाख रुपये वसूल लिए। बताया गया की जब पीड़िता से दोबारा पैसों की मांग की गयी तो उसने चंदिया थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू की और शुरूआती जांच के बाद आरोपी डॉक्टर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। सोशल मीडिया पर आरोपी से जुड़ा एक कथित चौट भी वायरल हो रहा है।

हालांकि पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस के मुताबिक सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों, मोबाइल चौट, कॉल डिटेल और अन्य उपलब्ध डिजिटल साक्ष्यों की भी जांच की जाएगी, ताकि पूरे घटनाक्रम की वास्तविकता सामने आ सके। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व सहायक आयुक्त के कार्यकाल में हुए निर्माण कार्यों पर उठे सवाल, घटिया निर्माण और वित्तीय अनियमितता के आरोप

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

जिले के भ्रष्ट कार्यालयों में सुमार सहायक आयुक्त आदिवासी कार्यालय में चल रहे निर्माण कार्यो की आखिर जांच क्यों नही की जा रही है। छोटे छोटे निर्माण कार्यो में जांच टीम बैठाकर निर्माण एजेंसी को परेशान किया जाता है तो दूसरी तरफ जिस विभाग में करोड़ो अरबों के काम चल रहे हों उस विभाग को आखिर क्यों संरक्षण दिया जा रहा है क्या मामला कलेक्टर और जिले के सांसद विधायक और मंत्री के संज्ञान में नही है या फिर इसी तरह की लापरवाही और मिलीभगत चलती रहेगी मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2024-25 में जिले के नारायणगंज, घुघरी, बीजाडांडी, निवास, मोहगांव, बिछिया, नैनपुर और मंडला में करोड़ो रूपए के काम स्वीकृत कर दिए गए हैं इन निर्माण कार्यो के ठेकेदारों ने विभागीय सांठगांठ से अनेक कामों को हथिया लिया है। इन ठेकेदारों के पास न तो तकनीकी अमला है और न ही लैब है और न ही मशीनरी संसाधन इसके बाद भी बिना जांच पड़ता के निर्माण शाखा के मिलीभगत से एक ही ठेकेदार को अनेक निर्माण कार्य के आदेश जारी करते हुए

भारी कमीशनखोरी की गई है इस पूरे मामले में तत्कालीन सहायक आयुक्त वंदना गुप्ता की मिलीभगत बताई गई है उनके संरक्षण में पूरे खेल किया गया है करोड़ो रूपए का भुगतान बिना जांच पड़ताल के निकाला गया है। सूत्रों के अनुसार अधिकांश काम घटिया स्तर के किए गए हैं और किए जा रहे हैं। बिना जांच पड़ताल और भौतिक सत्यापन बगैर फर्जी रिपोर्ट के आधार पर भुगतान के बिल भी लगा दिए गए हैं। बता दें जिले का सहायक आयुक्त कार्यालय आदिवासी विकास विभाग की सबसे महत्वपूर्ण इकाइयों में से एक माना जाता है। छात्रावास, आश्रम, विद्यालय भवन, अतिरिक्त कक्ष, मरम्मत कार्य, पेयजल, शौचालय, बाउंड्रीवाल सहित करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं का संचालन इसी कार्यालय के माध्यम से किया जाता है। ऐसे में विभाग की कार्यप्रणाली हमेशा जनप्रतिनिधियों सामाजिक संगठनों और आम जनता की निगाहों में रहती है। इन दिनों सहायक आयुक्त कार्यालय एक बार फिर चर्चा का विषय बना हुआ है। पूर्व सहायक आयुक्त वंदना गुप्ता के कार्यकाल में कराए गए करोड़ों रुपये के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। कई स्थानों पर निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की कमी समय से पहले भवनों में दरारें, प्लास्टर उखड़ना, अधूरे कार्य और मानकों की अनदेखी जैसी शिकायतें सामने आ रही हैं। इन शिकायतों ने विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सूत्रों के अनुसार वंदना गुप्ता के कार्यकाल में आदिवासी विकास विभाग के अंतर्गत बड़ी संख्या में निर्माण और मरम्मत कार्य स्वीकृत हुए थे। इन कार्यों पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए लेकिन अब कई निर्माणों की स्थिति देखकर यह सवाल उठ रहा है कि आखिर इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद गुणवत्ता का स्तर इतना कमजोर क्यों दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई भवनों में निर्माण पूरा होने के कुछ ही समय बाद दीवारों में दरारें आने लगीं, प्लास्टर झड़ने लगा और अन्य तकनीकी खामियां सामने आने लगीं।

यदि इन निर्माण कार्यों की किसी स्वतंत्र तकनीकी एजेंसी से जांच कराई जाए तो कई गंभीर तथ्य सामने आ सकते हैं। जानकारों का कहना है कि आदिवासी विकास विभाग में हर वर्ष करोड़ों रुपये की योजनाएं संचालित होती हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और सुविधाएं उपलब्ध कराना है। यदि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से समझौता किया गया है तो इसका सीधा नुकसान उन्हीं विद्यार्थियों को उठाना पड़ता है जिनके लिए यह योजनाएं बनाई जाती हैं।

विभागीय सूत्रों का यह भी कहना है कि कई निर्माण कार्यों की निगरानी और गुणवत्ता परीक्षण को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं यदि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप हुए हैं तो उनकी तकनीकी जांच कराने में किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। वहीं यदि कहीं अनियमितता हुई है तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों और एजेंसियों की जवाबदेही तय होना आवश्यक है जिले के सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने मांग की है कि पूर्व सहायक आयुक्त के कार्यकाल में स्वीकृत एवं पूर्ण हुए सभी प्रमुख निर्माण कार्यों का भौतिक सत्यापन कराया जाए साथ ही निर्माण की गुणवत्ता भुगतान प्रक्रिया और कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। कुछ लोगों का मानना है कि सरकारी योजनाओं का उद्देश्य जनहित होता है। यदि करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी निर्माण कार्य अपेक्षित गुणवत्ता के नहीं हैं तो यह केवल वित्तीय नुकसान का मामला नहीं बल्कि सार्वजनिक संसाधनों के उपयोग पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न है। वर्तमान में पूरे मामले को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। लोगों का कहना है कि यदि जांच निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराई जाती है तो कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि शासन और जिला प्रशासन इन शिकायतों को किस गंभीरता से लेते हैं यदि करोड़ों रुपये के निर्माण कार्यों में वास्तव में गुणवत्ता संबंधी अनियमितताएं पाई जाती हैं तो दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई होना भी उतना ही आवश्यक होगा।

एसोसिएशन की बैठक संपन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)। विगत दिवस वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन की जिला की बैठक बीके राय की अध्यक्षता एवं पूरनसिंह ठाकुर संरक्षक तथा खंड शाखाओं के अध्यक्ष एमके राय डीएल गवले, आरके कुशराम, सीके राय के आथित्य में आयोजन किया गया प्रारंभ में जिला सचिव एसके पटेल ने बैठक के एजेंडा पर प्रकाश डाला व सभी पेंशनर्स को आयकर रिटर्न भरने को कहा बाद में जिलाध्यक्ष बीके राय ने बैठक की कार्यवाही करते हुए सेवानिवृत्तों के सम्मान की मासिक परंपरा की जानकारी के बाद मासिक बैठकों की जानकारी पर विचार विमर्श करके प्रति माह बैठकों की तारीखें निर्धारित की गई बाद में सेवानिवृत्तों के सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

दीक्षारंभ कार्यक्रम सम्पन्न

मण्डला/अंजनिया। शासकीय महाविद्यालय अंजनिया में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए 1 से 3 जुलाई तक तीन दिवसीय दीक्षारंभ एवं मानसिक संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालयीन वातावरण से परिचित कराना तथा उनके व्यक्तित्व विकास एवं शैक्षणिक मार्गदर्शन प्रदान करना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नवीन कुमार हरदहा ने कहा कि महाविद्यालय विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण और भविष्य संवारने का महत्वपूर्ण मंच है।

पेंशनर एसोसिएशन की बैठक

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्रमत)। बम्हनी बंजर के गायत्री मंदिर में खंड शाखा अध्यक्ष एमके राय की अध्यक्षता में वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन की बम्हनी शाखा की मासिक बैठक आयोजित की गई जिसमें पेंशनरों की समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया तथा नव आगंतुक पेंशनर परिवार में शामिल होने वाले सेवानिवृत कर्मचारियों का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। सदस्यता वृद्धि पर चर्चा की गई तथा आयकर रिटर्न भरने सभी पेंशनरों को जानकारी दी गई बताया गया कि प्रत्येक पेंशनर को आयकर भरना अनिवार्य है चाहे वह पेंशनर दाता हो या ना हो आयकर रिटर्न भरने से समय-समय पर होने वाली टीडीएस की कटौती नहीं होती है गोपाल हरदहा के द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ बैठक का समापन किया गया।

स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण किया

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े ने नारायणगंज विकासखंड के अंतर्गत शासकीय एकीकृत बालक हाई स्कूल नारायणगंज कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास नारायणगंज तथा शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल मंगलगंज का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति अपेक्षाकृत कम पाई गई। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी ने संबंधित प्राचार्यों को शत-प्रतिशत विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही विद्यालयों में नामांकन की प्रगति की समीक्षा करते हुए प्रत्येक छात्र की अपार आईडी समय-सीमा में तैयार कराने के लिए कहा। उन्होंने राष्ट्रीय मीन्स-कम-मेधावी छात्रवृत्ति परीक्षा की तैयारियों पर विशेष ध्यान देने तथा दिव्यांग विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति के लिए एनएसपी पोर्टल पर पात्र विद्यार्थियों का शीघ्र पंजीयन सुनिश्चित करने निर्देश भी दिए।

साइबर क्राईम पर दी जानकारी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में संचालित सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न थाना चौकी एवं यातायात पुलिस द्वारा अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों तथा सार्वजनिक स्थलों पर साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

अवैध शराब पर की गई कार्यवाही

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

कलेक्टर के निर्देशन मे ज़िला आबकारी अधिकारी एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी शैली सैयाम के मार्गदर्शन में बिछिया वृत में दबिश कार्यवाही की गई। जिसमें मुखबिर द्वारा सूचना दी गई की वार्ड नंबर 15 परमाही टोला हुआ बिछिया में एक घर में मदिरा का अवैध रूप से संग्रहण करके सुरेंद्र यादव द्वारा रखा गया है सूचना मिलने पर तत्काल आबकारी बल द्वारा संदिग्ध घर की तलाशी ली गई जिसमें सुरेंद्र यादव पिता गोपाल यादव 48 वर्ष एवं रवि यादव पिता प्रेम लाल यादव 21 वर्ष घर पर उपस्थित मिले। जिनकी उपस्थिति में घर की तलाशी विधिवत ली गई तलाशी लेने पर कमरे में पलंग के नीचे देसी मदिरा प्लेन के 7 कार्टून बरामद हुए जिसमें प्रत्येक कार्टून में 50 नग देशी मदिरा प्लेन भरा पाया इस तरह कल कुल 350 नग देसी मदिरा प्लेन बरामद किया गया जिसकी मात्रा 63 बल्क लीटर है जिसे पूछने पर वैध कागज प्रस्तुत करने को कहा गया नहीं करने पर धारण क्षमता से अधिक मदिरा का संग्रहण विक्रय करने के उद्देश्य से रखने के कारण आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण धारा 34(1)क 34(2) का अपराध पंजीबद्ध किया जप्त मदिरा की कुल अनुमानित कीमत 35 हजार है।

आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया उक्त कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक सर्वेश नागवंशी प्र.आ. हरेसिंह उइके,आरक्षक रघुनाथ उइके,महेश पटेल,कन्हैया उइके समस्त आबकारी स्टाफ उपस्थित रहे।

वित्तीय साक्षरता शिविर सम्पन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

वित्तीय साक्षरता केंद्र सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा विकासखंड बिछिया में वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वित्तीय साक्षरता केंद्र के अधिकारी कृष्णकांत अवस्थी ने स्व.सहायता समूह की महिलाओं को विभिन्न बैंकिंग एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। शिविर में विकासखंड बिछिया की आजीविका मिशन प्रबंधक शाहिन परवीन आरसेटी के फैकल्टी राजीव शर्मा एवं आशीष अग्रवाल भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अवस्थी ने महिलाओं को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजनाए प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना अटल पेंशन योजना सहित बैंक की विभिन्न जमा एवं ऋण योजनाओं की जानकारी दी।

रेवती कॉलेज में साइबर क्राइम पर कार्यशाला

मण्डला(स्वतंत्रमत)। वर्तमान डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से मां रेवती कॉलेज ऑफ एजुकेशन में एक दिवसीय साइबर क्राइम जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कोतवाली थाना और साइबर नोडल थाना के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं को साइबर फ्रॉड से बचने और सुरक्षित इंटरनेट बैंकिंग व सोशल मीडिया के उपयोग के गुण सिखाए गए कार्यशाला में सब इंस्पेक्टर जेएल वागाड़े, कांस्टेबल दयानंद परते, सब इंस्पेक्टर चन्द्रावती मरावी और प्रशांत चौबे ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों जैसे ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग, सोशल मीडिया हैकिंग और पहचान की चोरी आइडेंटिटी थेफ्ट के बारे में विस्तार

से जानकारी दी इसके साथ ही साइबर सेल से मधुर धुर्वे ने तकनीकी बारीकियों को समझाते हुए बताया कि किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी होने पर तुरंत कहा और कैसे शिकायत करें जानकारी दी गई। कार्यक्रम महाविद्यालय संचालक डॉ अभिषेक चौबे के मार्गदर्शन में किया गया एवं कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या डॉ कनिका खरे ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय प्राध्यापिका अपूर्वा मिश्रा द्वारा किया गया इस बेहद महत्वपूर्ण और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम के दौरान कॉलेज प्रबंधन, समस्त शैक्षणिक स्टाफ एवं भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे कार्यशाला के अंत में विद्यार्थियों के सवालों के जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान भी किया गया कॉलेज प्रशासन ने पुलिस विभाग की इस अनूठी पहल की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

तेज धाराओं के बीच सेल्फी ले रहे लोग

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण नर्मदा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। ऐसे समय में मंडला की प्रसिद्ध पर्यटन एवं धार्मिक स्थल सहस्त्रधारा पर बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। चिंताजनक बात यह है कि कई युवक-युवतियां और पर्यटक सोशल मीडिया पर अधिक व्यूज और आकर्षक कंटेंट बनाने की होड़ में अपनी जान जोखिम में डालकर नर्मदा की तेज धाराओं के बेहद करीब जाकर सेल्फी और वीडियो बना रहे हैं। कई लोग सुरक्षा की अनदेखी करते हुए फिसलन भरी चट्टानों पर चढ़ रहे हैं और उफनती धारा के किनारे खड़े होकर रील और वीडियो शूट कर रहे हैं। बारिश के चलते नदी का बहाव पहले से कहीं अधिक

तेज हो गया है। ऐसे में जरा-सी चूक किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के मौसम में सहस्त्रधारा में पर्यटकों की भीड़ बढ़ती है लेकिन सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जाते। मौके पर न तो प्रशासन का कोई अमला तैनात दिखाई देता है और न ही लोगों को खतरनाक स्थानों पर जाने से रोकने की व्यवस्था नजर आती है। इससे लोग बेखौफ होकर नदी की तेज धाराओं तक पहुंच रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि सहस्त्रधारा में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए पुलिस एवं होमगार्ड के जवान तैनात किए जाएं खतरनाक क्षेत्रों में बैरिकेडिंग कर चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं तथा लाउडस्पीकर के माध्यम से लगातार लोगों को सतर्क किया जाए ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना को रोका जा सके। गौरतलब है कि बारिश के मौसम में नर्मदा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ता है और तेज बहाव के कारण चट्टानें अत्यधिक फिसलन भरी हो जाती हैं।

इसके बावजूद लोग सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। यदि समय रहते प्रशासन ने प्रभावी कदम नहीं उठाए तो सहस्त्रधारा में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित

मण्डला(स्वतंत्र मत)। विगत दिवस वृंदावन मैरिज हॉल में वीआरएस ग्रुप जबलपुर के तत्वाधान में शासकीय और अशासकीय स्कूल के कक्षा दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम के आयोजक विकास पाण्डेय जबलपुर रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्ज्वलित कर किया कार्यक्रम के प्रायोजक सुनील ऑटोमोबाईल टाटा मोटर के डीलर एजुकेशन पार्टनर मोमेंटम कोचिंग, यूनिवर्सिटी पार्टनर मंगलायतन यूनिवर्सिटी जबलपुर ट्रेनिंग सेंटर पार्टनर, स्पेशल पार्टनर मीतेश तिवारी मेंटर, मोटिवेशनल स्पीकर और शिक्षक केमिस्ट्री रहे।

कार्यक्रम के दौरान टाटा मोटर्स के द्वारा अपनी नई ईवी कार को लॉच किया जो कि बहुत कम कीमत में बेहतरीन कार है कार्यक्रम के दौरान मीतेश तिवारी ने अपने उद्बोधन में सभी बच्चों को बधाई दी कि उन्होंने ये मुकाम हासिल तथा उन्हें आगे सफल होने गुण बताए। कार्यक्रम के दौरान प्रश्नमंच का भी आयोजन किया गया जिसमें सबसे जल्दी और सही जवाब देने वालों को इनाम दिया गया।

बिहारी दास मुरचले का हुआ आगमन

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

अखिल भारतीय पनिका महासभा के राष्ट्रीय संयोजक बिहारी दास मुरचले के अल्प प्रवास पर मंडला आगमन के दौरान पनिका समाज के युवाओं एवं वरिष्ठजनों ने उनका आत्मीय स्वागत किया।

नगर स्थित मृदुकिशोर होटल में आयोजित स्वागत एवं विचार-विमर्श कार्यक्रम में समाज के संगठना त्मक विस्तार एकजुटता तथा आगामी राष्ट्रीय बैठक की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में संयोजक बिहारी दास मुरचले ने कहा कि समाज की उन्नति और अधिकारों की मजबूती के लिए संगठन का सशक्त होना अत्यंत आवश्यक है उन्होंने समाज के सभी वर्गों से आपसी मतभेद

भुलाकर एक मंच पर आने का आह्वान किया उन्होंने बताया कि आगामी 19 जुलाई को राष्ट्रीय कोर समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी जिसमें समाज के विभिन्न संगठनात्मक एवं सामाजिक मुद्दों पर व्यापक चर्चा कर भावी रणनीति तय की जाएगी। इस अवसर पर पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष गीतेन्द्र गीतू बैरागी ने आगमन पर स्वागत किया।

इस दौरान दिनेश बैरागी, महंत डिंगू बैरागी, होमनदास मोंगरे बाबा, शम्मी बैरागी, संजय बैरागी, धर्मेन्द्र धारया, पी.डी. खैरवार, अरमान, अंकित बैरागी, प्रतीक बैरागी तथा मोचा से मोहन दास खैरवार सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिक एवं युवा उपस्थित रहे।

आदतन अपराधी से लाखों की संपत्ति बरामद

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा तथा एसडीओपी निवास पीएस बालरे के मार्गदर्शन में चौकी मनेरी पुलिस ने मोबाइल एवं मोटर साइकिल चोरी की वारदातों का सफल खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर लगभग 2.70 लाख मूल्य की चोरी गई संपत्ति बरामद करने में सफलता प्राप्त की है गत लगभग 15 दिनों से चौकी मनेरी क्षेत्र में लगातार मोबाइल चोरी की घटनाएं सामने आ रही थीं।

इसी दौरान 3 जुलाई को ग्राम मेडी निवासी संजय उर्फ भूरा बर्मन द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि रात्रि में परिवार के सो जाने के बाद अज्ञात व्यक्ति उसके घर में घुसकर स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल

क्रमांक एमपी20 एनक्यू7928 चोरी कर ले गया रिपोर्ट पर प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों एवं मुखबिर सूचना के आधार पर शिवम मरावी पिता प्रताप मरावी उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम खुख्ख थाना कुंडम जिला जबलपुर को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई।

पूछताछ में आरोपी ने मोटर साइकिल चोरी करना स्वीकार किया साथ ही यह भी स्वीकार किया कि गत 15 दिनों में मनेरी क्षेत्र में हुई मोबाइल चोरी की घटनाओं को भी उसी ने अंजाम दिया था आरोपी की निशानदेही पर चोरी गई स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल एवं विभिन्न कंपनियों के 9 स्मार्ट मोबाइल फोन बरामद किए गए जिनकी कुल अनुमानित कीमत 2,70,000 है बरामद मोबाइलों में थाना बरेला जिला जबलपुर क्षेत्र से चोरी हुए मोबाइल भी शामिल हैं आरोपी एक आदतन अपराधी है जिसके विरुद्ध पूर्व से थाना बरेला में 3 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं आरोपी की गिरफ्तारी से क्षेत्र में हुई कई संपत्ति संबंधी चोरी की घटनाओं का खुलासा हुआ है उक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी मनेरी उपनिरीक्षक शशांक शुक्ला, सहायक उप निरीक्षक साधु सिंह, आरक्षक बलिराम, प्रधान आरक्षक अरविंद, आरक्षक आनंद कोरी, मुकेश शांडिल्य शामिल रहे।

संपादकीय

भारत क्यों करे बात

पाकिस्तान की पैरवी करने वाले 117 चेहरे क्या पहलगाम का नरसंहार भूल गए? क्या पुलवामा में 40 'शहीदों' की कुर्बानी भूल गए? क्या उरी से लेकर 26/11 मुंबई आतंकी हमले तक पाकपरस्त शैतानों और हत्यारों की साजिशें भी भूल गए? क्या इन पैरोकारों ने आतंकवाद में अपने किसी परिजन को खोया है? यह पीड़ा, हत्या, दर्द, खालीपन, सूने आंगन, उजड़े सिंदूर को कैसे और कौन भूल सकता है? लिहाजा, भारत पाकिस्तान के साथ बातचीत क्यों करे? एक आतंकिस्तान देश को सबक सिखाना चाहिए अथवा संवाद के जरिए मुहब्बत का इजहार करना चाहिए? जो 117 लोग आज पाकिस्तान की पैरवी कर रहे हैं, क्या वे भूल गए कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी जारी है? आखिर भारत की मजबूरी क्या है, जो वह पाकिस्तान की आतंकी, हत्यारी हुकूमत के साथ बातचीत करे? उस भूखे, नंगे, कर्जदार देश के पल्ले क्या है, जो वह भारत को मुहैया करा सकता है? और फिर क्या गारंटी है कि संवाद और संबंधों की बहाली के बाद सरहदों पर तनाव ठहर जाएगा? सीमापार से आतंकी भेजे नहीं जाएंगे? वैश्विक मंचों पर, कश्मीर की आड़ में, भारत-विरोधी दुष्प्रचार थम जाएंगे? सांप की फितरत बदली है कभी?

जिन 117 लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी और कथित प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को खुला पत्र लिख कर भारत-पाक संवाद और बेहतर, कारगर संबंधों की गुहार की है, उनमें जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती के अलावा, पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर और सैफुद्दीन सोज भी शामिल हैं। मणिशंकर ने सलमान खुर्शीद के साथ पाकिस्तान जाकर गुहार की थी कि मोदी सरकार हटाने में मदद करें। यह नवंबर 2015 का वाकया है। दोनों नेताओं का कहना था कि मोदी को हटाए बिना भारत-पाक संबंध बेहतर नहीं हो सकते। खुफिया एजेंसी रॉ के प्रमुख रहे एएस दुल्लत भी सूची में हैं, जो पाकिस्तान की रूह तक से वाकिफ हैं और कई आतंकी हमलों के साक्षी रहे हैं। क्या इनमें से किसी ने भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर आग्रह किया है कि आतंकी सांपों को पालना बंद करें? उनके अड्डे खत्म किए जाएं। हुकूमत और फौज आतंकियों की आर्थिक मदद करना और उन्हें 'जेहादी समर्थन' देना भी बंद करें। पाकिस्तान के मंत्री धमकी दे रहे हैं कि हमने 130 परमाणु हथियार भारत के लिए रखे हैं। पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो आजकल 'एटमी युद्ध' की धमकी दे रहे हैं। एक नापाक मंत्री ने यहां तक कह दिया कि पानी को हाथ लगाया, तो हाथ तोड़ देंगे। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार सिंधु नदी का पानी रोकना युद्ध की कार्रवाई मानते हैं। क्या 'ऑपरेशन सिंदूर' के हमले भूल गया है पाकिस्तान, जिनमें उसके 11 एयरबेस को मिट्टी-मलबा कर दिया गया था? बहरहाल ऐसे आतंकी, धमकीबाज मंत्रियों की हुकूमत से भारत बात करेगा! क्यों करेगा? क्या ये 117 'रिटायर्ड चेहरे' भूल गए हैं कि पाकिस्तान में बसे और सक्रिय आतंकियों ने हमारे 40 हजार से अधिक बेगुनाह लोगों की हत्याएं की हैं? मठ-मंदिर ध्वस्त किए हैं? औरतों की आबरू, अस्मत लूटी है? पाकिस्तान में कौन लोग हैं, जो आपसी रिश्ते बेहतर चाहते हैं? अवाम को तो आटा, दाल, चावल, चीनी, फल-सब्जी भी मयस्सर नहीं है। क्या ऐसे अवाम को भयानक, कुरूप यथार्थों की पूरी जानकारी है? पाकिस्तान पहले बलूचिस्तान, खैबर, कथित आजाद कश्मीर में तो हालात शांत करे। जिसका अपना घर विभाजित है, टुकड़े-टुकड़े है, उससे भारत क्या बात करेगा और उससे क्या हासिल होगा?

भारत में नागरिकता साबित करने के दस्तावेज का सवाल

एस.वाय. कुरैशी

विदेश मंत्रालय ने हाल ही में स्पष्ट किया कि पासपोर्ट मुख्य रूप से यात्रा का दस्तावेज़ है, न कि नागरिकता का पक्का सबूत। स्वत: संज्ञान वाले इस बयान ने एक पुरानी अहम बहस को फिर जिंदा कर दिया- क्या भारत को नागरिकता के प्रमाण लिए किसी एक, पक्के सबूत की ज़रूरत है?

लोगों की प्रतिक्रिया हैरानी भरी थी। यदि पासपोर्ट भी पक्का सबूत नहीं, तो फिर क्या है? क्या आधार नागरिकता का सबूत है? क्या वोटर आईडी कार्ड है? क्या कोई ऐसा दस्तावेज़ है जो इस सवाल को हमेशा के लिए सुलझा दे? सीधा जवाब है- नहीं। भारत में कभी भी नागरिकता का कोई एक, सर्वमान्य दस्तावेज़ नहीं रहा। उलझन इसलिए पैदा होती है कि हम तीन अलग-अलग अवधारणाओं, पहचान, निवास और नागरिकता, को एक ही मान लेते हैं। वे आपस में जुड़ी हैं, लेकिन एक जैसी नहीं। आधार कार्ड पहचान व निवास की पुष्टि करता है। पासपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय यात्रा में सहायक है। वोटर आईडी कार्ड वोट देने की पात्रता बनाता है। इनमें कोई भी सभी उद्देश्यों के लिए नागरिकता का कानूनी व पक्का सुबूत नहीं, हालांकि आखिरी दो केवल नागरिकों को ही जारी किए जाते हैं। भारत में नागरिकता 'नागरिकता अधिनियम, 1955' के मुताबिक तय होती है और यह जन्म, वंशावली, पंजीकरण या देशीयकरण (तय न्यूनतम अवधि तक निवास) के ज़रिए मिलती है। व्यावहारिक तौर पर, इसे किसी एक पक्के प्रमाण-पत्र की बजाय कई रिकॉर्ड्स का मिलान कर स्थापित किया जाता है। अनेक देश नागरिकों का रजिस्टर रखते हैं या नागरिकता पहचान पत्र जारी करते हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और मालदीव के पास ऐसे कार्ड हैं। अधिकांश यूरोपीय देशों में भी ऐसा है। दूसरी तरफ अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देश हैं, वहां मामला जन्म रिकॉर्ड, पासपोर्ट और अन्य आधिकारिक दस्तावेज़ों पर निर्भर है। भारत बाद वाले देशों जैसा है- हमारे पास कई पहचान प्रणालियां हैं, लेकिन नागरिकता का कोई एक सर्वमान्य सबूत नहीं। आधार कार्ड का अनुभव सीखने लायक है। साल 2009 में शुरू किए गए आधार कार्ड को निवासियों की विशिष्ट पहचान के साधन के तौर पर डिज़ाइन किया गया था, ताकि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बेहतर ढंग से पहुंचाया जा सके और दोहरापन खत्म हो। इसे जानबूझकर नागरिकता से अलग रखा गया था, नहीं पता क्यों। इसका नामांकन निवास के आधार पर किया गया था, न कि राष्ट्रीयता के। नतीजतन, आधार कार्ड कभी भी नागरिकता का सबूत नहीं रहा। मुझे लगता है, यह एक चूक थी। इसे दोहरे उद्देश्य वाले दस्तावेज़ के तौर पर बनाना चाहिए था। नागरिकता पर बहस सबसे नाटकीय ढंग से असम में फिर उभरी। जहां एनआरसी सर्वे सिर्फ़ पहचान साबित करने की प्रक्रिया नहीं थी; यह राज्य में अवैध रूप से आकर बसने के इतिहास से जुड़ी नागरिकता की जांच-पड़ताल प्रक्रिया थी। 1985 के असम समझौते के तहत निवासियों को सबूत देना था कि वे या उनके पूर्वज 24 मार्च, 1971 से पूर्व भारत में मौजूद थे। सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में हुई इस प्रक्रिया में हज़ारों अधिकारी शामिल थे, करीब 1,500 करोड़ रुपए खर्च हुए और पांच साल चली। फिर भी, नतीजा बहुत विवादित रहा। 2019 में जारी अंतिम सूची से करीब 19 लाख आवेदक बाहर कर दिये । जो

लोग एनआरसी की मांग कर रहे थे, उनके मुताबिक, इसमें अभी भी अवैध प्रवासी ले लिये, जबकि बाहर किए कई लोगों का दावा था कि असली नागरिक छोड़ दिए। अंतिम आधिकारिक सूची अभी अधिसूचित नहीं की व अधर में है। तो यह प्रक्रिया विफल क्यों रही? इसका जवाब पुरानी तारीखों से नागरिकता साबित करने की जटिलता में छिपा है। लाखों आम भारतीयों को- जैसे गरीब, प्रवासी, महिलाएं, भूमिहीन मज़दूर और बाढ़ विस्थापित- दशकों पुराने दस्तावेज़ी सबूत पेश करने में मशक्कत करनी पड़ी। नाम में अंतर, रिकॉर्ड न मिलना या शादी के बाद नाम चेंज जैसी चीज़ों ने और मुश्किलें पैदा की। जब तीन करोड़ से ज़्यादा लोगों से आधी सदी से पुराने रिकॉर्ड के ज़रिए नागरिकता साबित करने को कहा जाए तो त्रुटियां स्वाभाविक है। अक्सर दी जाने वाली दलील कि पासपोर्ट या वोटर कार्ड जाली भी हो सकते हैं, लेकिन तब तो यह तर्क एनआरसी में जमा किए गए किसी भी दस्तावेज़ पर समान रूप से लागू होता है। जालसाज़ी का मुद्दा बेहतर जांच-पड़ताल वाली व्यवस्था बनाने की मांग करता है, न कि किसी दस्तावेज़ को खारिज करने की। असम का अनुभव एक बड़ा सवाल खड़ा करता है- अगर 3.3 करोड़ आबादी वाले एक राज्य में ही इतनी मुश्किलें आईं, तो क्या 145 करोड़ लोगों के साथ पूरे देश में ऐसी प्रक्रिया बिना बड़ी परेशानी संभव होगी? यहां सवाल सिर्फ़ प्रशासनिक नहीं; जनता पर भरोसे का भी है। चुनाव आयोग में छह साल बिताने के बाद, मैं जानता हूं कि नागरिक किसी भी ऐसी प्रक्रिया पर तीखी प्रतिक्रिया देते हैं जिसे वे बोझिल या खुद को बाहर कर दिए जाने वाली मानते हों। मतदाता सूची के हालिया स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न से जुड़े विवाद यही दर्शाते हैं। लोगों को सत्यापन से दिक्कत नहीं। दिक्कत तब होती है जब बार-बार पुराने दस्तावेज़ दिखाने और दफ्तर -दफ्तर भागने को कहा जाये। साथ ही, नागरिकता से जुड़ी किसी भी प्रक्रिया का विरोध तब होगा जब नागरिकों को लगेगा कि इसका मकसद चुनिंदा लोगों पर लागू करना या दंडित करना है। जनता को सुविधा मिले, न कि परेशानी। तो क्या भारत को नागरिकता का पक्के सबूत का विचार छोड़ देना चाहिए? कदापि नहीं। साल 2003 में संशोधित नागरिकता कानून में हर नागरिक का अनिवार्य पंजीकरण, भारतीय नागरिकों का राष्ट्रीय रजिस्टर तैयार करने और राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी करने की बात कही गई है। संलग्न नियमों में, नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर बनाना, तदनुसार सत्यापन एवं एनआरसी तैयार करने का प्रावधान था। इस तरह, कानूनी ढांचा करीब दो दशक से मौजूद है। कमी रही है क्रियान्वयन की नागरिक-हितैषी रूपरेखा बनाने और इसे निष्पक्ष एवं बिना जल्दबाजी लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति की। वह रूपरेखा दो आधारों पर टिकी हो। पहला, जन्म का अनिवार्य रजिस्ट्रेशन (जिसे 1969 के कानून से अनिवार्य किया गया था) यह भविष्य के नागरिकता रिकॉर्ड का आधार बनना चाहिए। इसके लिए मैं दोहरे तरीके का सुझाव देता हूं- एक, जिन लोगों के पास जन्म प्रमाण पत्र है (और ऐसे लगभग 80 करोड़ लोग हैं यानि 65-70 फीसदी), उन्हें सीधे-सीधे नागरिकता कार्ड दिया जा सकता है। दो, पुरानी पीढ़ियों के लिए, सरकार मुख्य रूप से मौजूदा रिकॉर्ड पर निर्भर रहे- वोटर लिस्ट, पासपोर्ट, सरकारी सेवा रिकॉर्ड, टैक्स फाइलिंग, पेंशन रिकॉर्ड और शैक्षणिक प्रमाण पत्र। ये दस्तावेज़ दशकों से सरकार द्वारा अपने नागरिकों को दी गई मान्यता दर्शाते हैं। कोशिश सबको साथ लेकर चलने की हो, न कि शक की। नागरिकता साबित करने का बोझ बार-बार आम नागरिकों पर नहीं पड़े; सरकार की ज़िम्मेदारी हो कि वह ठोस आधार पर साबित करे कि अमुक व्यक्ति की नागरिकता की स्थिति पर सचमुच शक है। भले ही इसमें 5-10 साल लगें। अवैध आप्रवासन एक वास्तविक चुनौती है और इसके गंभीर उपाय करने ज़रूरी भी हैं। लेकिन जो तरीके अपनाए जाएं, वे निर्दिष्ट और सबूत आधारित हों; न कि ऐसी जल्दबाजी वाली कार्रवाई, जिसमें कुछ संदिग्ध लोगों को पकड़ने को बनाए सरकारी जाल में लाखों असली नागरिक फंस जाएं और उन्हें परेशान होना पड़े। नागरिकता, व्यक्ति और राज्य के बीच का बुनियादी रिश्ता है।

(लेखक भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त हैं)

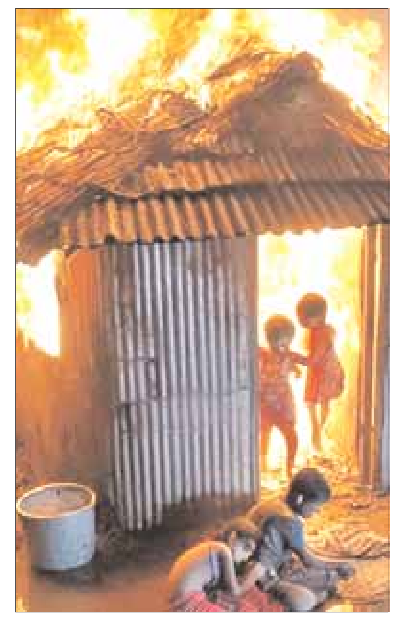

आग के राग और तपिश में भाग्य

सहीराम

नहीं जी नहीं, हमरी झोपड़िया में कोनो आग नहीं लगी है। यह तो दिलीप कुमार साहब की एक पुरानी फिल्म-सगीना महतो-का गाना है बस, कि आग लगी हमरी झोपड़िया में हम गावैं मल्हार। वैसे मानसून के आने और मेंह बरसने से पहले का यह सीजन झोपड़ियों में आग लगने का ही सीजन होता है। यह अलग बात है कि दिल्ली से लेकर लखनऊ तक आजकल बहुमंजिला इमारतों में भी आग लग जाती है और जाने-माने रेस्तराओं में भी। वरना पहले तो झुग्गी-बस्तियां ही जलती थीं। खैर, अब तो बुलडोजर चलने लगे हैं, सिर्फ झुग्गी-बस्तियों पर ही नहीं, अच्छी-खासी कॉलोनियों पर भी।

अब सचमुच ही लगने लगा है कि झुग्गियों में आग लगना गुजरे जमाने की चीज हो गयी है। वरना पहले तो झुग्गियां क्या, गांव के गांव जल जाते थे। यहां तक कि खुद शासक ही गांव जला देते थे। फसलें जला देते थे। झुग्गी-बस्तियों को भी आग कुछ इसी तरह से लगती थी कि झुग्गी-बस्ती की जमीन अनमोल हो गयी है, सो जगह खाली करवानी है और उसे सेठ के हवाले करना है क्योंकि सेठ को वहां मॉल बनवाना है, सुपर बाजार बनवाना है, लग्जरी अपार्टमेंट्स और न जाने क्या-क्या बनाना है।

खैर जी, तब तो झुग्गियों की तरह ही बड़े-बड़े दफ्तरों में भी आग लगती थी और फाइलें जल जाती थीं। फाइलें दबाई तो जाती हैं, रिश्वत वगैरह के लिए, लेकिन फाइलें जलायी जाती हैं घोटालों को छुपाने के लिए। झुग्गियों में आग लगने की तरह ही दफ्तरों की फाइलें जलना भी बड़ा उपयोगी उद्यम रहा है। सुना है इस बार तो उन्होंने खुल्लमखुल्ला, घोषित रूप से हजारों-हजार फाइलें नष्ट कर डालीं। वैसे ही जैसे उनका बुलडोजर खुल्लमखुल्ला चलता है। यह फाइलें सिर्फ इसलिए नष्ट कर दी गयीं क्योंकि वे बरसों से धूल खा रही थीं, जगह घेर रही थीं और किसी काम की न थीं। लेकिल झुग्गियों का जलना या फाइलों का जलना तो बेशक पुरानी बात हो गयी हो, आग का लगना और जलाना पुराना नहीं हुआ है।

देख लो, अब बंगाल में ईवीएम मशीनों में आग लग गयी और हजारों-हजार मशीनें जल गयीं। ऐसे लगता है जैसे झुग्गियों को और फाइलों को किसी की नजर लग जाती थी और वे धू-धू करके जल जाती थीं, वैसे ही ईवीएम मशीनों को भी किसी की नजर ही लगी है। कोसने तो वे इतने दिन से सुन ही रही थी कि वे हैक हो रही हैं, उनसे छेड़छाड़ हो रही है वगैरह-वगैरह। लेकिन इतनी नजर लगने के बाद तो उन्हें जलना ही था। लेकिन झुग्गियां जलने से जैसे मॉल बनने का रास्ता साफ हो जाता था, वैसे ही ईवीएम जलने से कहीं तानाशाही का रास्ता साफ न हो जाए। डर तो डर है न साहब!

नहीं रहीं मशहूर पंडवानी गायिका तीजन बाई

डॉ. सुधीर सक्सेना

अभी खबर मिली कि तीजन बाई नहीं रहीं। तत्क्षण मेरे जेहन में बरसों पहले की उनसे हुई मुलाकात कौंध गयी। सर्द दिसंबर 1978 की एक शांत शाम थी, जब रायपुर की गुढ़ियारी बस्ती में अंधेरा धीरे-धीरे उतर रहा था। हल्की रोशनी में सिमटी उस बस्ती के किनारे एक साधारण तंबू खड़ा था, जिसके भीतर सीमित साधनों के बीच एक असाधारण व्यक्तित्व अपनी पहचान गढ़ रहा था। उसी छोटे से डेरे में पहली बार एक ऐसी लोक कलाकार से मुलाकात हुई, जिसने आगे चलकर पंडवानी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया- वह थीं तीजन बाई। हम एक श्यामल बरन अच्छे सौष्ठव की, पांच फुट से कुछ इंच ऊपर कद की खुशमिजाज महिला के अस्थायी डेरे पर थे। महिला की आंखों में बला की चमक थी और बात करते हुए वह जब-तब और तीक्ष्ण हो जाती थी। उसके होंठ पान की पीक से लाल थे और दांतों के किनारों पर लाल लकीरें थीं। जाहिर था कि वह पान की शौकीन है। जिस चीज ने सबसे पहले आकर्षित किया, वह था उसका गजब का आत्मविश्वास। झिझक से उसका वास्ता न था। याद पड़ता है कि वह चटख लाल रंग की साड़ी पहने थी, बेमेल ब्लाउज के साथ। चटख बिंदी। चांदी के थोड़े से आभूषण। करीने से काढ़े हुए केश। वह हंसती तो उसके दांत चमकते थे और साथ ही चमकता था उसका बिंदासपन। कोई बात काबिले-दाद होती तो वह बखुद अपनी जांघ पर थाप देकर आनंदित हो लेती थी।

तंबू में खटिया पर सामने बैठी इस साधारण छत्तीसगढ़िया औरत का 'कांफिडेंस-लेवल' औसत से काफी ऊंचा था और वह बातचीत में बरबस छलकता था। वही हुआ। देखते ही देखते वह लोककला के परिदृश्य में छा गयी। उसने सरहदें लांघी और उसकी ख्याति ने दिशायें। एक दशक के भीतर वह सेलिब्रिटी थी। सन् 1988 में उसे पद्मश्री से नवाजा गया। फिर तो पदकों की झड़ी लग गयी। यह वह स्त्री थी, जिसने आकाशवाणी से बतौर पारिश्रमिक पहला चेक लिया तो पावती में हस्ताक्षर न कर अंगूठा लगाया था। उस रात गुढ़ियारी में पहला दफा रूबरू हुई यह स्त्री थी तीजनबाई। वह आज भी हमारे बीच हैं। इस 24 अप्रैल को वह 66 साल की हो जायेगी। अब वह दादी मां हैं। उसकी ख्याति भी लंबा सफर तय कर चुकी है। सन् 2003 में उसे पद्मभूषण मिला और सन् 2019 में भारत के महामहिम राष्ट्रपति के हाथों पद्मविभूषण। पद्म पुरस्कारों से उसका सम्मान उस लोक कला का भी सम्मान है, जिसे उसने तमाम तकलीफें उठाकर निबाहा। रायपुर में गुढ़ियारी में सर्द दिसंबर में लालटेन की धुंधली रोशनी में लिया गया वह इंटरव्यू उसकी जिंदगी का पहला साक्षात्कार था। इस इंटरव्यू के निमित्त बने थे लोककला मर्मज्ञ निरंजन महावर। इंटरव्यू 'नवभारत', रायपुर में छपा था। उसकी कतरन मेरी बेतरतीब फाइलों के जखीरे में कहीं सुरक्षित है। जस की तस तो नहीं, मगर उसकी कही कुछ बातें स्मृति में हैं। तीजन का जन्मगांव इस्पात नगरी भिलाई से अनतिदूर है। जीरोमाइल से 14 किमी दूर गनियारी को अब भिलाई में ही मानिये। पिता चु नु क ला ल। मा ।

सुखमती। पांच भाई-बहनों में सबसे बड़ी। जाति की पारधी। उस अंत्यज समाज की जो मूलत: राजपूत समाज से संबद्ध होने के बावजूद जनजातियों में परिगणित है और आखेट तथा पक्षियों को पकड़ने के लिए जानी जाती है। पारधी परिन्दों को पकड़ने के लिए भांति-भांति के जाल या फंदे बुनने में निपुण होते हैं। बहरहाल महाराष्ट्र-गुजरात की अपेक्षा छत्तीसगढ़ में इनकी आबादी कम है। कई दशकों तक जरायमपेशों में शुमार पारधी अब घुमंतू जनजाति है। वे झाड़ू-चटाई, टोकरी आदि अच्छी बना लेते हैं। विडंबना देखिये कि जब जात-बाहर विवाह के कारण तीजन पारधी-समाज से निष्कासित हुई तो यही पेशा गांव के बाहर झोपड़ी बनाकर बर्तन-नाज-मांग-मूंगकर जीवनयापन में उसके काम आया, मगर यह स्थिति ज्यादा दिन तक नहीं रही। कला ने उसे दो जून की रोटी दी, नौकरी दी, सम्मान और प्रतिष्ठा दी और उसे उस पायदान पर लाकर खड़ा कर दिया, जहां तक पहुंचना विपन्न और हत्भाग्य पारधियों के लिए ख्वाब में भी दूभर था। तीजन को पंडवानी विरासत में मिली। मातृकुल से। उसके नाना बृजलाल पारधी पंडवानी कहते थे। बालपने में तीजन ने नाना से पंडवानी सुनी और वह उसे कंठस्थ हो गयी। तेरह की वय में समीपवर्ती गांव चंदखुरी में उसे पहली बार पंडवानी गायन का मौका मिला। दक्षिणा या चढ़ावे में मिले दस रुपये उसकी पहली कमाई थी। सवर्ण, विशेषत: ब्राह्मण रुष्ट हुए कि एक तो स्त्री और फिर पारधी होकर पवित्र कथा का वाचन। विरोध, लांछन, वर्जना का दौर चला।

तीजन में हठ भी था और भगवान कृष्ण में अटूट भक्ति भी। वे उसके स्वप्न में आते थे। जीवन कष्टों से बिंधा था। पहले पति से अलग हुई। दूसरा पति जालिम निकला। वह अक्सर उसकी पिटाई करता था। तीजन ने पीड़ा-प्रताड़ना सही लेकिन पंडवानी नहीं छोड़ी। पंडवानी में ही उसकी मुक्ति थी, पीड़ा से भी, दैन्य से भी, वर्जनाओं से भी। पंडवानी ही उसे स्याह बोगदे के बाहर उस ठौर ले गयी, जहां खुली हवा थी, रोशनी थी और उसे सराहती हुई एक बड़ी दुनिया थी। कला कोई भी हो, वह तैयारी या रियाज मांगती है। तीजन ने अपने को तैयार किया, मांजा या परिष्कृत किया और सबसे बढ़कर उसे नवाचारित भी किया। सबलसिंह चौहान की छत्तीसगढ़ी महाभारत कंठस्थ करने के बाद उसने उमेद सिंह देशमुख से विधिवत प्रशिक्षण लिया। पंडवानी पुरूषों के वर्चस्व का क्षेत्र था। बैठकर वाचन की वेदमती शैली उनके उपयुक्त थी, लेकिन तीजन ने इसकी विलोम कापालिक शैली चुनी। अब देखो तो लगता है कि तीजन का चयन सही था। कापालिक शैली में खड़े-खड़े 'महाभारत' गायी जाती थी। तबला, खड़ताल, ढोलक, मंजीरा, हार्मोनियम जैसे इने-गिने वाद्य। साथ में तंबूरा। तीजन का बदन दोहरा है। आवाज थोड़ी कर्कश। कहें तो थोड़ा मर्दानापन। तंबूरे से वह कई प्रयोजन साधती है। वह अर्जुन का बान है और भीम की गदा भी। तीजन वाचिक को आंगिक अभिनय से निखार देती है। माहौल के मुताबिक शब्द चयन में थोड़ा हेरफेर। वह गायन, नृत्य, प्रलाप, वादन, संवाद और अभिनय से अपना 'डोमेन' रचती है और दर्शकों को बांध लेती हैं। चीरहरण और दु:शासन वध उसके प्रिय प्रसंग हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

दुनिया की छत से इलेक्ट्रॉनिक युद्ध की तैयारी

पुष्परंजन

जो तिब्बत 'दुनिया की छत' के नाम से मशहूर था, अब चीन उसे इलेक्ट्रो मैग्नेटिक मार्ग वाले रॉकेट लॉन्चिंग अधिकेंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है। पेइचिंग इंस्टिच्यूट ऑफ़ स्पेस साइंस के अंतरिक्ष विज्ञानी यू थांग ने पिछले हफ़्ते कहा, 'चीन की स्पेस इंडस्ट्री के कुछ बहुत ही साहसी और होनहार युवाओं ने दो दशक से भी ज़्यादा समय पहले शिंगहाई-तिब्बत पठार के ऊंचाई वाले और कम हवा वाले इलाकों में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक लॉन्च ऑर्बिट बनाने का आइडिया दिया था। अब वो साकार हो रहा है।' इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रॉकेट लॉन्च टेक्नोलॉजी, एक क्रांतिकारी अंतरिक्ष प्रक्षेपण प्रणाली है, जो पारंपरिक केमिकल, ईंधन के बजाय शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्रों का उपयोग करके रॉकेट या पेलोड को अंतरिक्ष में लॉन्च करती है। यह तकनीक लक्ष्य तक पहुंचने में सटीक है, और अंतरिक्ष यात्रा की लागत को काफी हद तक कम करने की क्षमता रखती है। इस प्रणाली में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक ट्रैक का उपयोग किया जाता है, जो विद्युत ऊर्जा को गतिज ऊर्जा में बदलती हैं। एक बार आवश्यक गति प्राप्त करने के बाद, पेलोड या छोटा रॉकेट वातावरण में ऊपर की ओर छूट जाता है, और अंतरिक्ष के लिए अपनी यात्रा जारी रखता है। इससे भारी मात्रा में ईंधन की बचत होती है। इसे ध्यान में रखें कि पारंपरिक रॉकेटों के कुल वजन का 80-90 प्रतिशत हिस्सा केवल ईंधन होता है। इलेक्ट्रोमैग्नेटिक लॉन्चर इस ईंधन के भार को खत्म कर देते हैं, जिससे रॉकेट बहुत अधिक पेलोड ले जा सकते हैं। यह तकनीक अंतरिक्ष यान को पारंपरिक केमिकल इंजनों की तुलना में कहीं अधिक गति देती है। इससे मंगल ग्रह की यात्रा का समय 8-9 महीने से घटकर केवल 30-60 दिन होने का दावा किया जा रहा है। यह 300 किलोवाट तक की शक्ति पर काम करता है, और हाइड्रोजन के आवेशित कणों को 100 किलोमीटर प्रति सेकंड की आश्चर्यजनक गति प्रदान करता है। भारत में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रॉकेट लॉन्च तकनीक अभी भी शुरुआती अनुसंधान और विकास के चरण में है। भारत में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लॉन्च सिस्टम चीन से काफी पीछे है। चीन फ़ुज़ियान विमान वाहक पर अपने विद्युत चुम्बकीय कैटापुल्ट को सफलतापूर्वक चालू कर चुका है, अमेरिका के बाद ऐसा करने वाला वह दुनिया का दूसरा देश है। पीपल्स लिबरेशन आर्मी की ग्राउंड फोर्स रिसर्च इंस्टिट्यूट में तैनात प्रोफेसर हान ने इसे दुनिया में अपनी तरह का पहला प्रोजेक्ट बताया, और कहा कि यह पूर्व निर्धारित योजना के मुताबिक बड़ी सफलताओं के साथ लगातार चल रहा है। हान ने '4,000 मीटर से ज़्यादा ऊंचे पठार से सीधे डेटा इकट्ठा किया है। उन्होंने इस पर अनुसंधान किया है कि रॉकेट को ज़्यादा ऊंचाई वाले माहौल के लिए कैसे ऑप्टिमाइज़ किया जाए, जहां सर्दियों में तापमान बहुत कम होता है, जिससे हवा का दबाव कम होता है। यह समुद्र तल के प्रेशर का लगभग आधा हो सकता है। इसका मतलब है उड़ान के दौरान हवा का घर्षण कम होता है, और शायद रेंज भी ज़्यादा होती है, खासकर तिब्बत जैसे दुनिया की छत पर रॉकेट को और भी ज़्यादा पावरफुल हथियार बना देगा।' ज़ियांग चीन के पूर्वी सिचुआन प्रांत का शहर है। 2026 की शुरुआत में ज़ियांग में हाई-टेम्परेचर सुपरकंडक्टिंग नेविगेशन सिस्टम के सफल परीक्षण ने इस टेक्नोलॉजी को हकीकत के करीब ला दिया है। इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व 'ज़ियांग कमर्शियल एयरोस्पेस लॉन्च टेक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टिट्यूट' के शोधार्थी कर रहे हैं, जो चाइना एयरोस्पेस साइंस एंड इंडस्ट्री कॉरपोरेशन की एक शाखा है। ज़ियांग फ़ैसिलिटी चीन के पहले इलेक्ट्रोमैग्नेटिक लॉन्च वेरिफिकेशन प्लेटफ़ॉर्म को सक्रिय रूप से चला रही है, जिसका महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2028 तक 'इसरो' की तरह व्यावसायिक लांच वाले पैटर्न पर लाना है। अब सवाल है, क्या चीन इस तकनीक का सैन्य इस्तेमाल भी करने के प्रयास में है? चीन विद्युत-चुंबकीय तकनीक का इस्तेमाल मिसाइल और रॉकेट लॉन्चिंग के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में आक्रामक रूप से कर रहा है। पारंपरिक रासायनिक ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए, चीन इस तकनीक को जीरो-स्टेज बूस्टर के रूप में विकसित कर रहा है। चीन की ज़ियांग कमर्शियल एयरोस्पेस लॉन्च टेक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टिट्यूट एक ऐसे सुपरकंडक्टिंग मैग्नेटिक लेविटेशन सिस्टम पर काम कर रही है, जो रॉकेट को जमीन से ही ट्रैक पर बिजली के जरिए सुपरसोनिक गति देने में सक्षम है। इससे रॉकेट के इंजन हवा में बहुत ऊंचाई पर पहुंचने के बाद ही काम करेंगे, जिससे भारी लागत और ईंधन की बचत होगी। मिसाइल तकनीक के साथ चीन उच्च शक्ति वाले माइक्रोवेव और ईएमपी हथियारों का निर्माण कर रहा है। चीन ने अंतरिक्ष में मौजूद दुश्मन के सैटेलाइट्स या संचार प्रणालियों को बिना किसी विस्फोट के जाम या नष्ट करने के लिए इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तकनीक का उपयोग कर रहा है। चीन, अपने फूचियान जैसे अत्याधुनिक विमान वाहक पोतों पर युद्धक विमानों को लॉन्च करने के लिए इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिस्टम को आगे बढ़ा रहा है। यह दुनिया का पहला इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सरफेस-टू-सरफेस रॉकेट होगा। तिब्बत में इनका टेस्ट क्यों किया जा रहा है? इस बारे में चीन का मानना है कि 'दुनिया की छत' तिब्बत से लॉन्च किए गए रॉकेट भारत के भीतर तक जा सकते हैं। चीनी एक्सपर्ट्स ने कहा कि इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापुल्ट से लॉन्च किया गया रॉकेट पारम्परिक रॉकेट से अधिक स्थिर और अचूक होगा, साथ ही यह अपने भार को गति देने वाली मिसाइल से बहुत सस्ता भी होगा। मगर सवाल है, क्या हमारी सीमाएं इलेक्ट्रोमैग्नेटिक संचालित रॉकेट प्रणाली से सुरक्षित रहेंगी? चीन के साथ भारत की 4,056 किलोमीटर लंबी सीमा को दशकों से नजरअंदाज किया गया है। समय-समय पर भारतीय अधिकारी इसे अभेद बनाने की आवश्यकता पर बल देते हैं। सत्ता में आने से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सीमा पर बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पिछली सरकार के प्रयासों की आलोचना करते थे, लेकिन पिछले दशकों में भी कोई महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हुई है। दिक्कत यह है कि सरकार देश में रणनीतिक ढांचे के निर्माण के लिए जिम्मेदार सीमा सड़क संगठन पर ही निर्भर है। बीआरओ की कार्यशैली में कोई क्रांतिकारी बदलाव नहीं दिखाई देता है। चीन ने जिस रफ्तार में अपने इलाके में ऑल वेदर मेटालिक रोड और अधोसंरचना खड़े किये, बीआरओ उसके मुक़ाबिल कछुआ गति से आगे बढ़ता रहा है। बीआरओ में कुशल कर्मियों की कमी एक बड़ा मुद्दा रहा है। ऐसे में पूरे बॉर्डर लाइन पर चीनी तैयारी के मुक़ाबले हम कब गंभीर होंगे? इस सवाल पर विमर्श ज़रूरी है।

(लेखक जियो-पॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं)

अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस पर बोले ट्रंप

ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह खत्म

वाशिंगटन (वार्ता)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश की स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर अमेरिकी सैन्य बलों का गुणगान करते हुए ईरान के खिलाफ लड़े गये युद्ध का उल्लेख किया और कहा कि यह उनके कार्यकाल को परिभाषित करने वाली सफलताओं में से एक है। ट्रंप ने खराब मौसम के बावजूद वाशिंगटन डी.सी. के नेशनल मॉल में देश की राजधानी के बीचों-बीच जमा हजारों लोगों को संबोधित करते हुए कहा, आप वेनेजुएला को देखिए, ईरान को देखिए। हमने दोनों को तबाह कर दिया। उनकी सेना को तबाह कर दिया। अमेरिकी आजादी की 250वीं सालगिरह के जश्न के दौरान बोलते हुए, ट्रंप ने ईरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों का बचाव किया और उन्हें हाल के वर्षों के सबसे सफल सैन्य अभियानों में से एक बताया। ट्रंप ने कहा, हमने एक बहुत सफल अभियान चलाया और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह खत्म कर दिया। उन सुविधाओं को नष्ट कर दिया गया और खतरा खत्म हो गया। वे चाहे जो भी कहें,

लेकिन उन ठिकानों पर ज़बरदस्त हमला हुआ। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को भारी झटका लगा। उन्होंने कहा, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होगा। जब तक मैं राष्ट्रपति हूं, ऐसा नहीं होगा। अगर वे इसे फिर से शुरू करने या बनाने की कोशिश करते हैं, तो हमें इसके बारे में पता चल जाएगा। और हम बहुत तेज़ी से इस पर कार्रवाई करेंगे। इस बीच, ट्रंप ने चार जुलाई को एक आयोजन में कहा कि पिछले 250 वर्षों से अमेरिका दुनिया के देशों के लिए आशा, प्रकाश और गौरव का प्रतीक रहा है। व्हाइट हाउस ने इस वर्षगांठ को देश की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है।

उन्होंने ऐतिहासिक प्रतीकों को आज की राजनीति से जोड़ा और 250 साल पूरे होने के इस अहम पड़ाव को अमेरिका की मज़बूत सहनशक्ति और खुशहाली और वैश्विक नेतृत्व के एक नए दौर के सबूत के तौर पर पेश किया। ट्रंप ने कहा, किसी ने भी अमेरिकी जनता से अधिक दुनिया के लिए भलाई नहीं की, अधिक साहस नहीं दिखाया, अधिक प्रगति नहीं की, अधिक अन्याय दूर नहीं किया और अधिक महान उपलब्धियां हासिल नहीं कीं। राष्ट्रपति ने कहा, हमारा शेयर बाजार अब तक के सबसे मजबूत दौर में है। हमारे देश में 19.2 लाख करोड डॉलर का निवेश हो रहा है, जो पहले कभी हुए निवेश से छह गुना ज़्यादा है। अमेरिका ने आर्थिक चुनौतियों से पार पा लिया है और वहां विनिर्माण एवं नौकरियां पैदा करने के मामले में सुधार देखा जा रहा है। ट्रंप ने कहा, हम अमेरिका के सुनहरे दौर में प्रवेश कर रहे हैं। अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ रही है, हमारे देश में भारी निवेश आ रहा है और दुनिया भर की कंपनियां अमेरिका में अपना काम शुरू कर, लोगों को नौकरी पर रखने और विस्तार करने का फ़ैसला कर रही हैं। अमेरिकी सपना आज कई वर्षों की तुलना में ज़्यादा मजबूत है। हमारा भविष्य उज्ज्वल है, हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत है और हमारे सबसे अच्छे दिन अभी आने बाकी हैं।

कम्युनिस्टों की आलोचना

राष्ट्रपति ने अपने घरेलू राजनीतिक विरोधियों पर भी निशाना साधते हुए कम्युनिस्टों की आलोचना की। उन्होंने कहा, हमारे सैनिकों ने दुनिया भर के युद्ध क्षेत्रों में साम्यवाद के खिलाफ लड़ाई केवल इसलिए नहीं लड़ी कि वही खतरा फिर अमेरिका में सिर उठाये। उन्होंने कहा, यह कैंसर की तरह है, जिसे जड़ से खत्म करना होगा। ट्रंप ने हल्के-फुल्के अंदाज में अपने मौजूदा कार्यकाल के बारे में मज़ाक करते हुए कहा, मुझे तो तीसरा कार्यकाल कहना चाहिये, लेकिन मैं ऐसा नहीं करूंगा क्योंकि मैं कोई विवाद नहीं चाहता। इसके बाद उन्होंने कहा कि सेना का इस्तेमाल सफलतापूर्वक किया गया और उसने जबरदस्त सफलता हासिल की।

पूर्व सैनिकों को श्रद्धांजलि

अमेरिका के लगभग एक सदी के संघर्षों में शामिल रहे पूर्व सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हुए ट्रंप ने पर्ल हार्बर हमले में बचे 104 साल के केन शुब्रिंग, डी-डे के पूर्व सैनिक 107 साल के लेफ्टिनेंट आर्थर रोज और इवो जिमा के पूर्व सैनिक 101 वर्षीय कॉर्पोरल डॉन ग्रेव्स से परिचय कराया और उनकी लड़ाइयों से जुड़े ऐतिहासिक झंडों को सलामी दी। उन्होंने वियतनाम युद्ध के पूर्व सैनिक एवं मेडल ऑफ ऑनर पाने वाले कर्नल पेरिस डेविस, और गृह युद्ध के हीरो सार्जेंट विलियम कार्नी को भी सम्मानित किया। उन्होंने इन लोगों की कहानियों के जरिए अमेरिकी साहस की उस अटूट परंपरा का उल्लेख किया।

दुनियाभर से शुभकामनाएं

ट्रंप के संबोधन के बाद राजधानी वाशिंगटन के आसमान में भव्य आतिशबाजी का आयोजन किया गया। खराब मौसम और तूफानी स्थिति के कारण कार्यक्रम कुछ देर से शुरू हुआ। इस बीच, अमेरिका के पूर्वी हिस्से के कई राज्य भीषण गर्मी की चपेट में हैं। अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा ने कहा है कि ओहायो वैली, मिडवेस्ट और मिड-अटलांटिक क्षेत्रों में खतरनाक गर्मी का दौर अवकाश सप्ताहांत तक जारी रहेगा और कई स्थानों पर तापमान के नये रिकॉर्ड बन सकते हैं। अमेरिका की 250वीं स्वतंत्रता वर्षगांठ के अवसर पर दुनिया के कई नेताओं और राष्ट्राध्यक्षों ने शुभकामनाएं दीं। इनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय शामिल हैं।

हमास और हिजबुल्ला ने खामेनेई को दी श्रद्धांजलि

ईरान के साथ जताई एकजुटता

तेहरान (वार्ता)

हमास और लेबनान के प्रतिरोधी संगठन हिजबुल्ला के वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडलों ने यहां ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से अलग-अलग मुलाकात कर दिवंगत सर्वोच्च नेता आयतुल्ला सैय्यद अली खामेनेई के निधन पर शोक व्यक्त किया तथा ईरान के साथ एकजुटता दोहरायी। विदेश मंत्रालय के अनुसार हमास नेतृत्व परिषद के अध्यक्ष मोहम्मद दरविश के नेतृत्व में आये प्रतिनिधिमंडल ने खामेनेई, उनके परिवार के सदस्यों तथा अमेरिका-इजरायल संघर्ष के दौरान मारे गये वरिष्ठ राजनीतिक, सैन्य अधिकारियों और अन्य ईरानी नागरिकों के निधन पर ईरान के नेतृत्व, सरकार और जनता के प्रति संवेदना व्यक्त की। प्रतिनिधिमंडल ने हमास और फिलिस्तीनी जनता की ओर से ईरान के साथ एकजुटता भी जतायी। दरविश ने फिलिस्तीनी मुद्दे तथा इजरायली कब्जे और अत्याचारों के खिलाफ फिलिस्तीनी प्रतिरोध के समर्थन में खामेनेई की भूमिका की सराहना की। उन्होंने ईरान को 'युद्धक्षेत्र में महान विजय' और ईरानी वार्ताकारों की कूटनीतिक उपलब्धियों पर बधाई देते हुए कहा कि यह 'पूरे प्रतिरोध मोर्चे और मुस्लिम जगत की जीत' है। अराघची ने श्रद्धांजलि समारोह में शामिल होने के लिए हमास और अन्य फिलिस्तीनी प्रतिरोधी संगठनों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ईरान फिलिस्तीनी जनता के आत्मनिर्णय के अधिकार तथा अल-कुद्स (यरुशलम) को राजधानी बनाकर स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना तक अपने समर्थन को जारी रखेगा। इसी दौरान हिजबुल्ला के वरिष्ठ नेता मोहम्मद फनीश के नेतृत्व में संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने भी अराघची से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि वह हिजबुल्ला महासचिव शेख नईम कासिम का संदेश लेकर आया है। फनीश ने शेख कासिम की ओर से ईरान के सर्वोच्च नेतृत्व, राष्ट्रपति, सरकार और जनता के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने हालिया अमेरिकी और इजरायली हमलों में आयतुल्ला खामेनेई, उनके परिवार के सदस्यों, सैन्य अधिकारियों, सरकारी पदाधिकारियों और नागरिकों की मृत्यु पर शोक जताया। उन्होंने ईरानी जनता के धैर्य, ईरानी सशस्त्र बलों के प्रदर्शन तथा देश के कूटनीतिक प्रयासों की सराहना करते हुए लेबनान की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता के समर्थन के लिए ईरान का आभार व्यक्त किया। अराघची ने हिजबुल्ला प्रतिनिधिमंडल का धन्यवाद करते हुए कहा कि इजरायल के खिलाफ हिजबुल्ला का प्रतिरोध लेबनान और व्यापक मुस्लिम जगत के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने संगठन के प्रति ईरान का समर्थन जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

एआई पर जिनेवा में होगा वैश्विक संवाद

नई दिल्ली (वार्ता)

विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह 6 और 7 जुलाई को स्विट्ज़रलैंड के जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र के कृत्रिम बुद्धिमत्ता शासन पर पहले वैश्विक संवाद में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। विदेश मंत्रालय ने रविवार को बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता शासन पर वैश्विक संवाद सार्वभौमिक और बहु-हितधारक संयुक्त राष्ट्र मंच है, जिसकी स्थापना सितंबर 2024 में भविष्य के समझौते के अंतर्गत अपनाए गए वैश्विक डिजिटल संधि के बाद महासभा के प्रस्ताव 79/325 के तहत की गई थी। यह वैश्विक संवाद कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अंतरराष्ट्रीय शासन को इस प्रकार आगे बढ़ाने का एक विशिष्ट अवसर है, जिससे अंतरराष्ट्रीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय तथा बहु-हितधारक प्रयासों को पूरक सहयोग मिल सके। कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल, जो वैज्ञानिक समझ, पारदर्शिता, जवाबदेही तथा प्रभावी मानवीय निगरानी को बढ़ावा देता है, के साथ मिलकर यह संवाद विशेष रूप से विकासशील देशों में क्षमता निर्माण में सहायता करेगा, ताकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों को सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में निर्देशित किया जा सके। पिछले वर्ष अगस्त में अपनाई गई संदर्भ शर्तों तथा कार्यप्रणाली के अनुरूप, सह-अध्यक्षों ने कई हितधारक परामर्श भी आयोजित किए, जिनमें इस वर्ष फरवरी में यहां आयोजित ए आई इंपैक्ट शिखर सम्मेलन के अवसर पर आयोजित एक प्रत्यक्ष परामर्श शामिल था।

अमेरिका-ईरान के बीच अगली वार्ता पाकिस्तान में 11 को

रियाद (वार्ता)। अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली वार्ता का अगला दौर 11 जुलाई को पाकिस्तान की मेज़बानी में होगा। अल-अरेबिया न्यूज़ की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में शनिवार को कहा गया कि वार्ता के आगामी दौर में ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों, ईरान की जब्त संपत्तियों और ईरानी परमाणु मसले पर बातचीत होगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल का फैसला ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई के रियासती जनाज़े के समापन के बाद होगा। उल्लेखनीय है कि ईरान और अमेरिका ने सभी मोर्चों पर जंग रोकने के लिए 18 जून को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये थे।

रामलीला सनातन परंपराओं, नैतिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक: बिरला

नई दिल्ली (वार्ता)

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि रामलीला केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं बल्कि देश की सनातन परंपराओं, नैतिक मूल्यों और सामाजिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। बिरला ने रविवार को संसद भवन में देश की विभिन्न रामलीला समितियों के प्रतिनिधियों की बैठक में कहा कि सदियों से चली आ रही रामलीला की परंपरा ने भारतीय समाज को मर्यादा, कर्तव्य, त्याग, सेवा और राष्ट्रभक्ति के मूल्यों से जोड़ने का कार्य किया है तथा इसका संरक्षण और निरंतरता सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बैठक में चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस बैठक में श्री रामलीला महासंघ के अध्यक्ष अर्जुन कुमार तथा महामंत्री सुभाष गोयल भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि देशभर की रामलीला समितियां भारतीय संस्कृति और लोक परंपराओं की सशक्त वाहक हैं। इन समितियों ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी भगवान श्रीराम के आदर्शों और जीवन मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि आधुनिकता के इस दौर में भी हमारी सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक आयोजनों को नयी पीढ़ी से जोड़ने के लिए नवाचार, तकनीक और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि रामलीला सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने का एक प्रभावी माध्यम है। समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर यह आयोजन भारतीय जीवन दर्शन की व्यापकता और समावेशी भावना को सुदृढ़ करता है।

छात्रों को ले जा रही नाव डूबी, 20 की मौत

किंशासा (वार्ता)। मध्य कांगो में राज्य स्तरीय परीक्षाओं से छात्रों को वापस ले जा रही एक नाव के डूब जाने से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गयी और 80 अन्य लोगों को बचा लिया गया। कासाई प्रांत के इलेबो क्षेत्र के प्रशासक फ्रैंकोइस काबुला ने यह जानकारी दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह नाव और संकुरु तथा कसाई नदियों के संगम पर पहुंचते ही डूब गयी। इस नाव में 200 से ज्यादा लोग बैठे थे। इस मध्य अफ्रीकी देश में नाव के ऐसे जानलेवा हादसे आम बात हैं। इनकी मुख्य वजह देर रात की यात्रा और नावों में क्षमता से अधिक लोगों का सवार होना है। देश के सुदूर इलाकों में सुरक्षा के खराब मानकों और बुनियादी ढांचे की कमी के कारण भी हाल के वर्षों में नाव दुर्घटनाओं में सैकड़ों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

कोच्चि में ब्रिक्स महिला कार्य समूह की बैठक आज से

नई दिल्ली (वार्ता)। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत छह और सात जुलाई को केरल के कोच्चि में ब्रिक्स महिला कार्य समूह की बैठक आयोजित की जाएगी। ब्रिक्स में ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात सहित 11 देश शामिल हैं। इन देशों की वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने बताया कि बैठक में ब्रिक्स सदस्य देशों के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी विभिन्न क्षेत्रों में महिला सशक्तीकरण, महिला-नेतृत्व वाले विकास और साझा प्राथमिकताओं पर सहयोग बढ़ाने से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का विषय 'बिल्डिंग फॉर

रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी' है, जो जन-केंद्रित और मानवता-प्रथम दृष्टिकोण पर आधारित है। इसी के अनुरूप ब्रिक्स महिला ट्रैक के तहत चार प्रमुख प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इनमें शासन और नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी, महिलाओं का डिजिटल एवं वित्तीय समावेशन, महिला उद्यमिता एवं कौशल विकास तथा जलवायु कार्रवाई, खाद्य सुरक्षा और पोषण में महिलाओं की भूमिका शामिल हैं। मंत्रालय के अनुसार यह बैठक सदस्य देशों को महिला-नेतृत्व वाले विकास को आगे बढ़ाने के लिए विचार-विमर्श और सहमति बनाने का अवसर प्रदान करेगी। ब्रिक्स देशों में विश्व की लगभग 49.5 प्रतिशत आबादी निवास करती है। ऐसे में महिलाओं का राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण विभिन्न क्षेत्रों के विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। इसी कारण ब्रिक्स 2026 में महिला ट्रैक को एक महत्वपूर्ण स्तंभ माना गया है। कोच्चि बैठक से पहले 30 अप्रैल, 22 मई और 29 जून को तीन वर्चुअल प्रारंभिक बैठकें आयोजित की गयी थीं, जिनमें सदस्य देशों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा आगे बढ़ायी थी। मंत्रालय ने कहा कि महिला कार्य समूह की यह बैठक आठ और नौ जुलाई को होने वाली ब्रिक्स महिला मंत्रिस्तरीय बैठक का मजबूत नींव रखेगी तथा महिला-नेतृत्व वाले विकास और व्यावहारिक सहयोग के प्रति सदस्य देशों की साझा प्रतिबद्धता को मजबूत करेगी।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

'बांद्रा बॉय' को अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में मिली पहचान

मनोरंजन पत्रकारिता से फिल्म निर्माण की दुनिया में कदम रखने वाली नीरू शर्मा की डेब्यू फिल्म 'बांद्रा बॉय' को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता मिली है। 21 मिनट की इस हिंदी थ्रिलर फिल्म को फ्रेम्स ऑफ न्यूयॉर्क फिल्म फेस्टिवल में सेमीफाइनलिस्ट चुना गया है, वहीं न्यूयॉर्क इंटरनेशनल वुमेन फेस्टिवल में इसे अवॉर्ड विनर के रूप में सम्मानित किया गया है। यह उपलब्धि नीरू शर्मा के लिए विशेष महत्व रखती है, क्योंकि बांद्रा बॉय उनके निर्देशन की पहली फिल्म है। फिल्म मीडिया, जनधारणा और सच के बीच के जटिल संबंधों को केंद्र में रखती है। कहानी इस बात की पड़ताल करती है कि किस तरह मीडिया की सुर्खियां, सामाजिक पूर्वाग्रह और सार्वजनिक राय कई बार सच्चाई सामने आने से पहले ही किसी व्यक्ति की छवि तय कर देते हैं। दो दशकों से अधिक समय

तक बॉलीवुड और मनोरंजन जगत को कवर करने के बाद नीरू शर्मा ने फिल्म निर्माण की ओर रुख किया। उनका मानना है कि पत्रकारिता के दौरान देखे और समझे गए अनेक अनुभवों ने बांद्रा बॉय की कहानी को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए नीरू शर्मा ने कहा, एक निर्देशक के रूप में मेरी पहली फिल्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलना बेहद उत्साहजनक है। बांद्रा बॉय उन अनुभवों और सवालों से जन्मी कहानी है, जिन्हें मैंने वर्षों तक मीडिया और मनोरंजन जगत को करीब से देखते हुए महसूस किया। यह सम्मान मुझे आगे भी सार्थक और विचारोत्तेजक कहानियां कहने के लिए प्रेरित करता है। फिल्म निर्माण में कदम रखने से पहले नीरू शर्मा ने फिल्मकार सुभाष घई द्वारा स्थापित व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल से निर्देशन का प्रशिक्षण प्राप्त किया। पत्रकारिता से सिनेमा तक का उनका सफर उद्योग जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है। फिल्म में अहवान कुमार मुख्य भूमिका में हैं, जबकि गुजराती और मराठी सिनेमा के चर्चित अभिनेता धर्मेंद्र गोहिल एक महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। इसके अलावा लोचन बारसगड़े, यश पेडणेकर, शाम थोंबरे, पवन तिवारी, ऐश्वर्या मनोहर, हिमांशी मंडालिया और नंदिनी शर्मा भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। राजीव पराशर द्वारा निर्मित बांद्रा बॉय का संपादन संदीप कुरुप ने किया है, जो मुबारकां, सड़क 2 और क्रैक जैसी फिल्मों से जुड़े रहे हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी आयुष शाह ने की है, जबकि बैकग्राउंड स्कोर कौशल महावीर ने तैयार किया है। न्यूयॉर्क के दो प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में मिली यह सफलता बांद्रा बॉय के अंतरराष्ट्रीय सफर की मजबूत शुरुआत मानी जा रही है। साथ ही यह नीरू शर्मा के उस नए अध्याय का भी संकेत है, जिसमें उन्होंने खबरों को कवर करने से आगे बढ़कर अपनी कहानियां खुद गढ़नी शुरू की हैं।

पुष्पा इम्पॉसिबल में परिवार और घर बचाने की दोहरी चुनौती से जूझेंगी पुष्पा

पुष्पा इम्पॉसिबल में आने वाले एपिसोड में पुष्पा के सामने अब तक की सबसे कठिन परीक्षा होगी। परिवार की सुरक्षा और सच की लड़ाई के बीच उन्हें अपने घर को बचाने की भी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। शो में करुणा पांडे द्वारा निभाई जा रही पुष्पा रहस्यमयी गवाह की सच्चाई सामने लाने की कोशिश करती नजर आएंगी, जिसे ब्रिंदा त्रिवेदी के किरदार कदंबरी के वकील ने अदालत में पेश किया है। इस गवाह का कथित इकबाल-ए-जुर्म पूरे मामले की दिशा बदल सकता है, जिससे पुष्पा की सच की तलाश और कठिन हो जाती है। इसी बीच, आर्थिक संकट से उबरने की कोशिश में जयेश मोरे द्वारा निभाया गया किरदार दिलीप, पुष्पा को बताए बिना उनका घर गिरवी रख देता है। इससे परिवार के सिर से छत छिनने का खतरा पैदा हो जाता है, जबकि पुष्पा को इसकी भनक तक नहीं होती। आगामी घटनाक्रम पर करुणा पांडे ने कहा, ज़िंदगी कभी पुष्पा को एक समय में सिर्फ़ एक चुनौती नहीं देती।

जाह्नवी और खुशी ने अंशुला कपूर को दिया मेहंदी का सरप्राइज

अंशुला कपूर की मेहंदी समारोह पारिवारिक प्रेम, परंपरा और भावनाओं का खूबसूरत संगम बन गया। इस निजी समारोह का आयोजन जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर ने सरप्राइज के रूप में किया, जिसकी जानकारी अंशुला को पहले से नहीं थी। परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में आयोजित इस समारोह में अंशुला ने डिजाइनर अर्पिता मेहता द्वारा तैयार किया गया टील ब्लू लहंगा पहना। गुजरात की पटोला परंपरा से प्रेरित इस लहंगे में डिजाइनर की पहचान बन चुके मिरर वर्क को भी शामिल किया गया। यह अर्पिता मेहता का पहला पटोला-प्रेरित ब्राइडल लहंगा बताया गया है। अंशुला ने कहा कि वह अपनी मेहंदी पर ऐसा परिधान पहनना चाहती थीं, जो उस परिवार के प्रति सम्मान व्यक्त करे, जिसका वह जल्द ही हिस्सा बनने जा रही हैं। उन्होंने बताया कि यह लहंगा गुजरात की पारंपरिक हस्तकलाओं का सुंदर संगम है। अंशुला ने यह भी बताया कि उनकी बहनों जाह्नवी और खुशी ने पूरी मेहंदी समारोह की योजना गुप्त रूप से बनाई थी। उन्हें केवल इतना पता था कि कोई पारिवारिक आयोजन होने वाला है, लेकिन वहां पहुंचने पर मिले इस सरप्राइज ने उन्हें भावुक कर दिया। उन्होंने कहा कि परिवार और अपने प्रियजनों के प्यार से घिरा यह दिन हमेशा उनकी यादों में बसा रहेगा। अंशुला कपूर और रोहन ठक्कर के विवाह समारोह की रस्में शुरू हो चुकी हैं और दोनों जल्द ही विवाह बंधन में बंधने वाले हैं।

एक देश एक विधान के प्रबल समर्थक डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भाजपा ने आयोजित किया वृहद् कार्यकर्ता सम्मेलन

दूरदर्शिता, राष्ट्रनिष्ठा और कुशल नेतृत्व का उत्कृष्ट उदाहरण डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी : केबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटैल

राष्ट्रीय एकता अखण्ड भारत की भावना एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को आत्मसात करने का अवसर डॉ.श्यामाप्रसाद जी की जयंती : जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। होटल सावित्री सिग्नेचर में श्रद्धेय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125वी जयंती के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में केबिनेट मंत्री मध्य प्रदेश शासन श्री प्रह्लाद सिंह पटेल जी एवं जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक, जिला प्रभारी शरद जैन, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटैल, विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल, महेन्द्र नागेश प्रदेश उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा उदय प्रताप कौरव जी,प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक स्मृति जैन, पूर्व विधायक हाकम सिंह चढ़ार, पूर्व जिला अध्यक्ष महंत प्रीतम पुरी जी जिला महामंत्री सुरेंद्र मोहन नेमा की गरिमामय उपस्थिति में दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिसमें सर्वप्रथम भाजपा जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए बताया कि भारत की एकता अखण्डता और राष्ट्रीय स्वभिमान के प्रखर प्रहरी महान शिक्षाविद् राष्ट्रवादी चिन्तक एवं जनसंघ के संस्थापक श्रद्धेय डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रसेवा, त्याग और दृढ़संकल्प का अनुपम उदाहरण है उन्होने अपने विचारों और कार्यों से स्वतंत्र भारत की राजनीति को नई दिशा प्रदान की है तथा राष्ट्रहित की भावना को सदैव सर्वोपरि रखा है आज डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंति केवल उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करने का अवसर नही बल्कि राष्ट्रभक्ति एवं स्वशासन सांस्कृतिक चेतना एवं अखण्ड भारत के उनके आदर्शों को आत्मसात करने का प्रेरक अवसर पर है। तेन्दूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल ने डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना की एवं उसके संस्थापक के रूप में अपना बेहतर योगदान देते हुए जनसंघ को देश में एक सशक्त राष्ट्रवादी राजनैतिक विकल्प के रूप में पहचान दिलाई। डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी का जनसंघ की स्थापना का उद्देश्य सांस्कृतिक अस्मिता लोकतांत्रिक मूल्यों राष्ट्रवाद और अखंड भारत की भावना को सशक्त करना था। भारतीय जनता पार्टी जो आज देश की प्रमुख राजनैतिक शक्ति है उसमें डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी का योगदान अतुलनीय है। उनका योगदान केवल एक राजनैतिक दल की स्थापना तक सीमित नहीं रहा बल्कि उन्होने भारत की राष्ट्रवादी नीति को एक स्थाई वैचारिक आधार प्रदान किया।मध्यप्रदेश शासन के केबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटैल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय राजनीति के उन महान राष्ट्र निर्माताओं में डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी का नाम मुख्य रूप से आता है जिन्हानें स्वतंत्र भारत की प्रारंभिक नीतियों ओर औद्योगिक विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई वे स्वतंत्र भारत की पहली केन्द्रिय परिषद् में उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में शामिल हुए राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने वाले डॉ.मुखर्जी ने अपने कार्यकाल में देश को औद्योगिक आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण पहल की। जब देश स्वतंत्रता के बाद आर्थिक चुनौतियों संसाधनों की कमी और औद्योगिक पिछडे पन से जूझ रहा था। ऐसे समय में डॉ.मुखर्जी ने स्वदेशी उद्योंगों को प्रोत्साहन देने उत्पादन क्षमता बढ़ाने तथा सार्वजनिक क्षेत्र के विकास पर विशेष बल दिया। केन्द्रीय मंत्री मंडल महत्वपूर्ण सदस्य होने के बाद भी राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर उन्होंने कभी समझौता नही किया। 1950 में उन्होने नेहरू लियाकत समझौता में अपनी असहमति दर्ज कराते हुए अपने सिद्धांतों एवं राष्ट्रहित के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण देते हुए केन्द्रीय मंत्री मंडल से अपना स्तीफा दे दिया। आज उनकी जयंति पर राष्ट्र उन्हें ऐसे दूरदर्शी नेता के रूप में स्मरण करता है जिन्होंने स्वतंत्र भारत के उद्योगिक विकास राष्ट्रीय एकता और स्वभिमान को नई दिशा देने में अपना अमूल्य योगदान दिया।कार्यक्रम की जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बतया कि मंच का संचालन जिला महामंत्री राहुल कौरव एवं आभार जिला उपाध्यक्ष मुकेश मरैया ने किया। कार्यकर्ता सम्मेलन में जिला पंचायत उपाध्यक्ष/सदस्य गण नगर पालिका अध्यक्ष उपाध्यक्षगण जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं मंडल महामंत्री गण पार्षद, सरपंच, जनपद सदस्य, एवं जिले की चारों विधानसभाओं से बड़ी संख्या में ज्येष्ठ, श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं ने अपनी सहभागिता दी।

पटेरा-कुंडलपुर मार्ग पर घुटनों तक भरा पानी, घरों में घुसा

दमोह (स्वतंत्र मत)।

जिले के पटेरा-कुंडलपुर-कटनी मुख्य मार्ग पर विद्यासागर पेट्रोल पंप के सामने शनिवार शाम हुई तेज बारिश के बाद सड़क पर घुटनों तक पानी भर गया। जलभराव के कारण सड़क किनारे बने कई घरों में पानी घुस गया, जिससे लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो गई। राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों को भी पानी से भरी सड़क पार करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश का पानी घरों में भरने से घरेलू सामान खराब हो रहा है। कई परिवारों के लिए खाना बनाना और रात में आराम से सोना भी मुश्किल हो गया है। सड़क का पूरा पानी घरों के भीतर पहुंचने से हालात और खराब हो गए हैं। रहवासियों के अनुसार, जब भारी वाहन इस मार्ग से गुजरते हैं तो पानी की तेज लहरें कच्चे मकानों तक पहुंच जाती हैं। जलभराव के कारण कई बाइक चालक फिसलकर घायल भी हो चुके हैं।

तीन साल से नहीं हुआ स्थायी समाधान

ग्रामीण गुलाब रानी और सीमा बाई ने बताया कि यह समस्या पिछले तीन वर्षों से लगातार बनी हुई है। हर बरसात में सड़क पर पानी भर जाता है और आसपास के घर इसकी चपेट में आ जाते हैं। उनका आरोप है कि नगर परिषद ने न तो जल निकासी के लिए पर्याप्त नालियां बनवाई हैं और न ही मौजूदा नालियों की नियमित सफाई कराई जाती है। इसके कारण बारिश का पानी सड़क पर जमा होकर सीधे घरों में घुस जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय तक गंदा पानी जमा रहने से संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। उन्होंने नगर परिषद से जल निकासी की स्थायी व्यवस्था करने, नालियों की नियमित सफाई कराने और जलभराव की समस्या का जल्द समाधान करने की मांग की है।

129 मरीजों का हुआ निशुल्क उपचार, मुफ्त मिली दवाइयां

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) । साई धामं मंदिर समिति कान्हरगाव के युवाओं द्वारा भगवान सत्य साई बाबा के बताये हुए मार्ग मानव सेवा ही माधव सेवा है।को चरितार्थ करते हुये। माह के प्रथम रविवार को साई सेवा केन्द्र साई धाम मंदिर (कान्हरगाव) में निशुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन हर माह के पहले रविबार को किया जाता है।जिसमें इस रविबार 83 वें कैम्प का आयोजन किया गया।जिसमें शहरों एंव अनेक गावों के लगभग 129 मरीजों ने अपना उपचार करवाया।साथ ही युवाओं द्वारा निशुल्क दवाईयों का वितरण भी किया गया। वही मेडीकल केंप को पालिथिन मुक्त रहां सभी मरीजों को कागज के पाकिट एंव कपड़े के थेले में दवाईयां वितरित कि गयी।मेडीकल कैम्प में डाक्टर स्वाती कुरचानिया, डाक्टर संजय मोदी, डाक्टर अरूण दोहरे, सहयोगी,राहुल गिरी गोस्वामी,आकास रजक,प्रशांत सोनी,सहित साई धांम मंदिर समिति के युवाओं ने अपनी सेवायें प्रदान कि। मेडीकल कैम्प में सोहागपुर,पिपरिया,करकबेल, गाडरवारा,बनखेड़ी,नारगी,थलबाड़ा,कठौतिया,बगलई,टेकापार,झिकोली,चौरास,तूमड़ा,इमलिया,पुआरिया,माल्हनबाड़ा,महगवा,कान्हरगांव सहित अनेक गावों के मरीज उपस्थित रहे।

मंत्री उदय प्रताप सिंह ने किया विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास

केबिनेट मंत्री ने गिनाईं भाजपा सरकार की उपलब्धियाँ

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

विगत दिवस ग्राम पंचायत पिठहरा में विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास समारोह बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने ग्रामीणों को विकास की सौगात देते हुए भाजपा सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को विस्तार से बताया।

मंत्री उदय प्रताप सिंह ने विकास कार्यों का फीता काटकर लोकार्पण किया और नई योजनाओं का भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। इस दौरान क्षेत्र के विकास के लिए मिली नई सौगातों से ग्रामीणों में खुशी की लहर दिखी।

कार्यक्रम में भाजपा नेत्री एवं पूर्व विधायक साधना स्थापक, पूर्व विधायक नरेश पाठक, जिला पंचायत सदस्य ऋचा डब्बू स्थापक, मनोज कौरव विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने पंचायत के विकास को नई दिशा देने वाले इन कार्यों की सराहना की। सभा को संबोधित करते हुए केबिनेट मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि डबल इंजन की सरकार गांव-गांव तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रदेश सरकार द्वारा किए गए कार्यों का जिक्र किया।

मंत्री ने कहा प्रधानमंत्री आवास, लाडली बहना योजना, तीर्थ दर्शन योजना और सड़क-सिंचाई के कामों से ग्रामीण जीवन स्तर सुधरा है। पिठहरा पंचायत में आज जो कार्य हो रहे हैं, वो इसी सोच का परिणाम हैं।

सरपंच बाबूलाल शुक्ला ने मंत्री जी द्वारा पंचायत को दी गई विकास कार्यों की सौगात पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मंत्री के सहयोग से गांव की तस्वीर बदलेगी। सरपंच ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ और शाल-श्रीफल भेंटकर स्वागत किया।

कार्यक्रम के पश्चात मंत्री उदय प्रताप सिंह ने ग्रामीण जनों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनीं। लोगों से सीधा संवाद कर उन्होंने शिक्षा, सड़क और परिवहन से जुड़े सुझाव भी लिए। कार्यक्रम में भाजपा नेता मुकेश मरैया, कीरत सिंह पटेल, सुश्री अंजू शुक्ला, मोहरकांत पटेल, धर्मपाल सिंह राजपूत, रंजन स्थापक, मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत शर्मा, राजेश पटेल, नरेश कौरव, श्रीमती स्वाति अग्रवाल, श्रीमती शिरोमणि कौरव एवं श्रीमती रीना चौधरी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन उपस्थित रहे। पूरे गांव में कार्यक्रम को लेकर उत्साह का माहौल देखने को मिला।

चार दिन से घायल पड़े बछड़े को गौसेवकों ने पहुंचाया पशु चिकित्सालय

नरसिंहपुर ।स्वतंत्रमत।

सेवा और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए मिलन समिति एवं गौसेवकों ने चार दिनों से घायल अवस्था में पड़े एक बछड़े को उपचार के लिए पशु चिकित्सालय पहुंचाया। बताया गया कि किसी अज्ञात कारण से घायल हुए बछड़े की देखरेख क्षेत्र के लोग लगातार कर रहे थे, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हो रहा था।शनिवार को गौसेवक मोहित सराठे के मार्गदर्शन में निर्णय लिया गया कि बछड़े को तत्काल इतवारा बाजार स्थित पशु चिकित्सालय भेजा जाए, ताकि विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उसका समुचित उपचार हो सके। इसके बाद मिलन समिति के सभी सदस्यों ने सहयोग कर बछड़े को सुरक्षित पशु चिकित्सालय पहुंचाया।स्थानीय लोगों ने इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि असहाय पशुओं की सेवा करना समाज की बड़ी जिम्मेदारी है और ऐसे प्रयास दूसरों को भी प्रेरित करते हैं।

जैन युवा महासंघ साप्ताहिक जिनालय परिक्रमा का प्रथम चरण पूर्ण

दमोह (स्वतंत्र मत)। नगर में विराजमान मुनिश्री पदम सागर एवं छुल्लक श्री तात्पर्य सागर की मंगल प्रेरणा से दिगंबर जैन युवा महासंघ द्वारा प्रारंभ की गई साप्ताहिक जिनालय परिक्रमा का प्रथम दौर रविवार को पूर्ण हो गया। अगले सप्ताह से वृद्धि दर प्रारंभ होगा जिसमें एक सप्ताह शहर के मंदिर तथा दूसरे सप्ताह ग्रामीण क्षेत्र के मंदिर में पहुंचकर जिन अभिषेक पूजन अर्चन करेंगे। दिगंबर जैन युवा महासंघ के द्वारा दमोह नगर में स्थित सभी दिगंबर जैन जिनालय में बारी-बारी से प्रत्येक रविवार को पहुच कर श्रीजी का अभिषेक पूजन शांति धारा करने की शुरुआत 8 फरवरी से की गई थी। एक माह में चार जैन मंदिर पहुंचकर पूजन अभिषेक करने की श्रृंखला में लगभग 5 माह में प्रथम चरण की पूजन परिक्रमा रविवार 6 जुलाई को कंप्लीट हो गई। अब दूसरी परिक्रमा चालू हुई जिसमें एक सप्ताह लोकल जिनालय और एक सप्ताह आसपास के जिनालय जाने का क्रम रहेगा। जिनालय साप्ताहिक परिक्रमा क्रम में प्रत्येक रविवार को अलग-अलग मंदिर पहुंचकर पूजन अभिषेक करने वाली श्रावकों में मनीष जैन, नरेंद्र मयूर, दीपक बमोरया, प्रकाश वसुंधरा, सौरभ

भारिल्य, अतुल शीशम वाला, महेंद्र फोटो, संजय सिंघई, जितेंद्र नायक, सुनील बडेराय, केशर जैन, हर्ष जैन, दीपक जैन, कुलदीप जैन, अंकित टड़ा, आशीष गंगरा, बंटू गांगरा, डॉ रजनीश गांगरा, आशीष बलेह, अमित बांसा, राकेश दसोंदा, मनीष राजश्री, स्वप्निल, संदीप सहारा सहित अन्य युवा शामिल रहे।

इनके द्वारा भक्ति भाव से प्रथम चरण में पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर जटा शंकर, पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर जबलपुर नाका, शांतिनाथ जिनालय शिव नगर, धर्मनाथ जिनालय वैशाली नगर, नेमिनाथ जिनालय नेमीनगर, शांतिनाथ जिनालय भाई मंदिर, महावीर जिनालय राजीव कॉलोनी, पार्श्वनाथ जिनालय सागर नाका, जिनशरणं मंदिर सागर नाका, महावीर जिनालय मालिया मिल परिसर, आदिनाथ जिनालय कांच मंदिर, महावीर जिनालय नसिया मंदिर, पार्श्वनाथ जिनालय पलंदी मंदिर, चंद्रप्रभ जिनालय चौधरी मंदिर, पार्श्वनाथ जिनालय नन्हे मंदिर, पार्श्वनाथ जिनालय बड़े मंदिर,आदिनाथ जिनालय सिंघई मंदिर, पार्श्वनाथ जिनालय सेठ मंदिर, शांतिनाथ जिनालय विजय नगर, आदिनाथ जिनालय वसुंधरा नगर बारी-बारी से पहुंच कर श्री जी के दर्शन पूजन अभिषेक शांति धारा करके सबका मंगल हो जग का मंगल हो की भावना की गई। समाज के वरिष्ठ जनों तथा विभिन्न संगठनों के द्वारा जिनालय परिक्रमा के संकल्प की प्रशंसा करते हुए सभी के पुण्य की अनुमोदना की गई।

नगर परिषद बुढ़ार द्वारा निर्मित कराये गये डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क तथा सूर्य नमस्कार प्रतिमा का किया गया लोकार्पण

नगर परिषद की टीम विकास कार्यों को दे रही प्राथमिकता : विधायक जैतपुर

बुढ़ार (सवतंत्रमत)। नगर परिषद बुढ़ार द्वारा विश्राम गृह के निकट निर्मित करायें गये सूर्य नमस्कार प्रतिमां तथा उपजेल के समीप डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क निर्माण का लोकार्पण गरिमामयी कार्यक्रम के मध्य किया गया और लोकार्पण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी के मुख्यातिथ्य तथा नगर परिषद अध्यक्ष शालिनी सरावगी की अध्यक्षता एवं समाजसेवी गौरव सिरोठिया, जिला भाजापा अध्यक्ष अमिता चपरा के विशिष्ट आतिथ्य व पार्षदों की गौरवमयी उपस्थिति में लोकार्पण समारोह शनिवार को भव्यता पूर्वक आयोजित किया गया।

बुढ़ार नगर के वार्ड क्र. 1 विश्राम गृह के निकट नगर परिषद बुढ़ार द्वारा सूर्य नमस्कार, जो योग स्वास्थ्य के लिये अति आवश्यक है के पुनीत उद्देश्य से सूर्य नमस्कार योगा मूर्ति का निर्माण कार्य करवाया गया, वहीं अमृत योजना मद से वार्ड क्र. 6 में सर्वसुविधायुक्त भव्य पार्क का निर्माण डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम से कराया गया जो नगरवासियों के लिये अतिउपलब्धि पूर्ण है, जिसका मुख्यअतिथि व अतिथियों ने पूजन के उपरान्त फीता काटकर लोकार्पण किया। लोकार्पण अवसर पर जिला भाजपा उपाध्यक्ष दौलत

मनवानी, राकेश पाण्डेय, सतोष लोहानी, भूपेन्द्र मिश्रा, वरिष्ठ भाजपा नेता रविकांत चौरसिया, पुष्पेन्द्र ताम्रकार, दीपक शर्मा, जिलामंत्री श्रीकृष्ण गुप्ता, सौरभ गोले, नगर परिषद सी.एम.ओ. सौरभ श्रीवास्तव, उपयंत्री सी.पी. पाण्डेय, पार्षद सविता सिंह, हरीषचन्द केवट, मोहन बैगा, सुमित्रा नामदेव, जूली जैन, रश्मि सिंह, जूली रजक, सुधाकर शर्मा, राजू सेठिया, योगेन्द्र सिंह, लक्ष्मण गौतम, मण्डल अध्यक्ष अर्जुन सोनी, बीनू जैन, चन्द्रभान गुप्ता, राजनारायण पाठक, विनोद पाठक, नमन ताम्रकार, प्रतीत गुप्ता, बालमुकुंद गुप्ता, रामभजन गुप्ता, संजय सिंह, अरुण द्विवेदी, राजकिशोर द्विवेदी, आनंद बारी, मंटू सिंह, सज्जन पाण्डेय, अशोक चौरसिया, भागचन्द सोनी, भाजपा महिला नेत्री अनामिका सिंह, मनीषा यस मलानी, काजल सरावगी की विशिष्ट उपस्थिति रही। लोकार्पण समारोह को मुख्यअतिथि विधायक जयसिंह मरावी ने सम्बोधित करते हुये कहा कि नगर परिषद की अध्यक्ष शालिनी सरावगी तथा परिषद की टीम नगरवासियों के आशाओं के अनुरूप विकास कार्यों को मूर्तस्वरूप प्रदान कर रही है और विकास की श्रृंखला में नगर अग्रणी है जो प्रशंसनीय है।

नगर परिषद अध्यक्ष शालिनी सरावगी ने मुख्यअतिथि व अतिथियों का स्वागत करते हुये कहा कि नगर विकास में पार्षदों व नागरिकों का अपेक्षित सहयोग निरंतर बना हुआ है जिसके फलस्वरूप छोटे से नगर में बड़ा विकास कार्य निरंतर हो रहा है, और विकास की नित नई सौगात नगर को मिले इस दिशा में परिषद का निरंतर प्रयास बना हुआ है। विशिष्ट अतिथि संभागीय संगठन प्रभारी गौरव सिरोठिया ने कहा कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम से नगर परिषद ने नागरिकों को पार्क निर्माण की सौगात अर्जित करायी है जिसके लिये अध्यक्ष व परिषद बधाई की पात्र है और आने वाले समय में पार्क में डॉ श्री मुखर्जी की प्रतिमां की स्थापना की जाये ऐसी आकांक्षा है। श्री सिरोठिया ने कहा कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना की और देश की एकता व अखण्डता में अपना अविस्मरणीय योगदान दिया और वे शीर्ष मुकुट के रूप में हमसभी के मध्य विद्यमान है। इस अवसर पर विषिष्ट अतिथि जिला भाजपा अध्यक्ष अमिता चपरा ने कहा कि संभाग में पहली बुढ़ार नगर परिषद है जो डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम से उद्यान की सौगात अर्जित करायी है, इस दिषा में प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव नगरपालिका तथा नगरपरिषद के वार्डो में हो रहे विकास कार्यो को डा. मुखर्जी के नाम से नामकरण कर रहे जो नि:संदेह सराहनीय व स्वागत योग्य है।

कार्यक्रम का संचालन श्रीकृष्ण गुप्ता ने किया तथा सभी के प्रति आभार अर्जुन सोनी ने व्यक्त किया। लोकार्पण कार्यक्रम में कामाख्या राय, शुभम जैन, राधिका तिवारी, अनुज गुप्ता, अभय शुक्ला, मनोज चतुर्वेदी तथा पार्षदों व नागरिकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

डेढ़ किलोमीटर की सड़क बनी ग्रामीणों के लिए मुसीबत

बड़ी पोड़ी-खिरवा मार्ग पर दलदल से आवागमन ठप, ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की उठाई मांग

कटनी (स्वतंत्रमत)।

जिले की ढीमरखेड़ा तहसील अंतर्गत बड़ी पोड़ी से खिरवा जाने वाला करीब डेढ़ किलोमीटर लंबा मार्ग वर्षों से बदहाल पड़ा है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधीन आने वाली यह सड़क बरसात के दिनों में दलदल में तब्दील हो गई है, जिससे ग्रामीणों का आवागमन मुश्किल हो गया है। लगातार शिकायतों के बावजूद सड़क की मरम्मत नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। क्षेत्र में 'छोटी काशी' के नाम से पहचान रखने वाले बड़ी पोड़ी गांव की सड़क की दुर्दशा से ग्रामीणों के साथ-साथ यहां आने वाले लोग भी निराश हैं। बरसात शुरू होते ही

सड़क पर कीचड़ और जलभराव की स्थिति बन गई है, जिससे पैदल चलना भी कठिन हो गया है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, आंगनबाड़ी के नौनिहालों, बुजुर्गों और मरीजों को उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए कई बार उन्हें खाट या पैदल मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता है। ऐसे में हर बारिश के साथ हादसे का खतरा भी बना रहता है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद लोक निर्माण विभाग ने अब तक सड़क की मरम्मत या निर्माण की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। इससे नाराज ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और जिला प्रशासन से हस्तक्षेप कर शीघ्र सड़क निर्माण कराने की मांग की है। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के एडीओ शैलेंद्र शुक्ला का कहना है कि सड़क काफी पुरानी है। सड़क के दोनों ओर नए मकानों के निर्माण के कारण सड़क का स्तर नीचे हो गया है, जिससे बारिश का पानी भरने और कीचड़ की समस्या उत्पन्न हो रही है। उन्होंने बताया कि समस्या के स्थायी समाधान के लिए नई सड़क निर्माण का सर्वे कराया जाएगा तथा बजट स्वीकृति के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

कटाय घाट में अभाविप का स्वच्छता अभियान, सेवा और संस्कार का दिया संदेश

कटनी (स्वतंत्रमत)।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), जिला कटनी द्वारा सामाजिक दायित्व के निर्वहन एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से कटाय घाट स्थित धार्मिक स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान परिषद के कार्यकर्ताओं ने घाट परिसर एवं आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई कर स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया। कार्यकर्ताओं ने झाड़ू लगाकर परिसर में फैले कचरे एवं प्लास्टिक अपशिष्ट को एकत्रित किया तथा उसका उचित निस्तारण किया।

साथ ही श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों से धार्मिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने, प्लास्टिक का उपयोग कम करने तथा स्वच्छ वातावरण के निर्माण में सहभागी बनने का आग्रह किया। इस अवसर पर अभाविप के विभाग संयोजक सीमांत दुबे ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हमारी जीवन शैली और संस्कार का अभिन्न हिस्सा है। धार्मिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। जिला संयोजक संजय कुशवाहा ने बताया कि अभाविप समाजहित एवं राष्ट्रहित के कार्यों के माध्यम से युवाओं में सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

अभियान में अभाविप के नगर मंत्री अवध पांडे, सह मंत्री आदेश त्रिपाठी, सक्षम सोनकर, सृजन चौदहा, विनायक गौतम, समर्पण झा सोशल मीडिया प्रभारी सुमित रजक आदि कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वच्छ भारत के संकल्प को साकार करने का संदेश दिया।

कृषि विभाग ने किसानों को डीएपी के स्थान पर एनपीके खाद प्रयोग करने की दी सलाह

कटनी (स्वतंत्र मत)। कृषि विभाग ने जिले के सभी किसान साथियों को फसलों में ज्यादा उपज हेतु केवल यूरिया और डीएपी पर निर्भर न रहते हुये 12:32:16 एनपीके खाद का उपयोग करने की सलाह दी है। फसलों के लिए तीन मुख्य पोषक तत्वकृ नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश आवश्यक है। लेकिन किसान साथी अक्सर पोटाश तत्व की अनदेखी कर रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपेक्षित उपज नहीं मिल पा रही है। पोटाश तत्व पौधों के लिए एक सुरक्षा कवच का काम करता है। यह रोग और कीटों के प्रति पौधों में प्रतिरोधक क्षमता लाता है। यह फसल के दाने को बोल्ड (मोटा) बनाता है और दाने में चमक लाता है, जिससे फसल का बाजार मूल्य भी बेहतर हो सकता है। उपसंचालक कृषि रामखेलावन डेहेरिया ने बताया कि जिले में विशेष रूप से एनपीके 12:32:16 खाद उपलब्ध है। डीएपी खाद की तुलना में एनपीके खाद थोड़ी महंगी होती है। लेकिन एनपीके खाद में पोटाश तत्व भी शामिल होता है, जबकि डीएपी में केवल नाइट्रोजन और फॉस्फोरस

गोलीकांड के आरोपियों की सरगर्मी से तलाश

रुपयों के लेनदेन को लेकर विवाद, युवक के कान को छूते हुए निकली बुलेट, गंभीर चोट

कटनी (स्वतंत्र मत)।

स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पड़रभटा में रुपयों के लेनदेन को लेकर हुए विवाद के बाद आरोपियों ने गोली चला दी। वारदात में एक 30 वर्षीय युवक बाल-बाल बच गया, जिसके कान को छूते हुए गोली निकल गई।

घटना से पूरे क्षेत्र में दहशत व्याप्त हो गई। घायल युवक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल कटनी में भर्ती कराया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पड़रभटा निवासी 30 वर्षीय दुर्गा कोल का कुछ लोगों से पैसों के लेनदेन को लेकर पुराना विवाद चला आ रहा था। शनिवार की रात करीब 8 बजे इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में एक बार फिर कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि हाथापाई शुरू हो गई।

मारपीट के दौरान आरोपियों ने कट्टा निकालकर फायर कर दिया। गनीमत रही कि गोली दुर्गा कोल के कान को छूते हुए निकल गई, जिससे उसकी जान बच गई। हालांकि सिर और कान के पास आई गंभीर चोट के कारण वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। वारदात के तुरंत बाद परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से घायल दुर्गा कोल को शासकीय जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

डॉक्टरों के अनुसार अत्यधिक खून बहने के कारण युवक को गंभीर चोटें आई हैं, लेकिन उसकी स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है। गोली चलने की सूचना मिलते ही स्लीमनाबाद पुलिस बल तुरंत एक्टिव हो गई। थाना प्रभारी सुदेश समन ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पीड़ित और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज कर लिए हैं।

पुलिस का कहना है कि आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है और जल्द ही मारपीट व गोलीकांड के बदमाशों को सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा।

एनकेजे पुलिस ने साइबर अपराधों के प्रति किया जागरूक

कटनी (स्वतंत्रमत)। डिजिटल दौर में बढ़ते साइबर अपराधों और ऑनलाइन ठगी से आमजन को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से सेफ क्लिक अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में थाना क्षेत्रों में लगातार जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में एनकेजे पुलिस द्वारा खिरहनी दुर्गा चौक स्थित दुर्गा मंदिर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डीएसपी रत्नेश मिश्रा, थाना प्रभारी रूपेंद्र राजपूत सहित पुलिस स्टाफ उपस्थित रहा। थाना प्रभारी रूपेंद्र राजपूत ने नागरिकों को साइबर ठगी के नए नए तरीकों की जानकारी देते हुए बताया कि अज्ञात लिंक पर क्लिक करने, ओटीपी, बैंक खाता, एटीएम, यूपीआई पिन या पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। सोशल मीडिया पर आने वाले फर्जी ऑफर, लॉटरी, निवेश योजनाओं और डिजिटल अरेस्ट जैसे झांसे से सतर्क रहने की भी अपील की गई। कार्यक्रम के दौरान लोगों को बताया गया कि किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराएं या राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत करें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर नुकसान को रोका जा सके।

राधा स्वामी सत्संग से लौट रहे महिला पुरुष को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

महिला की मौत एक गंभीर घायल

कटनी (स्वतंत्र मत)।

एनकेजे थाना क्षेत्र अंतर्गत जुहला बायपास पर शनिवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहे व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोपाल नगर निवासी 40 वर्षीय हिमांशी पर्यानी अपने पड़ोसी ईश्वरलाल गेई के साथ राधा

स्वामी सत्संग से बाइक पर सवार होकर घर लौट रही थीं। जैसे ही उनकी बाइक जुहला बायपास के समीप पहुंची, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पर पीछे बैठी हिमांशी पर्यानी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ईश्वरलाल गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के दौरान वहां से गुजर रहे डॉ. माखीजनी ने घायलों को पहचानते हुए तत्काल सहायता उपलब्ध कराई और उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाने में सहयोग किया। प्राथमिक उपचार के बाद घायल ईश्वरलाल को बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूचना मिलते ही एनकेजे थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि वाहन और चालक की पहचान की जा सके। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है तथा हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

एक पेड़ बेटी के नाम कार्यक्रम

मण्डला। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विनोद परस्ते के मार्गदर्शन में कन्या शासकीय हाईस्कूल पुरवा में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जागरूकता सत्र एवं एक पेड़ बेटी के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने छात्राओं को जेंडर समानता, लिंगानुपात, पीसीपीएनडीटी एक्ट, कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य प्रबंधन की जानकारी दी साथ ही वन स्टॉप सेंटर एवं विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की उपयोगिता से अवगत कराया जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पीएलवी श्रीमती शिखा श्रीवास्तव ने बच्चों के अधिकार, शिक्षा का अधिकार, साइबर सुरक्षा, बाल विवाह, बाल श्रम एवं पॉक्सो एक्ट सहित विधिक सहायता संबंधी जानकारी प्रदान की।

एसीसी फैक्ट्री में जलाया 491 किलो गांजा

कटनी सहित कई जिलों में जप्त मादक पदार्थों का विनिष्टीकरण

कटनी (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा, मण्डला, बालाघाट एवं डिण्डोरी पुलिस द्वारा जप्त किए गए मादक पदार्थों का न्यायालय के आदेशानुसार एसीसी फैक्ट्री कैमोर में विधिवत विनष्टीकरण डिस्ट्रक्शन किया गया। विदित हो कि पिछले कई महीनों के दौरान इन जिलों के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मादक पदार्थों की बड़ी मात्रा जप्त की गई थी। न्यायालयीन आदेश प्राप्त होने के उपरांत इन मादक पदार्थों के विनष्टीकरण की कार्रवाई निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संपादित की गई। वनष्टीकरण की कार्यवाही एसीसी फैक्ट्री कैमोर के सीमेंट संयंत्र की भट्टी में की गई, जहां उच्च तापमान पर मादक पदार्थों को एक-एक कर जलाकर नष्ट किया गया।

संपूर्ण प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु वीडियोग्राफी एवं आवश्यक दस्तावेजीकरण भी कराया गया। विनष्टीकरण के दौरान जबलपुर रेंज के अंतर्गत कटनी जिले का 236.865 किलोग्राम गांजा एवं जबलपुर जिले का 155.010 किलोग्राम गांजा नष्ट किया गया। इसके अतिरिक्त जबलपुर जिले द्वारा माननीय जिला न्यायालय से प्राप्त 106 प्रकरणों के माल का भी विनष्टीकरण किया गया। इसी प्रकार अन्य जिलों के जप्तशुदा मादक पदार्थों का भी नियमानुसार विनष्टीकरण किया गया।

बारिश के बीच जलभराव रोकने मैदान में उतरा निगम अमला

संभावित जलभराव क्षेत्रों में विशेष निगरानी, अवकाश के दिन भी बाढ़ नियंत्रण कक्ष रहा सक्रिय

कटनी (स्वतंत्रमत)। मानसून के सक्रिय होते ही नगर निगम ने शहर में जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए विशेष अभियान शुरू कर दिया है। स्वच्छता अमला प्रमुख नालों और नालियों की सफाई के साथ वर्षा जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में जुटा है। संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है ताकि बारिश के दौरान नागरिकों को आवागमन में परेशानी न हो। नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ने बताया कि शहर के प्रमुख जल निकासी मार्गों की युद्धस्तर पर सफाई कराई जा रही है। शनिवार को वार्ड क्रमांक 1, 2, जालपा देवी

वार्ड, तिलक राष्ट्रीय स्कूल क्षेत्र, नई बस्ती, शिवनगर कॉलोनी, सिद्धबाबा मंदिर, चौधरी बस्ती, अंबेडकर वार्ड, कावसजी वार्ड, बरगवां, माधवनगर सहित कई क्षेत्रों में बड़े और छोटे नालों एवं नालियों की सफाई कर जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाया गया। बारिश के दौरान जलभराव की आशंका वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर टीमें तत्काल मौके पर पहुंचकर पानी निकासी का कार्य कर रही हैं। नगर निगम का बाढ़ नियंत्रण कक्ष शासकीय अवकाश के दिन भी सक्रिय रहा। शनिवार को प्राप्त छह शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित अमले को मौके पर भेजकर जल निकासी की समस्या का समाधान कराया गया। आपात स्थिति से निपटने के लिए पंप, मशीनरी और अन्य संसाधनों की भी पर्याप्त व्यवस्था रखी गई है। तेज बारिश के बावजूद निगम का स्वच्छता अमला लगातार फील्ड में रहकर नालियों की सफाई, जल निकासी और स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने में जुटा हुआ है। निगम प्रशासन ने नागरिकों से भी अपील की है कि नालियों और नालों में प्लास्टिक, पॉलीथीन अथवा अन्य ठोस कचरा न डालें तथा जलभराव या अन्य समस्या की सूचना तत्काल नगर निगम को दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

मुड़वारा स्टेशन पर जीआरपी चौकी खोलने की मांग

कटनी (स्वतंत्रमत)। क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति (जेडआरयूसीसी) पश्चिम मध्य रेलवे के सदस्य केशव मोहनानी ने कटनी मुड़वारा रेलवे स्टेशन पर जीआरपी चौकी स्थापित किए जाने की मांग उठाई है। उन्होंने इस संबंध में रेल पुलिस अधीक्षक, जबलपुर को पत्र भेजकर यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर शीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह किया है। पत्र में कहा गया है कि कटनी मुड़वारा स्टेशन से प्रतिदिन लगभग 15 से 20 हजार यात्री यात्रा करते हैं और स्टेशन पर लगातार यात्री संख्या बढ़ रही है। इसके बावजूद यहां जीआरपी चौकी नहीं होने से मोबाइल चोरी, पर्स चोरी, रेलवे सामग्री की चोरी, मारपीट एवं अन्य आपराधिक घटनाओं के पीड़ित यात्रियों को शिकायत दर्ज कराने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। केशव मोहनानी ने पत्र में उल्लेख किया है कि बढ़ती आपराधिक घटनाओं के कारण यात्री स्वयं को असुरक्षित महसूस करते हैं।

प्रतिष्ठित उद्योगपति मुकेश गुप्ता पर जानलेवा हमला

कार में तोड़फोड़, भाजपा नेता से जमीन विवाद की चर्चा

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शहर के विश्राम बाबा क्षेत्र में रविवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब गुप्ता गैस एजेंसी के संचालक और शहर के प्रतिष्ठित उद्योगपति मुकेश गुप्ता पर कतिपय तत्वों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने न सिर्फ उद्योगपति के साथ बेरहमी से मारपीट की, बल्कि उनकी कार को भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। पीड़ित किसी तरह अपनी जान बचाकर सीधे माधवनगर थाने पहुंचे, जहां पुलिस मामले की जांच और प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने की कार्रवाई में जुट गई है।

जमीन देखने गए थे उद्योगपति, घात लगाकर बैठे थे 50 युवक

प्राप्त जानकारी के अनुसार, उद्योगपति मुकेश गुप्ता के स्वामित्व वाली एक कीमती जमीन विश्राम बाबा के पास स्थित है। सुबह जब वे अपनी कार से इस जमीन का मुआयना करने पहुंचे, तो वहां पहले से ही करीब आधा सैकड़ा (50) युवक लाठी-डंडों से लैस होकर घात लगाए बैठे थे। मुकेश गुप्ता ने बताया कि जैसे ही उनकी कार वहां रुकी, लाठी-डंडों से लैस युवकों ने अचानक उन पर धावा बोल दिया। हमलावरों ने सबसे पहले कार के कांच फोड़ दिए और जैसे ही मुकेश गुप्ता गाड़ी से बाहर निकले, उनके साथ सीधे हाथापाई और मारपीट शुरू कर दी गई।

जान बचाकर भागे, माधवनगर थाने में दी सूचना

इस अप्रत्याशित और हिंसक हमले में मुकेश गुप्ता को कई गंभीर (सांघातिक) चोटें आई हैं। वे हमलावरों के चंगुल से किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से भागने में

सफल रहे और सीधे माधवनगर थाना पहुंचे। उन्होंने पुलिस प्रशासन को घटना की पूरी आपबीती सुनाई है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस द्वारा इस मामले में गंभीर धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की जा रही है।

विवाद के पीछे भाजपा नेता का हाथ होने की आशंका

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस पूरे खूनी खेल के पीछे जमीन पर कब्जे का विवाद बताया जा रहा है। चर्चा है कि उद्योगपति मुकेश गुप्ता की इस निजी भूमि को लेकर एक स्थानीय भाजपा नेता से विवाद चल रहा है। आरोप है कि इसी विवाद के चलते वहां पहले से मौजूद 40 से अधिक असामाजिक तत्वों को इकट्ठा कर उद्योगपति पर यह जानलेवा हमला सुनियोजित तरीके से करवाया गया।

व्यापारिक जगत में भारी आक्रोश और चिंता

मुकेश गुप्ता की गिनती शहर के बेहद सरल, शांत और शालीन स्वभाव के व्यवसायियों में होती है। दिनदहाड़े एक प्रतिष्ठित व्यापारी पर इस तरह खुलेआम हुई गुंडागर्दी और जानलेवा हमले की खबर फैलते ही कटनी के व्यापारिक समुदाय में तीव्र आक्रोश व्याप्त हो गया है। शहर के व्यापारियों ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस प्रशासन से आरोपियों और इसके पीछे शामिल मुख्य चेहरों के खिलाफ तत्काल और सख्त दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है।

भारत-ए ने श्रीलंका-ए को 10 विकेट से हराया

बरार ने दूसरे टेस्ट में 10 विकेट लिए, सुदर्शन के 168 रन, 1-0 से सीरीज जीती

गॉल

भारत-ए ने श्रीलंका-ए को दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में 10 विकेट से हराकर दो मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली। रविवार को गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में मुकाबले के चौथे और आखिरी दिन तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर मैच में कुल 10 विकेट पूरे किए। पहली पारी में 168 रन बनाने वाले साई सुदर्शन ने दूसरी पारी में भी नाबाद 25 रन बनाए। सीरीज का पहला मुकाबला ड्रॉ रहा था। इससे पहले भारत-ए ने अफगानिस्तान-ए और श्रीलंका-ए वाली वनडे ट्राई सीरीज भी जीती थी। भारत-ए ने चौथे दिन 541/8 से आगे खेलना शुरू किया। सिर्फ 9 गेंद

खेलने के बाद यश ठाकुर के आउट होते ही टीम ने 543/9 पर पारी घोषित कर दी। सारांश जैन 70 रन बनाकर नाबाद लौटे, जबकि चोटिल ऋतुराज गायकवाड़ बल्लेबाजी के लिए नहीं आए। पहली पारी के आधार पर भारत-ए को 177 रन की बढ़त मिली। श्रीलंका-ए ने पहली पारी में 366 रन बनाए थे।

गुरनूर ने नई गेंद से विकेट लिए

श्रीलंका-ए की शुरुआत बेहद खराब रही। बरार ने शुरुआती तीन ओवर में सोहन डी लिवेरा और नुवानिदु फर्नांडो को आउट किया। वहीं आकिब नबी ने पवन्था वीरसिंघे का विकेट लिया। मेजबान टीम सिर्फ 9 रन पर 3 विकेट गंवा चुकी थी। शुरुआती झटकों के बाद अशेन बंडारा ने तेज बल्लेबाजी की। उन्होंने गुरनूर के एक ओवर में लगातार तीन चौके लगाए और सिर्फ 47 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। कप्तान सहान अराच्चिगे ने भी कुछ अच्छे शॉट खेले, लेकिन यश ठाकुर ने उन्हें आउट कर दिया। लंच तक श्रीलंका-ए का स्कोर 115/4 था।

दूसरे सेशन में गुरनूर ने खत्म किया मैच

लंच के बाद गुरनूर बरार ने फिर विकेट लिए। उन्होंने अंजला बंडारा और अशेन बंडारा (87) को आउट कर दिया। केशारा नुवांथा (26) और दिलुम सुदीरा (21) ने कुछ संघर्ष किया, लेकिन लगातार अंतराल पर विकेट गिरते रहे। सारांश जैन ने भी 2 विकेट लिए। आखिर में गुरनूर ने सुदीरा और दुलाज समुधिता को आउट कर दूसरी पारी 68 रन पर 6 विकेट लिए। पहली पारी में उन्होंने 4 विकेट लिए थे। बरार ने मैच में 145 रन देकर 10 विकेट लिए। श्रीलंका-ए दूसरी पारी में 209 रन ही बना सकी।

भारत-ए को जीत के लिए सिर्फ 33 रन चाहिए थे। साई सुदर्शन ने 22 गेंदों में नाबाद 25 रन बनाए और चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई। अमन मोखाडे 11 रन बनाकर नाबाद लौटे। भारत-ए ने 6.2 ओवर में बिना विकेट खोए लक्ष्य हासिल कर 10 विकेट से मुकाबला और 1-0 से सीरीज अपने नाम कर ली।

जर्मनी ने महिला जूनियर हैंडबॉल वर्ल्ड चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

ताइयुआन

रविवार को चीन के जिनझोंग में हुई 2026 आईएचएफ महिला जूनियर हैंडबॉल वर्ल्ड चैंपियनशिप के फाइनल में जर्मनी ने डेनमार्क को 33-26 से हराकर गोल्ड मेडल जीता।फ्रांस ने स्पेन को 24-21 से हराकर ब्रॉन्ज़ मेडल जीता, जबकि स्पेन चौथे स्थान पर रहा।जर्मनी, जिसने आखिरी बार 2008 में यह टूर्नामेंट जीता था, ने पहले हाफ में 15-14 की बढ़त बनाई और फिर दूसरे हाफ के आखिरी दस मिनटों में अपनी बढ़त को और बढ़ा लिया।जर्मनी की रुस्लाना लिटविनोव ने कहा, यह दूसरी बार है जब हमने यह ट्रॉफी जीती है, और मुझे अपनी टीम पर बहुत गर्व है और मैं बहुत खुश हूँ।पूरे टूर्नामेंट के दौरान, हमें पता था कि अगर हम पहले हाफ में नहीं हारते हैं, तो दूसरे हाफ में हम हमेशा जीतते हैं क्योंकि हमारी मानसिकता दूसरों से ज्यादा मज़बूत है।आज हमने यह कर दिखाया।

ईशान बन सकते हैं बेहतर टेस्ट बल्लेबाजः श्रीकांत

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व भारतीय कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है कि आक्रामक सलामी बल्लेबाज ईशान किशन एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बन सकते हैं पर उन्हें अवसर नहीं मिल रहा। श्रीकांत के अनुसार एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बनने के लिए जिस प्रकार का कौशल चाहिये वह इस बल्लेबाज में है पर फिर भी उसे अवसर नहीं मिल रहा। साथ ही कहा कि ये निराशाजन बात है कि एक काबिल खिलाड़ी टीम में जगह हासिल नहीं कर पा रहा। ये एक प्रकार से उसकी प्रतिभा के साथ अन्याय है। गौरतलब है कि करीब दो साल तक राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बाद, किशन हाल ही में टी20 विश्वकप से टीम में वापसी करने में सफल रहे हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ 50-ओवर के प्रारूप में भी उन्होंने एक अच्छा शतक लगाया है। श्रीकांत के अनुसार उन्हें ईशान के खेलने का अंदाज अच्छा लगता है। इसी को देखते हुए इस पूर्व कप्तान का मानना है कि कि साल 2023 में कुछ टेस्ट मैच खेल चुके किशन टेस्ट में अवसर मिलने पर भी प्रभावित ही करेंगे। उन्होंने इस बल्लेबाज के खेल की सराहना करते हुए कहा, मैं ईशान किशन का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। उन्होंने अचानक वापसी की है और बहुत बढ़िया खेल रहे हैं। मुझे उनका खेल पसंद है।

वैभव की फिटनेस को लेकर सतर्कता बरतने की जरुरतः कलिनन

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेरिल कलिनन ने कहा है कि भारतीय टीम में शामिल 15 साल के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर सतर्कता बरती जानी चाहिये। कलिनन के अनुसार इस युवा बल्लेबाज के लंबे करियर में फिटनेस बाधा बन सकती है, इसलिए उसका ध्यान रखे जाने की जरुरत है। कलिनन ने कहा कि वैभव पावर हिटिंग पर जोर देते हैं। है, जिसके लिए उन्हें हर शॉट पर ज़बरदस्त बैट स्पीड और ताकत की ज़रूरत होती है। टाइमिंग और तकनीक भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, पर इस बल्लेबाज के ताकतवर स्ट्रोक प्ले पर अधिक अनिर्भरता ही चिन्ता का कारण है। उनका मानना है कि आने वाले सालों में निर्भरता ही उनके शरीर पर भारी पड़ सकती है और वह बार-बार चोटों का कारण बन सकते हैं।

फ्रांस चौथी बार फीफा वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में

एमबाप्पे ने हाथ नहीं मिलाया तो पैराग्वे के गोलकीपर ने फुटबॉल मारी

फिलाडेल्फिया

फ्रांस फुटबॉल वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है। उसने चौथी बार टॉप-8 में जगह बनाई है। फ्रांसीसी टीम ने रविवार सुबह खेले गए मैच में पैराग्वे को 1-0 से हराया। स्टार फुटबॉलर किलियन एमबाप्पे ने दूसरे हाफ में पेनल्टी पर निर्णायक गोल किया। फिलाडेल्फिया स्टेडियम में मैच के बाद पैराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल खेल भावना के तहत एमबाप्पे से हाथ मिलने के लिए आगे बढ़े, लेकिन एमबाप्पे ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया। इससे निराश गिल ने फुटबॉल एमबाप्पे की ओर उछाल

दी, जोकि फ्रांस के फॉरवर्ड की पीठ पर लगी। फ्रांस का क्वार्टर फाइनल मैच 9 जुलाई की रात 1:30 बजे से मोरक्को से होगा। मोरक्को ने शनिवार देर रात राउंड ऑफ 16 के पहले मुकाबले में मेजबान कनाडा को 3-0 के अंतर से मात दी। इस जीत के साथ मोरक्को वर्ल्ड कप इतिहास में एक से ज्यादा बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया। इससे पहले वह 2022 में क्वार्टर फाइनल में पहुंचा था।

एमबाप्पे ने पेनल्टी पर गोल दागा

पैराग्वे ने डिफेंसिव खेल दिखाया। 70वें मिनट में वीडियो असिस्टेंट रेफरी रिव्यू के बाद फ्रांस को पेनल्टी मिली। डिएगो गोमेज पर फाउल का फैसला आने के बाद किलियन एमबाप्पे ने पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिलाई। पैराग्वे ने पूरे मैच में फ्रांस के हमलों को काफी हद तक रोके रखा। दूसरे हाफ में एमबाप्पे को एक शानदार मौका मिला, लेकिन वे ब्रेकअवे का फायदा नहीं उठा सके। मैनू कोने का दमदार शॉट गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने शानदार बचाव करते हुए रोक दिया। स्टॉपेज टाइम में भी गिल ने एमबाप्पे के दो बेहतरीन प्रयास विफल कर मुकाबले को रोमांचक बनाए रखा।

पहला हाफ गोलरहित, दूसरे में 3 गोल आए

पहले हाफ में दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं। 50वें मिनट में अचरफ हकीमी की फ्री-किक पर मिले पास को अजेद्दीन ऊनाही ने बॉक्स के बाहर से शानदार राइट फुटेड शॉट के जरिए गोल में बदलकर मोरक्को को 1-0 की बढ़त दिलाई। 82वें मिनट में ब्राहिम डियाज के पास पर ऊनाही ने अपना दूसरा गोल दागकर बढ़त 2-0 कर दी।

वॉट्सएप-यूज़रनेम विवाद पर जवाब देने की समय सीमा 9-जुलाई तक बढ़ी

सरकार ने कहा- इससे ऑनलाइन फ्रॉड और डिजिटल अरेस्ट के बढ़ सकते हैं मामले

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने वॉट्सएप के विवादित यूजरनेम फीचर पर जवाब देने के लिए मेटा की समयसीमा को तीन दिन और बढ़ा दिया है। एक सरकारी अधिकारी ने रविवार को बताया कि अब कंपनी को 9 जुलाई तक अपना जवाब सौंपना होगा। इससे पहले सरकार ने इस मामले में वॉट्सएप से 6 जुलाई तक जवाब मांगा था। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, यह नोटिस मेटा को तब जारी किया गया, जब सरकार ने इस नए फीचर को लेकर डिटेल एक्सप्लेनेशन की मांग की। इसके साथ ही सरकार ने मेटा को सख्त निर्देश दिए हैं कि जब तक इस पूरे मामले पर बातचीत और परामर्श की प्रोसेस पूरी नहीं हो जाती, तब तक इस फीचर को भारत में रोलआउट (लॉन्च) न किया जाए। मेटा के मालिकाना हक वाले प्लेटफॉर्म वॉट्सएप ने हाल ही में एक नए यूजरनेम फीचर की घोषणा की थी। इस फीचर की मदद से यूजर्स अपना फोन नंबर शेयर किए बिना भी दूसरों से बातचीत कर सकेंगे। यह यूजर्स के लिए एक ऑप्शनल यूनिक आइडेंटिफायर (पहचान) की तरह काम करेगा। यह यूजरनेम आपके प्रोफाइल पर दिखने वाले डिस्प्ले नेम से अलग होगा। डिस्प्ले नेम एक जैसा हो सकता है, लेकिन यूजरनेम हर अकाउंट के लिए बिल्कुल यूनिक होगा।

क्यूब हाईवेज ट्रस्ट 5000 करोड़ रुपए के आईपीओ की तैयारी में

नई दिल्ली। राजमार्ग अवसंरचना निवेश ट्रस्ट (इनविट) क्यूब हाईवेज ट्रस्ट इस महीने 5,000 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की योजना बना रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह पूरा निर्गम बिक्री पेशकश (ओएफएस) के रूप में होगा, जिसमें मौजूदा निवेशक अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे और ट्रस्ट कोई नई पूंजी नहीं जुटाएगा। ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य सूचीबद्ध होने के बाद अपने निवेशक आधार का विस्तार करना और यूनिट में कारोबार को बढ़ाना है। मार्च 2026 तक, क्यूब हाईवेज ट्रस्ट के पास देश के 12 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में कुल 8,754 लेन किलोमीटर की 27 परिचालन वाली राजमार्ग परिसंपत्तियां हैं, जिनकी औसत शेष रियायती अवधि 18 वर्ष है। ट्रस्ट के पोर्टफोलियो का लगभग 85 फीसदी हिस्सा टोल सड़क परियोजनाओं का है, जिन्हें यातायात वृद्धि और महंगाई से जुड़ी टोल दरों में संशोधन का लाभ मिलता है।

शीर्ष 10 में से 6 कंपनियों के मूल्यांकन में 1 लाख करोड़ का इजाफा

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिली, जिसके परिणामस्वरूप देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह का संयुक्त बाजार मूल्यांकन एक लाख करोड़ रुपये से अधिक बढ़ गया। इस उछाल में भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस ने सबसे बड़ी भूमिका निभाई। सकारात्मक घरेलू आर्थिक संकेतों और वैश्विक मौद्रिक नीति में नरमी की उम्मीदों ने निवेशकों के विश्वास को मजबूत किया, जिससे बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों में भी उल्लेखनीय बढ़त दर्ज की गई। पिछले सप्ताह बीएसई का बेंचमार्क सेंसेक्स 663.44 अंक (0.86 प्रतिशत) और एनएसई का निफ्टी 214.85 अंक (0.89 प्रतिशत) बढ़कर बंद हुआ। बाजार के जानकारों ने बताया कि घरेलू मैक्रोइकॉनोमिक संकेतकों में मजबूती, जीएसटी संग्रह में अच्छी वृद्धि और औद्योगिक गतिविधि में सुधार ने बाजार को गति दी।

वैश्विक संकेतों और कंपनियों के नतीजों पर टिकी बाजार की नजर

मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह रही तेजी के बाद निवेशकों की नजर अब इस सप्ताह में वैश्विक और घरेलू कारकों पर टिक गई है। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, और प्रमुख आईटी कंपनी टीसीएस के पहली तिमाही के नतीजे बाजार की चाल निर्धारित करेंगे। विशेषज्ञों के अनुसार, आगामी सप्ताह में वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रम बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच अंतिम शांति समझौते को लेकर जारी वार्ता पर निवेशकों की पैनी नजर बनी रहेगी। इस वार्ता का परिणाम न केवल वैश्विक स्थिरता को प्रभावित करेगा, बल्कि कच्चे तेल की कीमतों में भी उतार-चढ़ाव ला सकता है। कच्चे तेल की कीमतें भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए संवेदनशील हैं, क्योंकि इनकी तेजी आयात बिल बढ़ाती है और रुपये पर दबाव डालती है, जबकि नरमी राहत प्रदान कर सकती है। इसके अतिरिक्त, विदेशी शेयर बाजारों के रुझान और विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां भी भारतीय बाजार को प्रभावित करेंगी। घरेलू स्तर पर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी, के पहली तिमाही के नतीजे 09 जुलाई को घोषित होंगे। ये नतीजे केवल टीसीएस के प्रदर्शन को ही नहीं दर्शाएंगे, बल्कि पूरे आईटी क्षेत्र के लिए, एक महत्वपूर्ण संकेतक होंगे। विश्लेषकों का मानना है कि टीसीएस की आय, मुनाफा और विशेष रूप से प्रबंधन की भविष्य की टिप्पणी अन्य तकनीकी शेयरों की दिशा और बाजार के समग्र मूड को प्रभावित कर सकती है। निवेशकों को कंपनी की विकास संभावनाओं और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच उसके लचीलेपन पर ध्यान देना होगा।

चावल, गेहूं, चीनी में साप्ताहिक तेजी

दालों और खाद्य तेलों में घटबढ़

नयी दिल्ली

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल का औसत भाव बढ़ गया।चावल के साथ गेहूं और चीनी में भी तेजी रही।वहीं, दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया।सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 17 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,918 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी।गेहूं भी 16 रुपये महंगा हुआ और 2,797 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बोला गया।आटे का भाव तीन रुपये

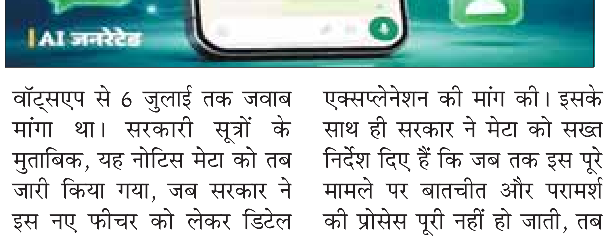

चढ़कर 3,257 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।सप्ताह के दौरान उड़द दाल की औसत कीमत 34 रुपये और तुअर दाल की 27 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।वहीं, मूंग दाल 15 रुपये और चना दाल सात रुपये सस्ती हुई।मसूर दाल की कीमत पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर स्थिर रही।खाद्य तेलों में भी उतार-चढ़ाव रहा।मूंगफली तेल की औसत कीमत एक सप्ताह में 106 रुपये और सोया तेल नौ रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी।सरसों तेल 74 रुपये और पाम ऑयल 73 रुपये महंगा हुआ।वनस्पति के दाम 17 रुपये और सूरजमुखी तेल के पांच रुपये प्रति क्विंटल बढ़े।मीठे के बाजार में बीते सप्ताह गुड़ का औसत भाव 16 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया।

ड्रोन प्रौद्योगिकी को गांव - गांव में किया जायेगा प्रोत्साहित

नई दिल्ली

राजधानी में आयोजित राष्ट्रीय ड्रोन समिट 2020 में सहकारिता आधारित ड्रोन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से ड्रोन टेक मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के शुभारंभ सहित कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहलों का शुभारंभ किया गया।आयोजकों के अनुसार नीति से समृद्धि तक विषय पर ड्रोन टेक मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी द्वारा राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य ड्रोन तकनीक के माध्यम से रोजगार, कौशल विकास और

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति देना था।इसमें सरकार, उद्योग, सहकारी संस्थाओं और ग्रामीण भारत के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सप्ताहांत सम्पन्न इस सम्मेलन में देश की पहली ड्रोन टेक मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी के शुभारंभ के साथ साथ राष्ट्रीय मिशन 1 पंचायत -1 ड्रोन उद्यमी और 75 उन्नत कौशल केंद्रों की स्थापना की भी घोषणा की गयी।सम्मेलन पर एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि ड्रोन टेक कोऑपरेटिव सोसाइटी का गठन मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटीज़ अधिनियम, 2002 के अंतर्गत किया गया है।यह संस्था ड्रोन निर्माताओं, उद्यमियों, पायलटों, प्रशिक्षण संस्थानों, सेवा प्रदाताओं, स्टार्टअप्स, किसानों और अन्य हितधारकों को एक मंच पर लाकर सहयोग, नवाचार और सतत विकास को बढ़ावा देने का कार्य करेगी।इसी तरह राष्ट्रीय मिशन 1 पंचायत -1 ड्रोन उद्यमी की भी शुरुआत की गई।इस मिशन का लक्ष्य अगले पाँच वर्षों में देश की 2 लाख कृषि-आधारित पंचायतों में 2 लाख ड्रोन उद्यमी तैयार करना है।इसके माध्यम से आधुनिक ड्रोन सेवाओं को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँचाने, रोजगार के अवसर बढ़ाने, ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनाने और कृषि उत्पादकता में वृद्धि करने का लक्ष्य रखा गया है।सम्मेलन में घोषित उन्नत कौशल केंद्रों पर युवाओं को ड्रोन प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स, जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और अन्य उभरती तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।एनएसडीसी के सहयोग से विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेजों, पॉलिटेक्निक संस्थानों और सरकारी आईटीआई में स्थापित होने वाले ये केंद्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और स्किल इंडिया मिशन के अनुरूप कार्य करेंगे।

भोपाल को मिलेगा 25 एकड़ क्षेत्रफल का विश्वस्तरीय कन्वेंशन और एग्जिबिशन सेंटर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज करेंगे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क सतगढ़ी का भूमि-पूजन एवं शिलान्यास

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश को देश का अग्रणी औद्योगिक एवं निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिये औद्योगिक अधोसंरचना के विस्तार, निवेश-अनुकूल वातावरण के निर्माण और रोजगार सृजन को गति देने के उद्देश्य से निरंतर प्रभावी पहल की जा रही हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव राजधानी भोपाल को आधुनिक औद्योगिक पहचान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज 6 जुलाई (सोमवार) को सतगढ़ी में विकसित किए जा रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क का भूमि-पूजन एवं शिलान्यास करेंगे। राष्ट्रवादी चिंतक एवं भारत के प्रथम उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर आयोजित यह कार्यक्रम प्रदेश की औद्योगिक विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव होगा। कार्यक्रम में देश और प्रदेश के लगभग 200 से अधिक प्रमुख उद्योगपति, निवेशक और उद्योग संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। लगभग 173 एकड़ क्षेत्र में विकसित होने वाला डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क भोपाल और आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार का नया आधार बनेगा। परियोजना में आधुनिक औद्योगिक अधोसंरचना, उत्कृष्ट सड़क एवं परिवहन संपर्क, आईटी एवं एआई आधारित सुविधाएं, लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग कॉम्प्लेक्स तथा भविष्य की औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा, जिससे निवेशकों को विश्वस्तरीय औद्योगिक वातावरण उपलब्ध हो सके। यह परियोजना वर्क-लिव-ग्रो मॉडल पर आधारित होगी, जहां उद्योगों के साथ कौशल विकास, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण जीवन के लिए आवश्यक सुविधाओं का समन्वित विकास किया जाएगा। पार्क में उच्च मूल्य विनिर्माण, गारमेंट, टॉयज, आईटी, एआई, लॉजिस्टिक्स तथा उभरती तकनीकों से जुड़े उद्योगों को स्थापित करने की परिकल्पना की गई है। इससे राजधानी में विविध औद्योगिक क्षेत्रों का संतुलित विकास सुनिश्चित होगा और नए निवेश के अवसर सृजित होंगे।

अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई गति

सतगढ़ी में विकसित हो रहा यह स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क कोलार क्षेत्र के विकास की दिशा भी बदलेगा। अब तक मुख्य रूप से आवासीय क्षेत्र के रूप में विकसित कोलार आने वाले समय में निवेश, उद्योग और रोजगार का नया केंद्र बनेगा। परियोजना से 15 हजार से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने का अनुमान है, जिनका लाभ विशेष रूप से भोपाल और आसपास के युवाओं को मिलेगा। इसके साथ ही बढ़ती औद्योगिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्राप्त होगी। परियोजना की एक विशेष उपलब्धि यहां विकसित किया जाने वाला विश्वस्तरीय कन्वेंशन एवं एग्जिबिशन सेंटर होगा। लगभग 25 एकड़ क्षेत्र में प्रस्तावित यह परिसर 10 हजार से अधिक लोगों की क्षमता वाला होगा, जहां राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के निवेशक सम्मेलन, औद्योगिक प्रदर्शनियां, व्यापारिक आयोजन और वैश्विक व्यवसायिक कार्यक्रम आयोजित किए जा सकेंगे। इससे भोपाल को मध्य भारत के प्रमुख एमआईसीई (मीटिंग्स, इंसेन्टिव्स, कॉन्फ्रेंसेस एण्ड एग्जिबिशन) गंतव्य के रूप में नई पहचान मिलने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार मिलेगा।

प्रदेश की निवेश क्षमता को मिलेगी मजबूती

रणनीतिक दृष्टि से भी यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। सतगढ़ी क्षेत्र राजा भोज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, कोलार रोड तथा प्रस्तावित वेस्टर्न बायपास से बेहतर संपर्क के कारण निवेशकों के लिए सुविधाजनक औद्योगिक गंतव्य के रूप में विकसित होगा। यह कनेक्टिविटी उद्योगों की स्थापना, लॉजिस्टिक्स और व्यापारिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पार्क को पर्यावरण अनुकूल एवं स्मार्ट औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अंतर्गत एससीएडीए आधारित जल प्रबंधन प्रणाली, जल एवं सीवेज शोधन संयंत्र, ऑटोमेटेड एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम, इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशन, आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था तथा अत्याधुनिक यूटिलिटी कॉरिडोर जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे औद्योगिक विकास के साथ पर्यावरण-संरक्षण और संसाधनों के कुशल प्रबंधन को भी बढ़ावा मिलेगा। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क राजधानी भोपाल में औद्योगिक निवेश, आधुनिक विनिर्माण और रोजगार सृजन के नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेगा। यह परियोजना औद्योगिक अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण के साथ प्रदेश की निवेश क्षमता को और मजबूत करेगी तथा भोपाल को मध्य भारत के प्रमुख औद्योगिक एवं व्यावसायिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मध्यप्रदेश बनेगा देश में महिलाओं की सोसायटी बनाने वाला अग्रणी राज्यः मंत्री सारंग

सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के 5 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित सहकारी सप्ताह समारोह

भोपाल (स्वतंत्र मत)। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि मध्यप्रदेश देश में महिलाओं की सोसायटी बनाकर अग्रणी राज्य बनेगा। इस नवाचार की शुरूआत अगले माह से की जायेगी। मंत्री श्री सारंग रविवार को अपेक्स बैंक में आयोजित सहकारी सप्ताह कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश जल्द ही बीज के मामले में भी लीड करेगा। इसके पहले कम्प्यूटराइजेशन के साथ पिछले साल ऑनलाइन ऑडिट में भी मध्यप्रदेश का सहकारिता विभाग आगे रहा। यही नहीं मध्यप्रदेश ऑनलाइन केसीसी देने वाला पहला राज्य भी बना है। सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार की स्थापना के 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सहकारी सप्ताह समारोह में मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सहकारिता में अधिकारी-कर्मचारी समाज के उन्नयन के लिये योगदान दे रहे हैं। साथ ही अलग-अलग आयामों पर काम किया जा रहा है। युवा, महिला, किसान सहित हर वर्ग के कल्याण पर ध्यान दिया जा रहा है। रोजगार की दिशा में समाज के निचले वर्गों को आत्म-निर्भर बनाने में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

राष्ट्र के उन्नयन में राज्य का समावेश होना जरूरी - मंत्री श्री सारंग ने कहा कि राष्ट्र के उन्नयन में राज्य का समावेश होना जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में देश सहकारिता की दिशा में नित नये आयाम गढ रहा है। किसान, जवान, विज्ञान और अनुसंधान के जरिये सहकारिता आंदोलन को नई दिशा दी जा रही है। कॉर्पोरेट और को-ऑपरेटिव को जोड़कर नई अवधारणा बनाई जा रही है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जा रहा है, जिन्होंने अपनी जिम्मेदारी का ठीक ढंग से निर्वहन किया। यह लोग दूसरों के लिये प्रेरणा-स्रोत बने हैं। इससे जिन्हें पुरस्कार नहीं मिले हैं वे लोग भी अच्छा कार्य कर सम्मानित हो सकेंगे और अपनी नई पहचान बना सकेंगे।

सहकारिता सप्ताह के दौरान जिलों में भी हुए उत्साहवर्धक कार्य - अपेक्स बैंक के प्रशासक महेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि सहकारिता सप्ताह के दौरान जिलों में भी उत्साह के साथ कार्यक्रम हुए। इस दौरान अधिक से अधिक पौध-रोपण भी किया गया। अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक मनोज गुप्ता ने स्वागत उद्बोधन दिया। अंत में सहकारी संघ के प्रबंध संचालक ऋतुराज रंजन ने आभार माना।

अमानत संग्रहण लक्ष्य के विरुद्ध पूर्ति में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए जिला सहकारी केंद्रीय बैंक विदिशा को 21 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। इसी में द्वितीय स्थान प्राप्त करने के लिए जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दतिया को 15 हजार रुपये और तृतीय स्थान प्राप्त करने के लिए जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दतिया को 11 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया गया।

नेशनल कराटे प्रतियोगिता में सिद्धार्थ ने जीता गोल्ड

हटा (स्वतंत्र मत)। भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में हटा के प्रतिभाशाली खिलाड़ी सिद्धार्थ अग्रवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीतकर नगरए जिला और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। प्रतियोगिता में देश के 12 राज्यों के लगभग 550 खिलाड़ियों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबले में सिद्धार्थ ने महाराष्ट्र के खिलाड़ी को 3.0 से पराजित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। सिद्धार्थ सचिन अग्रवाल के पुत्र एवं श्रीकृष्णा इंटरनेशनल स्कूल के छात्र हैं। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय एवं नगरवासियों ने स्वागत रैली निकाली। इस अवसर पर विद्यालय के दो अन्य छात्र राम गुप्ता एवं अर्पण राय के राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होने पर भी सम्मान किया गया।

प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट

पांढुर्णा में बिजली गिरने से महिला की मौत, भिंड में घरों में घुसा गंदा पानी, कालीसिंध नदी उफान पर

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मध्य प्रदेश में मानसून जमकर बरस रहा है। रविवार को पांढुर्णा जिले के सीतापार के पगड़ी गांव में बिजली गिरने से 48 वर्षीय सुलोचना तड़ाम की मौत हो गई। भोपाल, नरसिंहपुर, विदिशा, टीकमगढ़, मुरैना समेत कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश हुई। सीहोर में घने काले बादलों के कारण दिन में ही अंधेरे जैसे हालात बन गए।

वहीं, मंदसौर में इस मानसून सीजन में अब तक 6.04 इंच बारिश दर्ज की गई। शाजापुर में सबसे ज्यादा 28 मिमी बारिश हुई।

बारिश के बाद कालीसिंध नदी उफान पर है।

मौसम विभाग ने आज सोमवार को प्रदेश के आधे हिस्से में भारी से अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग में सबसे ज्यादा असर रहने की संभावना है।रतलाम, धार, बड़वानी, शाजापुर, बैतूल, पांढुर्णा, मंडला, बालाघाट और डिंडौरी में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।इसके साथ ही नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, उज्जैन, इंदौर, खरगोन, देवास, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, सीहोर, नर्मदापुरम, रायसेन, छिंदवाड़ा, सिवनी, अनूपपुर, कटनी, पन्ना, झाबुआ और अलीराजपुर में भारी बारिश की चेतावनी है। यहां अगले 24 घंटे में 4 से 8 इंच तक बारिश हो सकती है।

ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, राजगढ़, विदिशा, भोपाल, सागर, नरसिंहपुर, जबलपुर, उमरिया, शहडोल, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, सतना, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

ऑनलाइन लोन के झांसे में महिला से 4 लाख की ठगी

हटा (स्वतंत्र मत)। ऑनलाइन लोन दिलाने के नाम पर हटा नगर की एक महिला से करीब 4 लाख रुपये की कथित साइबर ठगी का मामला सामने आया है। पीड़िता ने थाना हटा में लिखित शिकायत देकर आरोपी महिला के विरुद्ध कार्रवाई और ठगी गई राशि वापस दिलाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार हटा के मुरली मनोहर वार्ड निवासी हेमलता पति कुशलचंद्र कोरी ने शिकायत में बताया कि उन्होंने एक ऑनलाइन विज्ञापन के माध्यम से लोन संबंधी मोबाइल नंबर पर संपर्क किया था। बातचीत के दौरान स्वयं को रुकसार बी बताने वाली महिला ने 12 लाख रुपये का बैंक लोन दिलाने का भरोसा दिया और प्रोसेसिंग, दस्तावेजी कार्रवाई तथा अन्य शुल्क के नाम पर किस्तों में राशि जमा कराने के लिए कहा। शिकायत के मुताबिक अगस्त 2025 से फरवरी 2026 के बीच पीड़िता ने आरोपी द्वारा बताए गए फोन पे नंबर और बैंक खाते में अलग.अलग किश्तों में लगभग 4 लाख रुपये जमा कर दिए। इसके बावजूद न तो लोन स्वीकृत हुआ और न ही जमा की गई राशि वापस मिली। बाद में आरोपी के सभी मोबाइल नंबर बंद हो गए तब पीड़िता को अपने साथ ठगी होने का एहसास हुआ। पीड़िता ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी एवं साइबर ठगी का मामला दर्ज करने, ठगी गई राशि वापस दिलाने तथा उचित क्षतिपूर्ति दिलाने की मांग की है। थाना हटा पुलिस का कहना है कि मामले में लिखित शिकायत प्राप्त हुई है।

कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग में अध्यक्ष के लिये हुई दावेदारी

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिला कांग्रेस कार्यालय में अल्पसंख्यक विभाग में नवनियुक्त अध्यक्ष पद के लिये जिले के युवाओं ने बढ़-चढ़ कर अपने सर्मथकों के साथ पर्थवेक्षक शहजाद हुसैन के समक्ष अपनी दावेदारी की। पर्यवेक्षक शहजाद हुसैन ने बारी बारी से दावेदारों से मुलाकात कर कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि जिन्होंने भी दावेदारी की है अध्यक्ष तो एक को ही बनना है किन्तु बाकी लोगों को भी कहीं न कहीं जिम्मेवादी दी जायेगी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मानक पटेल ने कहा कि अल्पसंख्यक विभाग में कई समुदाय की भागेदारी है और वह भी चाहते है किसी सक्रिय कांग्रेस कार्यकर्ता अध्यक्ष पद की जिम्मेवादी दी जाये। पूर्व विधायक अजय टंडन, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष रतनचंद जैन, मनु मिश्रा ने कहा कि जिस तरह का उत्साह आज देखने मिला है, उससे यह प्रतीत होता है कि जिस तरह भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार हो रहा है उससे युवाओं में जमकर नारजगी है दावेदार शमीम कुरैशी, रफीक खान, राजा खान, रियाज खान ने अपने सर्मथकों के साथ पर्यवेक्षक को अपना बायोडाटा सौंपा। संजय चौरसिया, नितिन मिश्रा, वीरेन्द्र दबे, निधि श्रीवास्तव, परम यादव, शाहिद नूर, विजय बहादुर, सिंह, वीरेन्द्र राजपूत, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, डी.पी. पटैल, दृगपाल सिंह, उबेद गौरी, अभिषेक डिम्हा, दिनेश रैकवार, बसंत कुशवाहा, मुकेश रोहितास, शुभम तिवारी, खिल्लू ठाकुर, मंजीत यादव, शानु जुनेजा गोपाल रैकवार, अशोक ठाकुर ने भी पर्यवेक्षक का स्वागत करते हुए अपने विचार रखते हुए कहा कि कुछ अल्पसंख्यक जो हमसे नाराज थे वह आज पुनः कांग्रेस की मुख्यधारा से जुड़ रहे है।

बारिश से घर का छप्पर गिरा

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिले के मगरोन थाना क्षेत्र के इटवा मंगोला गांव में रविवार दोपहर बारिश के कारण एक कच्चे घर का छप्पर गिर गया। इस हादसे में घर के अंदर मौजूद ग्राम कोटवार रविकांत अठया घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए बटियागढ़ स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया है। घायल कोटवार रविकांत अठया ने बताया कि दोपहर में बारिश हो रही थी और वे अपने घर के अंदर खाना खा रहे थे। इसी दौरान जर्जर छप्पर अचानक नीचे गिर गया और वे मलबे में दब गए। उनके सिर में चोट आई है।परिजनों ने पड़ोसियों की मदद से उन्हें मलबे से बाहर निकाला। डायल 112 पर फोन किया गया, लेकिन व्यस्त होने के कारण संपर्क नहीं हो सका। इसके बाद ग्रामीण उन्हें निजी वाहन से बटियागढ़ स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों द्वारा उनका इलाज किया जा रहा है।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना की सूचना राजस्व विभाग के अधिकारियों को भी दी गई है। गौरतलब है कि बारिश के मौसम में कच्चे घरों के छप्पर गिरने की घटनाएं अक्सर सामने आती हैं, जिनमें लोग घायल हो जाते हैं।

सहकारिता ही समृद्धि का आधार हैः दिनेश कुमार मांझी

दमोह (स्वतंत्र मत)। जनजागरण सहकारी सप्ताह 2026 अंतर्गत बुंदेलखंड सहकारी दुग्ध संघ सागर के तत्वाधान में सहकार से समृद्धि विकसित मध्यप्रदेश विषय पर प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित राजलवारी में भरत पटेल सरपंच के मुख्य आतिथ्य, दिनेश कुमार मांझी जिला प्रबंधक, दुग्ध शीत केंद्र दमोह की अध्यक्षता व परशुराम पटेल पूर्व सरपंच, द्वारका पटेल व भरत चौबे के विशिष्ट आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। संचालन जिला सहकारी संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संजीव दुबे ने करते हुए दुग्ध सहकारी समितियों के गठन उद्देश्य व कार्य प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी। दिनेश कुमार मांझी ने बताया कि

दमोह जिले में 103 दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत है जिसमें 2575 सदस्य हैं और इन समितियों से प्रतिदिन लगभग 11000 लीटर दुग्ध संकलन हो रहा है। दुग्ध संघ द्वारा समिति के सदस्यों को शीघ्र ही वोनस का वितरण किया जाना है। मप्र शासन द्वारा डेयरी व्यवसाय करने के इच्छुक लोगों के लिए कामधेनु योजना व आचार्य विद्यासागर जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिसमें 25 प्रतिशत से 33 प्रतिशत तक अनुदान मिलता है। आप लोग इसका लाभ उठाएं।

कार्यक्रम में टीकाराम पटेल, मुरलीधर, शंकर सिंह, लखन लाल चौबे, ओमकार चौबे, दुर्गेश अहिरवार, अशोक रैकवार सहित समिति सदस्यों व किसानों की उपस्थिति रही। आभार शालगराम अठ्या सुपरवाइजर ने माना।

अतिवर्षा व संभावित बाढ़ से निपटने नपा ने बनाया कंट्रोल रूम

हटा (स्वतंत्र मत। आगामी अतिवर्षा एवं संभावित बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए नगर पालिका परिषद हटा ने कार्यालय परिसर में 24 घंटे संचालित होने वाला बाढ़ नियंत्रण कक्ष कंट्रोल रूम स्थापित किया है। यह कंट्रोल रूम 30 जून से 15 सितंबर 2026 तक लगातार कार्य करेगा। नगर पालिका द्वारा जारी आदेश के अनुसार कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 07604-262237 निर्धारित किया गया है। कंट्रोल रूम के प्रभारी राजस्व उपनिरीक्षक अंकित निरंजन को बनाया गया है। कर्मचारियों की तीन पालियों में ड्यूटी लगाई गई है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। कंट्रोल रूम के कार्यों की निगरानी और समीक्षा नगर पालिका प्रशासन द्वारा की जाएगी।

हटा नगर की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए यह व्यवस्था महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सुनार नदी का जल स्तर बढ़ते ही नगर के बीच से गुजरने वाले नाले में पानी का रिवर्स फ्लो शुरू हो जाता है जिससे कई वार्डों में बाढ़ जैसे हालात बन जाते हैं। वहीं तेज बारिश के दौरान नवोदय वार्ड, ककराई क्षेत्र सहित नगर के कई हिस्सों में जलभराव और जलप्लावन की समस्या भी उत्पन्न होती रही है। इन्हीं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। मुख्य नगर पालिका ने नागरिकों से अपील की है कि अतिवृष्टि, जलभराव या बाढ़ संबंधी किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम के दूरभाष पर दें ताकि समय पर राहत एवं बचाव की कार्रवाई की जा सके।

स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने सीएमएचओ ने किया स्वास्थ्य संस्थाओं का निरीक्षण

दमोह (स्वतंत्र मत)। जनसामान्य को गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश राय ने गत दिवस आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र समन्ना, उप स्वास्थ्य केंद्र लुहर्रा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बांदकपुर एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हिण्डोरिया का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान हाई-रिस्क गर्भवती महिलाओं के प्रबंधन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, गर्भवती महिलाओं के नियमित फॉलोअप, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता, स्टॉक रजिस्टर, मौसमी बीमारियों की तैयारियों तथा स्वास्थ्य संस्थाओं की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। हाई-रिस्क गर्भवती महिलाओं के समयबद्ध फॉलोअप एवं आवश्यक दवाओं की उपलब्धता के निर्देश डॉ. राय ने निर्देश दिए कि प्रत्येक पंजीकृत गर्भवती का समय पर फॉलोअप सुनिश्चित किया जाए। सभी आवश्यक जीवनरक्षक दवाएं एवं सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें तथा वर्षा ऋतु को देखते हुए स्वास्थ्य संस्थाएं किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहें। उन्होंने ऑनलाइन उपस्थिति के साथ संस्थाओं में ऑफलाइन उपस्थिति पंजी भी नियमित रूप से संधारित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान हाई-रिस्क गर्भवती महिलाओं के प्रबंधन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, गर्भवती महिलाओं के नियमित फॉलोअप, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता, स्टॉक रजिस्टर, मौसमी बीमारियों की तैयारियों तथा स्वास्थ्य संस्थाओं की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र समन्ना में निरीक्षण के दौरान आयरन सुक्रोज थेरेपी पूर्ण होने के बाद प्रयुक्त आईवी सेटध्ड्रिप सामग्री का निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार निस्तारण डिस्कार्ड नहीं किया जाना पाया गया। इस पर डॉ. राय ने संबंधित स्वास्थ्यकर्मियों को संक्रमण नियंत्रण एवं बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन के मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए उपचार उपरांत प्रयुक्त सामग्री का तत्काल डिस्कार्ड सुनिश्चित करने तथा भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति न होने के निर्देश दिए।

न्यायालय पंकज मिश्रा पंजीयक लोक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अधारताल जिला जबलपुर

राजस्व प्रकरण क्रमांक//बी-113/2026-2027

प्रारूप-4

(सूचना पत्र नियम-5(1) देखिए)

म.प्र.लोकन्यास अधिनियम 1951 की धारा 25 के अंतर्गत

आवेदक श्री प्रकाशचंद अग्रवाल पित्ता स्व.श्री विश्वनाथ प्रसाद अग्रवाल निवासी 1466 माडल रोड नेपियर टाउन जबलपुर के द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत म.प्र. लोकन्यास अधिनियम 1951 की धारा-25 के अधीन नवीन न्यासियो की नियुक्ति हेतु प्रस्तुत किया है जो निम्न है-

1. कमल सिंह कुशवाहा पिता प्रेमलाल कुशवाहा निवासी शंकराचार्य चौक मदन महल
2. अनिल कुशवाहा पिता महेश प्रसाद कुशवाहा नि43 बीरनेर सोनपुर जबलपुर
3. श्री अतुल जैसवानी पिता श्री धनीराम जैसवानी निवासी 1425 डॉ. बराट कम्पाउण्ड नेपियर टाउन जबलपुर
4. श्री विनोद पिता श्री दादूराम निवासी 695 अमखेरा रोड ओम नगर गोहलपुर
5. योगेन्द्र सिंह कुशवाहा पिता श्री कोदूलाल कुशवाहा निवासी लालमाटी बडी संतोषमाता मंदिर के पास गोपाल होटल पूर्वी घमापुर जबलपुर
6. सौरभ कनोजिया पिता श्री मूरत कनौजिया निवासी 312/66 नर्मदा नगर गोहलपुर

अतः एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उक्त आवेदन पर संधारित प्रकरण मेरे न्यायालय में दिनांक 16/07/2026 को विचार के लिए नियत है। कोई भी व्यक्ति / संस्था उक्त न्यास या सम्पत्ति में हित रखता हो और उक्त नियुक्ति के बारे में कोई आपत्ति प्रस्तुत करने या सुझाव देने का विचार रखता हो उसे इस सूचना के प्रकाशन के. दिनांक से एक माह के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन/दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है. अथवा उक्त नियत दिनांक को न्यायालय में मेरे समक्ष स्वयं या अपने अभिभाशक या अभिकर्ता के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। उपरोक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों / दावों / सुझावों पर कोई विचार के लिए ग्राहय नहीं किया जावेगा।

पेशी दिनाक 16/07/2026

पंजीयक लोक न्यास
एवं अनुविभागीय अधिकारी
अनुभाग अधारताल, जिला जबलपुर

▶▶ हफ्ता वसूली की मांग पर मचाया कोहराम

किराना दुकान पर बम पटककर फरार हुए बदमाश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रांझी थाने में 42 वर्षीय अनिल श्रीपाल निवासी रविदास नगर रांझी ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह गांधीचौक रांझी में श्रीपाल किराना एवं जनरल स्टोर की दुकान चलाता है बीती रात वह अपनी दुकान में अपने छोटे भाई संजय श्रीपाल के साथ काम कर रहा था। तभी तालाब मानेगांव निवासी मोनू शुक्ला एवं विवेक कोल हाथ में कट्टा लेकर आये बोले कि मैं यहां का गुण्डा हूं, यदि किराना दुकान चलाना है 5 हजार रूपये हफ्ता देना पड़ेगा नहीं तो जान से खत्म कर दूंगा।

▶▶ पनागर थाना क्षेत्र में वारदात, जांच में जुटी पुलिस

मध्यस्थता कराने आये युवक को मारा चाकू

जबलपुर। पनागर थाने में 24 वर्षीय अनिकेत उर्फ अंकित कोरी निवासी ग्राम पड़रिया पनागर ने बताया कि 3 जुलाई की रात ग्राम भर्दा खेरमाई के पास करन कोल अपने एक अन्य साथी के साथ उसकी बुआ के लड़के शनि कोल के साथ चाकू से हाथ में मारने की सूचना मिलने पर वह समझाने गया था पुरा रंजिश को लेकर उसके साथ गाली गलोज कर उसे जान से मारने की नियत से चाकू से हमला किया जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

आरटीआई में लापरवाही: तत्कालीन एएसपी और टीआई पर 25-25 हजार का जुर्माना

राज्य सूचना आयोग की कार्यवाही, व्यक्तिगत पेशी का आदेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र राज्य सूचना आयोग ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत जानकारी न देने और लापरवाही बरतने के मामले में बड़ी कार्यवाही की गई है। आयोग ने जबलपुर के तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजय अग्रवाल और गोरखपुर के तत्कालीन थाना प्रभारी अरविंद चौबे पर 25-25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही दोनों अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए 7 अगस्त को होने वाली अगली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का कड़ा आदेश दिया गया है।

ये है पूरा मामला

दरअसल यह मामला ग्वारीघाट के आदर्श नगर निवासी अजीत सिंह आनंद से संबंधित है। आनंद ने आरोप लगाया था कि 20 जून 2023 को गोरखपुर पुलिस उन्हें उनके घर से ले गई थी और 24 घंटे से अधिक समय तक थाने में अवैध रूप से हिरासत में रखा। रिहाई के बाद, पीड़ित ने अपनी हिरासत से संबंधित रोजनामचा सान्हा (दैनिक डायरी) के रिकॉर्ड और थाने के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने तथा उन्हें उपलब्ध कराने के लिए आरटीआई आवेदन प्रस्तुत किया था। तत्कालीन थाना प्रभारी द्वारा जानकारी देने से इनकार करने के बाद, आवेदक ने प्रथम अपीलीय अधिकारी और तत्कालीन एएसपी संजय अग्रवाल के समक्ष अपील दायर की।

फुटेज देने से किया इंकार

बताया जा रहा है कि एएसपी ने रोजनामचा सान्हा के दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, लेकिन अन्य लोगों की निजता का हवाला देते हुए सीसीटीवी फुटेज देने से मना कर दिया। एएसपी के आदेश के बावजूद आवेदक को कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई, जिसके कारण मामला राज्य सूचना आयोग तक पहुंचा। आयोग ने सुनवाई के दौरान पाया कि अधिकारियों द्वारा समय पर आवेदन का निराकरण न करने के कारण ही आवेदक को द्वितीय अपील के लिए विवश होना पड़ा।

63 हजार की सिगरेट ले उड़े चोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। थाना कोतवाली थाने में 45 वर्षीय राजेन्द्र कुमार चक्रवर्ती निवासी ग्राम मंगेला, माढ़ोताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि गलगला रिषभ स्टोर राहुल जैन की दुकान में लगभग 15-20 वर्ष से काम करता है। 29 जून को टीव्हीएस एक्सेल वाहन से तीन बंडल सिगरेट का पैकेट पीछे बांधकर रिषभ स्टोर दुकान से शाम को रागी पान मसाला विजयनगर देने जा रहा था। जैसे ही खटीक मोहल्ला कोतवाली पहुंचा तभी एक व्यक्ति पीछे से आकर सिगरेट के बंडल में बंधी रस्सी को खोलने लगा तथा सिगरेट का एक बंडल कीमत लगभग 63 हजार 500 रूपये का निकालकर भागने लगा, उसने गाड़ी किनारे खड़ी कर उक्त व्यक्ति को पकड़ने दौड़ा जो उसे डराने धमकाने लगा तथा अपने एक साथी जो कुछ दूरी पर एक्टिवा चालू कर खड़ा था जिसकी एक्टिवा में बैठकर भाग गया। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

आग की लपटों में घिरी इंसाफ की आस

युवक ने थाने के सामने पेट्रोल डालकर लगाई आग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। माढ़ोताल थाना के सामने रविवार को एक युवक ने पेट्रोल डालकर खुद पर आग लगी। आत्मदाह के इस प्रयोग में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इधर घटना की जानकारी लगते ही मौके पर अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया। बताया जा रहा है कि प्रभात नगर निवासी गंगाराम नामक युवक पुलिस से कार्यवाही नहीं होने से परेशान था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक अपनी किसी शिकायत को लेकर थाने पहुंचा था और लंबे समय से कार्यवाही नहीं होने से नाराज था। इसी दौरान उसने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा ली, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए युवक को बचाया और इलाज के लिए मेडिकल अस्पताल भिजवाया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस- इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने अब इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाया जा रहा है कि युवक किस मामले में कार्यवाही नहीं होने से परेशान था और किन परिस्थितियों में उसने इतना बड़ा कदम उठाया। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। थाने के सामने हुई इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

सुबह-सुबह 2 संभागों में पहुंचे निगमायुक्त, देखी सफाई व्यवस्था

सफाई कर्मियों की थपथपाई पीठ, डेयरी पर लगाया जुर्माना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार रविवार को सुबह-सुबह सफाई और वर्षाजल निकासी की व्यवस्था देखने धरातल पर उतरे। उन्होंने शहर के दो प्रमुख संभागों-गढ़ा और कछपुरा का अधिकारियों के साथ सघन दौरा किया। क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था और जल निकासी के इंतजामों की जमीनी हकीकत को देखा। दौरे के दौरान दोनों संभागों के विभिन्न वार्डों में सफाई व्यवस्था काफी बेहतर और सुदृढ़ नजर आई। मानसून के मौसम को देखते हुए जल भराव की स्थिति से निपटने के लिए की गई पूर्व तैयारियों का असर भी सड़कों और नालों में साफ देखने को मिला। वर्षाजल निकासी के सुचारू प्रबंध और मुस्तैद सफाई कर्मियों को देखकर निगमायुक्त ने गहरी प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर शुक्ला नगर में पूजा डेयरी संचालक सड़क पर व्यवसाय करते पाए जाने पर संचालक पर एक हजार रूपए का जुर्माना लगाया गया।

24 घंटे एक्टिव रखा जाए कंट्रोल रूम- कछपुरा और गढ़ा के संवेदनशील क्षेत्रों में पानी निकासी की बेहतर व्यवस्था मिलने पर उन्होंने कहा कि अधिकारियों की पूर्व योजना और मैदानी अमले की सक्रियता के कारण नागरिकों को जल भराव से बड़ी राहत मिली है।

निगमायुक्त ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे इस मुस्तैदी को कम न होने दें। उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम को 24 घंटे एक्टिव रखा जाए और जहां भी जल भराव की मामूली शिकायत भी आए, वहां तुरंत रिस्पॉन्स टीम भेजी जाए। इस औचक निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त के साथ नगर निगम के अपर आयुक्त अशफाक परवेज कुरैशी, कार्यपालन यंत्री जीएस मरावी, जनसंपर्क अधिकारी संजय मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

9 जुलाई को जबलपुर आयेगा छठवां राज्य वित्त आयोग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। छठवां राज्य वित्त आयोग 9 जुलाई को जबलपुर प्रवास पर रहेगा। आयोग की जबलपुर जिले के जनप्रतिनिधियों एवं संभाग के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ स्थानीय निकायों की वित्तीय स्थिति और विकास कार्यों की समीक्षा बैठक होगी। कार्यक्रम के अनुसार छठवें राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया की उपस्थिति में आयोग की 9 जुलाई को सुबह 11.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक सर्किट हाउस में जबलपुर जिले के मंत्रीगण, सांसद, विधायकगण, महापौर एवं जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ बैठक होगी। बैठक में नगरीय एवं पंचायती राज संस्थाओं की वित्तीय स्थिति पर सुझाव और चर्चा की जाएगी। आयोग की दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक संभागीय कार्यालय में जबलपुर संभाग के सभी कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त, नगर पालिका एवं नगर परिषदों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों के साथ बैठक होगी।

जन-जन तक पहुंचाए कांग्रेस संगठन की विचारधारा

शहर कांग्रेस सेवादल का ध्वज वंदन कार्यक्रम हुआ संपन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर कांग्रेस सेवादल द्वारा रविवार को पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत शाहनाला बस्ती, तिलवाराघाट रोड में ध्वज वंदन कार्यक्रम जबलपुर शहर कांग्रेस कमेटी के मदन महल ब्लॉक अध्यक्ष अभिषेक पाठक के संयोजन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रेखा झरिया रहीं। उन्होंने अपने उद्बोधन में देशहित में कांग्रेस की विचारधारा, संविधान के मूल्यों तथा कांग्रेस सेवादल की गौरवशाली परंपरा एवं योगदान पर प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शहर कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष सतीश तिवारी, सेवादल महिला विंग अध्यक्ष एड मीनाक्षी स्वामी, जबलपुर कांग्रेस सेवादल प्रवक्ता जितेंद्र यादव, राकेश चक्रवर्ती, उमेश पटेल, श्वेता दुबे आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

पुरानी रंजिश के चलते युवक को मारा चाकू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोरखपुर थाने में देर रात मेडिकल कॉलेज लाये गए 19 वर्षीय एंडरूस एंथोनी निवासी खेरमाई मंदिर के पास गोरखपुर ने बताया कि वह पुट्टी पुताई का काम करता है। रात को अपने दोस्त दुर्गेश झारिया के साथ चायनीज खाने विजय गुप्ता की दुकान हाथीताल गये थे। तभी बाइक से निखिल बर्मन और अब्बू बर्मन आकर पुरानी रंजिश को लेकर गाली गलौज करने लगे, उसने गालियां करने से मना किया तो निखिल बर्मन ने चाकू से हमलाकर उसे चोट पहुँचा दी उसी समय जितू बर्मन, शुभ बर्मन आकर मारपीट किये। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जाँच शुरू करदी है।

अपराधियों के बुलंद हौसलों से आमजन का जीना हुआ दुश्वार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रांझी थाना क्षेत्र में खुलेआम छलकते जाम, महिलाओं के साथ अभद्रता और चोरी की बढ़ती वारदातों के विरोध में विश्व हिंदू परिषद एवं स्थानीय निवासियों ने रांझी थाने का घेराव किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़कों और सूने चौराहों पर देर रात तक जुटने वाले नशेड़ियों और असामाजिक तत्वों के आतंक से पूरे इलाके में खौफ का माहौल है। आम जनता की इसी परेशानी को लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल आयुध जिला ने मोर्चा खोलते हुए पुलिस अधीक्षक के नाम एक तीखा ज्ञापन सौंपा है। संगठन के पदाधिकारियों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि इस गुंडागर्दी और अवैध कबाड़ दुकानों के जरिए बढ़ रही चोरी-चकबजी पर तुरंत लगाम नहीं कसी गई, तो किसी भी अप्रिय स्थिति के लिए शासन-प्रशासन पूरी तरह जिम्मेदार होगा। ज्ञापन में विशेष रूप से स्कूल की छुट्टी के समय और शाम 4 से रात 11 बजे के बीच संवेदनशील इलाकों में पुलिस गश्त बढ़ाने पर जोर दिया गया है। इसके अलावा, सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों पर सख्त कानूनी हंटर चलाने और शराब दुकानों में काले पर्दे लगवाने जैसी मांगें भी उठाई गई हैं।

सिहोरा को मिली जलसंकट से राहत, लबालब हुई हिरन नदी

सूखे हैंडपंप-कुओं में लौटने लगी उम्मीद, स्थानीय लोगों को राहत

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

लगातार दो दिनों तक हुई मानसूनी बारिश के बाद सिहोरा अंचल की जीवनदायिनी हिरन नदी एक बार फिर पानी से लबालब हो गई है। ढीमरखेड़ा क्षेत्र में हुई तेज बारिश के कारण दतला नाले का पानी हिरन नदी में पहुंचा, जिससे पिछले एक माह से सूखी पड़ी नदी में फिर से कलकल जलधारा बहने लगी। नदी में पानी लौटने से सिहोरा नगर सहित नदी किनारे बसे दर्जनों गांवों के लोगों ने राहत की सांस ली है। बारिश से पहले नदी पूरी तरह सूख जाने के कारण क्षेत्र में जलसंकट गहरा गया था। भूजल स्तर लगातार गिरने से कई हैंडपंप और कुएं जवाब दे चुके थे। ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ रहा था, जबकि मवेशी और वन्यजीव भी पानी के अभाव से परेशान थे।

दो दिन की बारिश से बदला मंजर

लगातार हुई बारिश ने पूरे क्षेत्र की तस्वीर बदल दी है। नदी में जलप्रवाह शुरू होने से सूखे जलस्रोत रिचार्ज होने लगे हैं और भूजल स्तर में सुधार की उम्मीद बढ़ी है। इससे पेयजल संकट काफी हद तक कम हुआ है। वहीं, नदी में पानी लौटने से मवेशियों और वन्यजीवों को भी पर्याप्त पानी मिलने लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि समय पर हुई बारिश ने पूरे अंचल को बड़ी राहत दी है और खेती-किसानी के लिए भी अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं।

शराब के लिये रुपये न देने पर मारपीट

जबलपुर। रांझी थाने में 22 वर्षीय गोविन्द निशाद निवासी ग्राम भरतपुर ,कोशंगी उत्तर प्रदेश वर्तमान पता मोहनिया शराब दुकान ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह शराब दुकान में हेल्पर का काम करता है। बीती शाम वह मोहनिया शराब दुकान के सामने खड़ा था। उसी समय विक्की मल्लाह व मुकेश वंशकार आकर उससे शराब पीने के लिए 1 हजार रूपये मांगने लगे, उसने रूपये देने से मना किया तो पत्थर मार दिए। जिससे उसे चोट आई दोनों धमकी देते हुये भाग गये। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

बच्चों ने चित्रकला से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में रविवार को गढ़िया मोहल्ला स्थित गायत्री मंदिर परिसर में बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उनकी रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता प्रियदर्शन पाठक एवं विशेष अतिथि बालाघाट के जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम बर्मन रहे। प्रतियोगिता में 23 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण विषय पर आकर्षक चित्र बनाकर अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। नन्हें कलाकारों की कल्पनाशीलता और रंगों के माध्यम से दिए गए प्रकृति संरक्षण के संदेश ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया।

South Avenue Mall | moviemagic | RUBY moviemagic

EXPERIENCE RUBY WHERE CINEMATIC LUXURY AWAITS

ALPHA (HIN)	9:40 AM, 12:20 PM, 4:35 PM, 6:10 PM & 10:30 PM; RUBY 7:15 PM & 9:35 PM
NAGABANDHAM - THE SECRET TREASURE (HIN)	RUBY 10:20 AM
MINIONS & MONSTERS (ENG)	RUBY 5:30 PM
BABY DO DIE DO (HIN)	12:30 PM
WELCOME TO THE JUNGLE (HIN)	9:25 AM, 12:30 PM, 3:40 PM, 6:50 PM, 9:30 PM & 10:15 PM; RUBY 9:45 PM
COCKTAIL 2 (HIN)	1:40 PM | RUBY 3:45 PM
MAIN VAAPAS AAUNGA (HIN)	3:00 PM & 7:20 PM | RUBY 6:30 PM
OBSESSION (ENG)	RUBY 1:15 PM & 3:20 PM

@moviemagic_jbp
MOVIE MAGIC now with 5 BIG SCREENS
Book tickets & F&B on Movie Magic App at ZERO PLATFORM FEE
Bulk Booking / Advertising 9425807507
Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508

CHADHA
ADMISSION OPEN
NAAC ACCREDITED
AICTE APPROVED Regular
MBA
HR | FINANCE | MARKETING
BCA BBA B.COM B.Sc. B.A. B.Lib
LL.B LL.M. M.COM M.S.W. MBA M.Sc.
PGDCA DCA
KATNI ARTS & COMMERCE COLLEGE,AUTONOMOUS
(CHADHA COLLEGE)
Sarswati School Road,Nai Basti,Katni (M.P.) 8871017268 9755217445 9752020482 9329821337

Make career in Medical field...
B.PHARMACY
ADMISSION OPEN-2026
D.PHARMACY
PCI New Delhi, AFRC Approved, DTE Approved, RGPV University Bhopal Recognised
B.ED · LLB · D.ED
SILICOBYTE KDC — since 1995 —
सिलिकोबाइट कटनी डिग्री कॉलेज
Email : silicobyte@yahoo.com 9981435977
Experienced Faculty | Well Equipped Labs | 100% Practical Training | Placement Assistance
ENQUIRY NOW 9981435977

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**